@Qpatrika @qaumipatrika hindi instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका

राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

मंगलवार, 17 फरवरी 2026

VISIT: www.qaumipatrika.in Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 104 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

भिवाड़ी में अवैध पटाखा फैक्ट्री में धमाका, 8 लोग जिंदा जले

● 4 गंभीर झुलसे, पॉलीथीन में ले जाने पड़े शव; मैनेजर हिरासत में, फैक्ट्री सील

एजेंसी

भिवाड़ी। राजस्थान के भिवाड़ी-खुशखेड़ा औद्योगिक क्षेत्र में सोमवार को एक अवैध पटाखा फैक्ट्री में हुए भीषण विस्फोट और अग्निकांड ने पूरे इलाके को दहला दिया. इस हादसे में अब तक 8 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। मरने वालों में से सात के शव मौके से बरामद हुए, जो इस कदर जल चुके थे कि उनकी पहचान करना नामुमकिन है। अब मृतकों की शिनाख्त के लिए डीएनए टेस्ट का सहारा लिया जाएगा।

प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार, यह परिसर एक गारमेंट फैक्ट्री (कपड़ा फैक्ट्री) के नाम पर लीज पर लिया गया था, लेकिन इसकी आड़ में यहां अवैध रूप से पटाखों का निर्माण किया जा रहा था. जब धमाका हुआ, तब फैक्ट्री के भीतर 20 से अधिक मजदूर काम कर रहे थे. धमाका इतना जोरदार था कि शवों के चिथड़े उड़ गए और कई मजदूर जिंदा जलकर कंकाल बन गए. पुलिस को मौके से बारूद और भारी मात्रा में तैयार पटाखे बरामद हुए हैं। हादसे में जान गंवाने वाले कुछ मजदूर बिहार के रहने वाले थे. मौके पर पहुँची फॉरेंसिक टीम ने हड्डियों के नमूने और साक्ष्य एकत्र किए हैं. दिल्ली के सफदरजंग और एम्स में भर्ती घायलों की हालत बेहद नाजुक बनी हुई है।

सरकार सख्तः मुआवजे और जांच के आदेश

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए बचाव कार्य के निर्देश दिए। वन मंत्री संजय शर्मा ने मौके पर पहुंचकर जांच के आदेश दिए हैं। जिला कलेक्टर आर्तिका शुक्ला ने मामले की न्यायिक जांच के आदेश दिए हैं और अब भिवाड़ी के सभी औद्योगिक केंद्रों की सघन जांच के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा।

प्रधानमंत्री ने राजस्थान के भिवाड़ी में आग लगने की घटना पर जताया दुख

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को राजस्थान के भिवाड़ी में आग लगने की घटना पर दुख जताया। उन्होंने पीड़ित परिवार के प्रति संवेदनाएं व्यक्त की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर दुख व्यक्त करते हुए लिखा कि राजस्थान के भिवाड़ी में आग लगने की घटना अत्यंत दुःखद है। जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति मेरी संवेदनाएं। उन्होंने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राजस्थान के भिवाड़ी में हुए हादसे पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने इस घटना में मारे गए बिहार के 5 मजदूरों के परिजनों को मुख्यमंत्री राहत कोष से 2-2 लाख रुपए अनुग्रह अनुदान देने का ऐलान किया। सीएम नीतीश कुमार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा कि राजस्थान के भिवाड़ी के खुशखेड़ा औद्योगिक क्षेत्र स्थित केमिकल फैक्ट्री में आग लगने से हुए हादसे में मजदूरों की मृत्यु अत्यंत दुःखद। शोक संतप्त परिजनों के प्रति गहरी संवेदना है। इस हादसे में बिहार के 5 मृतकों के परिजनों को मुख्यमंत्री राहत कोष से 2-2 लाख रुपए अनुग्रह अनुदान देने का निर्देश दिया है।

गिरिराज सिंह का लालू प्रसाद यादव पर तंज-जैसा बोओगे, वैसा काटोगे

एजेंसी

बेगूसराय। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने राष्ट्रीय जनता दल प्रमुख लालू प्रसाद यादव पर तंज कसते हुए कहा कि पूर्व सीएम के पास तो भ्रष्टाचार का बहुत अनुभव है। राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव और बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी ने सोमवार को सीबीआई द्वारा जांच किए जा रहे रेलवे में जमीन के बदले नौकरी के भ्रष्टाचार के कथित मामले में खुद को निर्दोष बताया है। लालू यादव के बयान पर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि कानून सभी के लिए बराबर होते हैं। सीबीआई एक संवैधानिक संस्था है, जो कानून के तहत काम करती है। अगर उसने किसी को दोषी ठहराया है, तो उसे दोषी मानना ही चाहिए। लालू यादव को इसके खिलाफ जाने से कौन रोक रहा है, लेकिन लालू यादव का तो बैकग्राउंड ऐसा है कि उनके पास भ्रष्टाचार का बहुत अनुभव है और जैसा बोओगे, वैसा काटोगे। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि इंडी अलायंस सिर्फ नाम का था। यह अलायंस सिर्फ पीएम मोदी के विरोध के लिए बनाया गया था, लेकिन ममता बनर्जी से लेकर राहुल गांधी तक, किसी भी नेता में दम नहीं है। बंगाल में चुनाव आयोग के एक्शन पर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि ममता बनर्जी खुद सीबीआई से घोटालों की फाइलें उठाकर ले जाती हैं। अब अगर उनके खिलाफ कोई कार्रवाई होती है, तो वह कहेंगी कि ऐसा इसलिए है।

मणिशंकर अय्यर बोले- थरूर विदेश मंत्री बनना चाहते हैं

● मैं गांधीवादी-नेहरूवादी हूं, राहुलवादी नहीं

'पवन खेड़ा को जयराम रमेश का तोता बताया'

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर ने सोमवार को कहा कि INDIA ब्लॉक को मजबूत करने के लिए एमके स्टालिन सबसे सही नेता हैं, जबकि राहुल गांधी प्रधानमंत्री बन सकते हैं। अय्यर ने कहा कि राहुल भूल गए हैं कि मैं पार्टी का मेंबर हूं। इसलिए मैं गांधीवादी, नेहरूवादी और राजीववादी हूं लेकिन राहुलवादी नहीं हूं।

अय्यर ने एक मीडिया चैनल से बातचीत में कहा कि कांग्रेस सांसद शशि थरूर एंटी-पाकिस्तान हैं। वे अगले विदेश मंत्री बनना चाहते हैं। अय्यर ने पवन खेड़ा को प्रवक्ता की जगह 'तोता' बताया। उन्होंने कहा- पवन खेड़ा वही दोहराते हैं, जो जयराम रमेश उन्हें बताते हैं।

इसके बाद पवन खेड़ा ने X पर लिखा- मणिशंकर अय्यर का पिछले कुछ सालों से कांग्रेस से कोई संबंध नहीं है। वे अपनी व्यक्तिगत क्षमता से बोलते और लिखते हैं।

अय्यर के बयान की 2 बड़ी बातें...

● पवन खेड़ा पिछले दो साल से मुझ पर आरोप लगा रहे हैं। अगर कांग्रेस पार्टी को अपने प्रवक्ता के लिए पवन खेड़ा के अलावा कोई नहीं मिलता, तो पार्टी की हालत वैसी ही रहेगी

जैसी आज है। वहीं, जयराम रमेश को सिर्फ अपनी नौकरी बचानी है।

● क्या आप कल्पना कर सकते हैं कि एक पार्टी की क्या स्थिति होगी, जो केसी वेणुगोपाल जैसे राउडी को राहुल गांधी के लिए सरदार पटेल के स्तर तक उठा दे?

अय्यर बोले- केरल में कांग्रेस नहीं जीतेगी

केरल विधानसभा चुनाव को लेकर अय्यर ने कहा- मैं चाहता हूं कि कांग्रेस जीते, लेकिन मुझे नहीं लगता कि वह जीतेगी। कांग्रेस नेता आपस में बंटे हुए हैं। वे कम्युनिस्टों से ज्यादा एक-दूसरे से नफरत करते हैं। उन्होंने पहले भी केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन की तारीफ की थी और कहा था कि पिनराई सरकार की उपलब्धियों के बाद वाम सरकार की वापसी संभव है।

'INDIA ब्लॉक के लिए स्टालिन सबसे बेहतर'

अय्यर ने बातचीत में कहा कि अगर INDIA ब्लॉक को मजबूत करना है, तो एमके स्टालिन सबसे बेहतर व्यक्ति हैं। राहुल गांधी भारत के प्रधानमंत्री बन सकते हैं, बशर्ते कोई ऐसा हो जो अपना पूरा समय INDIA ब्लॉक को मजबूत करने और उसे एकजुट रखने में लगाए।

कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल- पार्टी का आधिकारिक रुख अय्यर के बयान से अलग है। इसे कांग्रेस की स्थिति के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए।

कांग्रेस सांसद जेबी मैथर- अय्यर ने उन राजनीतिक ताकतों को नहीं समझा है, जो आगामी केरल विधानसभा चुनाव के नतीजों को तय करेंगी।

कांग्रेस नेता सचिन पायलट- मैं इतना बता सकता हूं कि अय्यर कांग्रेस पार्टी में नहीं हैं। इसके अलावा मैं और कुछ नहीं कहना चाहता।

भारतीय ग्रैंड मुफ्ती ने प्रधानमंत्री से मुलाकात की

● कई मुद्दों पर चर्चा

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत के ग्रैंड मुफ्ती कंथापुरम एपी अबूबकर मुसलियार ने नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस मुलाकात में सामाजिक, मानवीय, शैक्षिक और विकासात्मक मुद्दों, अल्पसंख्यक कल्याण मामलों और महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रमों सहित कई विषयों पर चर्चा हुई। हाल ही में 'विद ह्यूमैनिटी' थीम पर आयोजित केरल दौरे के दौरान, ग्रैंड मुफ्ती ने समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों द्वारा उठाए गए मुद्दों को सुना। इन मुद्दों को प्रधानमंत्री के संज्ञान में लाया गया। उन्होंने रमजान के पवित्र महीने के लिए अपना विशेष संदेश भी प्रस्तुत किया। इस चर्चा में सभी समुदायों को शामिल करते हुए समावेशी विकास की आवश्यकता, आर्थिक विकास के साथ-साथ खुशहाली सूचकांकों और मानव विकास पर भी उचित ध्यान देने के महत्व और जनसंख्या अनुपात एवं क्षेत्रीय

संतुलन के आधार पर संसाधनों के उचित वितरण पर जोर दिया गया। वक्फ मामलों और विशेष आर्थिक स्वतंत्रता अधिनियम (एसआईआर) से संबंधित चिंताओं के साथ-साथ ऐतिहासिक मस्जिदों और इस्लामी विरासत स्मारकों के संरक्षण का मुद्दा भी उठाया गया।

मौलाना आजाद राष्ट्रीय फेलोशिप सहित अल्पसंख्यक शैक्षिक कल्याण योजनाओं की पुनः शुरुआत और अलीगढ़ विश्वविद्यालय के मलप्पुरम केंद्र के विकास पर भी चर्चा हुई।

ग्रैंड मुफ्ती ने देश भर में अल्पसंख्यक समुदायों और केंद्र सरकार के बीच घनिष्ठ सहयोग की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शांति को बढ़ावा देने के लिए प्रधानमंत्री के राजनयिक प्रयासों की सराहना भी की।

प्रधानमंत्री मोदी ने ग्रैंड मुफ्ती के नेतृत्व में भारत में चल रही शैक्षिक और सामाजिक कल्याणकारी पहलों की सराहना की। उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर ग्रैंड मुफ्ती की सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियां भारत की प्रतिष्ठा बढ़ाने में योगदान देती हैं और सराहनीय हैं।

समस्ता केरल जमीयतुल उलमा के सचिव पेरोद अब्दुर्रहमान सकाफी और एसवाईएस के अध्यक्ष डॉ. मुहम्मद अब्दुल हकीम अजहरी भी बैठक में उपस्थित थे।

मोदी ने 'इंडिया एआई इम्पैक्ट एक्सपो-2026' का किया उद्घाटन

● एक्सपो में लगी विभिन्न प्रदर्शनियों का अवलोकन किया

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को नई दिल्ली के भारत मंडपम में 'इंडिया एआई इम्पैक्ट एक्सपो-2026' का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने एक्सपो में लगी विभिन्न प्रदर्शनियों का अवलोकन किया। साथ ही प्रदर्शित एआई टूल के बारे में जाना इस दौरान जियो के चेयरमैन, आकाश अंबानी जियो एआई पवेलियन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को हेल्थकेयर, एजुकेशन, कल्चर और स्मार्ट होम सॉल्यूशंस में कंपनी के एआई-लेड ट्रांसफॉर्मेशन को दिखाते हुए नजर आए। प्रधानमंत्री के साथ इलेक्ट्रोनिक्स एवं आईटी मंत्री अश्वनी वैष्णव भी थे। भारत मंडपम में आज से इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट- 2026 का शुभारंभ हुआ है। यह पहली बार है जब एआई पर इस स्तर का वैश्विक सम्मेलन किसी विकासशील देश में आयोजित किया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 19 फरवरी को सम्मेलन का औपचारिक उद्घाटन करेंगे और भाषण देंगे। सम्मेलन वैश्विक सहयोग और समावेशी एवं जिम्मेदार एआई के लिए भारत के दृष्टिकोण को दिशा देगा। 16 से 20 फरवरी तक चलने वाले पांच दिवसीय शिखर सम्मेलन में 20 से अधिक राष्ट्राध्यक्ष और सरकार प्रमुख तथा 60 मंत्री एवं उपमंत्रियों सहित 100 से अधिक सरकारी प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। इसके अलावा, सीईओ, संस्थापक, शिक्षाविद, शोधकर्ता, सीटीओ और परोपकारी संगठनों सहित 500 से अधिक वैश्विक एआई अग्रणी भी इसमें शामिल होंगे।

अकाली, भाजपा और कांग्रेस ने पंजाब को नशे की दलदल में धकेला, अब आम आदमी पार्टी बना रही नशा मुक्त पंजाब: केजरीवाल

कौमी पत्रिका

मोगा, 16 फरवरी। मोगा में विलेज डिफेंस कमेटी (वी.डी.सी.) के शपथ ग्रहण समारोह में आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने पंजाब सरकार के युद्ध नशे के विरुद्ध अभियान के तहत स्पष्ट और सख्त संदेश देते हुए कहा कि जहां शिरोमणि अकाली दल, भाजपा और कांग्रेस ने राज्य को नशों में डुबो दिया, वहीं आप की सरकार इस नुकसान की भरपाई के लिए नशों के कारोबार में शामिल हर किसी के खिलाफ लगातार सख्त कार्रवाई कर रही है। आप प्रमुख ने कहा कि पंजाब के इतिहास में पहली बार किसी सरकार ने नशा तस्करों को बचाने की बजाय उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की है। उन्होंने 2,000 किलो से अधिक नशे की बरामदगी, बड़े सौदागरों को जेलों में डालने और उनके महलनुमा घरों पर बुलडोजर चलाने का हवाला देते हुए कहा कि युद्ध नशे के विरुद्ध अभियान के जमीनी स्तर पर सार्थक नतीजे सामने आ रहे हैं। उन्होंने पंजाब के लोगों को सचेत करते हुए कहा कि अगर पिछली सरकारें सत्ता में आईं तो पंजाब को फिर नशों की दलदल में जाने से कोई नहीं बचा सकता। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने दोहराया कि आप की सरकार युद्ध नशे के विरुद्ध अभियान के तहत पंजाब पर चिट्टे के दाग को मिटाने के लिए पूरी तरह वचनबद्ध है। उन्होंने जोर देकर कहा

कि सरकार की रणनीति इस अभियान को सख्ती से लागू करने के माध्यम से नशा मुक्त पंजाब सृजित करने की ओर केंद्रित है, जिसमें हर गांव में खेल मैदानों का निर्माण और युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए रोजगार के अवसर सृजित करना शामिल है। आप के दोनों वरिष्ठ नेताओं ने नशा विरोधी अभियान को पंजाब के शासन में एक निर्णायक पड़ाव घोषित करते हुए इसे कानून लागू करने वाला मिशन और प्रदेश भर में लोगों का विश्वास जीतने तथा युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा करने की ओर निर्देशित एक व्यापक प्रयास करार दिया। समारोह को संबोधित करते हुए आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि लोग आज युद्ध नशे के विरुद्ध अभियान में शामिल होने के लिए एकत्र हुए हैं। उन्होंने कहा कि एक साल पहले 1 मार्च को मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार ने यह अभियान शुरू किया था। उन्होंने कहा कि जब हमने एक साल पहले युद्ध नशे के विरुद्ध अभियान शुरू किया था तब लोगों में इसके प्रति ज्यादा उत्साह नहीं था क्योंकि उन्होंने पिछली सरकारों को बड़े-बड़े दावे करते और जमीनी स्तर पर कुछ न करने देखा था। उन्होंने कहा कि इसी कारण जब हमने नशों के खिलाफ यह जंग शुरू की तो उस समय लोगों में कहीं न कहीं सहम और झिझक का माहौल था और कोई भी नशा तस्करों और नशों के बारे में जानकारी साझा करने के लिए आगे आने को तैयार नहीं था क्योंकि उन्हें डर था कि अगर वे ऐसा करेंगे तो उनके परिवारों को डराया-धमकाया और तंग-परेशान किया जाएगा। पिछले साल की कार्रवाई पर प्रकाश डालते हुए आप प्रमुख ने आगे कहा कि पिछले एक साल में, जिस तरह पुलिस ने नशा तस्करों को गिरफ्तार किया और विभिन्न स्थानों से नशीले पदार्थ जब्त किए, जिसमें 2,000 किलो से अधिक नशीले पदार्थों की बरामदगी और नशा बेचने वालों के शानदार बंगलों पर बुलडोजर चलाना, नशों के बड़े तस्करों (जिनका नाम लेने से भी लोग डरते और कांपते थे) को जेलों में डालना शामिल है, तो धीरे-धीरे लोगों को विश्वास होने लगा कि यह आप की सरकार है, यह भगवंत मान की सरकार है, जो किसी से नहीं डरती। उन्होंने कहा कि पहली बार पंजाब में नशों के खिलाफ ऐसा जोरदार अभियान शुरू हुआ है। उन्होंने कहा कि इस युद्ध में हिस्सा लेने के लिए आज का विशाल समागम स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि जनता का विश्वास बढ़ रहा है और लोगों के दिलों से डर उठ रहा है, जिसके चलते लोग आगे आ रहे हैं और सरकार तथा पुलिस में उनका विश्वास मजबूत हो रहा है।

शेष पृष्ठ 3 पर

स्वयंसेवकों की गुरुदक्षिणा दान नहीं, उनकी भक्ति है- संघ

एजेंसी

बेंगलुरु। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने एक बार फिर स्पष्ट किया है कि वह एक सार्वजनिक सांस्कृतिक संगठन है। संघ कार्य में होने वाला खर्च उसके स्वयंसेवकों द्वारा वर्ष भर में एक बार स्वेच्छा से अर्पित की गई गुरूदक्षिणा के माध्यम से चलता है। संघ न तो किसी दल विशेष का समर्थन करता है और न ही सार्वजनिक तौर पर चंदा संग्रह करता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (कर्नाटक) के अधिकृत पत्रकार समूह और समविचारी संगठनों के व्हाट्स अप समूहों में इस आशय का एक वीडियो तेजी से वायरल हुआ है, इसमें संघ प्रमुख डॉ. मोहन भागवत संघ के शताब्दी वर्ष में आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए संघ के कार्य संचालन की जानकारी साझा कर रहे हैं। इसमें संघ प्रमुख ने स्पष्ट किया है कि "स्वयंसेवकों द्वारा दी गई गुरुदक्षिणा दान नहीं बल्कि उनकी भक्ति है।" संघ प्रमुख के वायरल हो रहे इस वीडियो को कर्नाटक के सूचना और यातायात मंत्री प्रियांग खरगे के विवादित बयान से जोड़कर देखा जा रहा है। प्रियांक खरगे की ओर कल (रविवार) को ही गांधी मैदान में आयोजित एक समारहो में संघ के आय के स्रोतों के बारे में सवाल उठाए थे।खरगे ने कहा था कि, संघ कहता है कि वह चंदा नहीं लेता। लेकिन 2,500 से अधिक संगठनों के नेटवर्क वाले इस संगठन के लिए पैसा आता कहां से है?" खरगे ने आरोप लगा कि संघ के लिए पैसा विदेशों से आ रहा है, जिनमें अमेरिका और इंग्लैंड भी शामिल हैं।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की ओर से अनेक बार सार्वजनिक मंचों से स्पष्ट किया जा चुका है कि वह केवल और केवल स्वयंसेवकों द्वारा स्वेच्छा से की गई गुरूदक्षिणा से अपने नियमित कार्य संचालित करता है, विशेष आयोजनों और अभियान के लिए भी संघ के स्वयंसेवक और समाज के लोग सहयोग देते हैं।

रक्षा मंत्री का विमानन वैज्ञानिकों से 6वीं पीढ़ी की इंजन तकनीक विकसित करने का आह्वान

● लड़ाकू विमानों की तकनीक से सिविल एविएशन की दुनिया में भी आ सकती है क्रांति

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत में अभी तक फाइटर जेट के इंजन बनने की योजना परवान नहीं चढ़ने के बीच रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आज कहा कि हमें भविष्य की तरफ भी देखना होगा। अब हम सिर्फ 5वीं पीढ़ी के इंजन तक सीमित नहीं रह सकते, क्योंकि यह समय की मांग है। हमें 6वीं पीढ़ी की उन्नत तकनीकों का विकास भी जल्द से जल्द शुरू करना होगा। दुनिया में टेक्नोलॉजी बदल रही है, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग और नई सामग्रियों का प्रयोग बढ़ रहा है, हमें उनमें आगे रहना होगा।

रक्षा मंत्री सोमवार को बेंगलुरु में गैस टरबाइन रिसर्च एस्टेब्लिशमेंट के एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में नागरिक उड्डयन का विस्तार और भी तेजी से होगा। भारत तो वैसे भी दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ने वाले विमानन बाजारों में से एक है। ऐसे में भविष्य में नागरिक उड्डयन के क्षेत्र में किये जा रहे प्रयोग सीधे उपयोगी

साबित होंगे। जब हम डिफेंस सेक्टर में रिसर्च और इंजन डेवलपमेंट की बात करते हैं, तो उसका महत्व सिर्फ सैन्य इस्तेमाल तक सीमित नहीं रहता। किसी भी कॉम्प्लेक्स टेक्नोलॉजी की सबसे बड़ी अहमियत उसके दूर तक फैलने वाले नतीजों में होती है।

रक्षा मंत्री ने विमानन क्षेत्र से जुड़े वैज्ञानिकों से कहा कि अब आप जो तकनीक लड़ाकू विमानों के लिए विकसित कर रहे हैं, वही तकनीक कल सिविल एविएशन की दुनिया में क्रांति ला सकती है। आप जो हाई टेम्परेचर सहने वाले कम्पोजिट मटीरियल बना रहे हैं, वे पावर प्लांट में या स्पेसशिप में भी काम आ सकते हैं। उन्होंने कहा कि अगर किसी इंजन को विकसित करने में 25 साल लग रहे हैं, तो भारत की मौजूदा स्थिति हमारी रणनीतिक जरूरतें और हमारी महत्वाकांक्षाएं ऐसी हैं कि आप मान कर चलिए कि आपके 20 साल पहले ही खत्म हो चुके हैं और अब सिर्फ 5 साल ही आपके पास बचे हैं। यह कोई शॉक होने वाली या अचानक वाली बात नहीं है, यह एक चुनौती है। हमें इसी 5 साल में वो कर दिखाना है, जो दूसरे देश 20 साल में करते हैं।

सिद्धू मूसेवाला के माता-पिता की मुहिम का दिखा असर... पुलिस ने एफआईआर दर्ज की

मानसा(एजेंसी)। दिवंगत पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला के माता-पिता की इंसाफ की मांग को लेकर शुरू की गई मुहिम अब रंग लाती दिख रही है। सूत्रों के मुताबिक, मानसा के एसएसपी ऑफिस के बाहर हुए प्रदर्शन के बाद पुलिस प्रशासन हरकत में आकर मामले में एफआईआर दर्ज की गई है। बता दें कि सिद्धू मूसेवाला के पिता बलकौर सिंह और मां चरण कौर काफी समय से आरोप लगा रहे हैं कि कुछ लोग सिद्धू के काम और कमाई में हेरफेर कर रहे हैं। परिवार ने मूसेवाला के करीबी म्यूजिक प्रमोटर बंटी बैंस और वन डिजिटल एंटरटेनमेंट कंपनी के मालिक शब्बीर मोमिन के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी। परिवार का कहना है कि वे बीते 6 महीने से लगातार पुलिस के चक्कर लगा रहे हैं, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही थी। आखिर में उन्हें मजबूर होकर मानसा के एसएसपी ऑफिस के बाहर धरने पर बैठना पड़ा। सूत्रों के मुताबिक, पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है, लेकिन अभी तक आधिकारिक रुप से नहीं बताया गया है कि इसमें कौन सी धाराएं लगाई गई हैं और किन लोगों के नाम हैं।

पश्चिम बंगाल सहित पांच राज्यों के दौरे पर निकली चुनाव आयोग की टीम

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल सहित पांच राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए चुनाव आयोग सोमवार से इन राज्यों का दौरा शुरु करेगा है। पहली विजिट असम में होगी। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के नेतृत्व में टीम गुवाहाटी लैंड करेगी। आयोग की यहां से वापसी 18 फरवरी को होगी। इसके बाद तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल सहित अन्य राज्यों का दौरा शुरू होगा। इसमें चार राज्यों की विधानसभा का कार्य और पुडुचेरी का जून में खत्म हो रहा है। सबसे पहले 7 मई को बंगाल विधानसभा का कार्यकाल खत्म हो रहा है। सूत्रों का कहना है कि बीते साल बिहार में चुनावों की घोषणा 6 अक्टूबर 2025 को की गई थी। दो चरणों में हुए बिहार में चुनावी प्रक्रिया 16 नवंबर को खत्म हो गई थी। जबकि बिहार की विधानसभा का कार्यकाल 22 नवंबर तक था। यह देखकर इन पांच राज्यों में भी मार्च के पहले सप्ताह के बाद ही चुनावों की घोषणा होने की उम्मीद है। बात दें कि जब भी किसी राज्य में चुनाव होते हैं। इसके पहले चुनाव आयोग की टीम उस राज्य का दौरा करती है। इसका मकसद वहां कानून-व्यवस्था से लेकर शांतिपूर्वक चुनावी प्रक्रिया पूरी कराने के लिए तैयारियों का जायजा लेती है। इसमें तमाम राजनीतिक दलों, पुलिस-प्रशासन और अन्य संबंधित तमाम स्टेक होल्डरों के साथ बैठक करना शामिल होता है। इसमें संवेदनशील और अतिसंवेदनशील बूथों की संख्या भी पता की जाती है कि वह कितनी बढ़ी या कम हुई हैं। इसके अलावा मतदान के लिए कितने पोलिंग बूथ होने चाहिए ताकि मतदाताओं को वोट देने के लिए अधिक दूर ना जाना पड़े। इन तमाम चीजों का ध्यान रखते हुए यह विजिट की जाती है।

रोहित शेट्टी फायरिंग मामले में अब तक कुल 11 आरोपियों को गिरफ्तार किया

मुंबई(एजेंसी)। बॉलीवुड के प्रसिद्ध निर्देशक रोहित शेट्टी के घर फायरिंग मामले में मुंबई क्राइम ब्रांच ने बड़ी सफलता हासिल की है। मामले में अब तक कुल 11 आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिसमें फायरिंग करने वाला मुख्य शूटर राजस्थान से पकड़ा गया। अन्य आरोपी राजस्थान और उत्तर प्रदेश के विभिन्न इलाकों से हिरासत में लिए गए हैं। पुलिस के अनुसार, फायरिंग की जिम्मेदारी कुख्यात लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े शुभम लोनकर ने ली थी। उसने फायरिंग की बात स्वीकार की और रोहित शेट्टी को जान से मारने की धमकी भी दी। जांच में सामने आया कि आरोपियों को मुंबई पहुंचने के बाद भी पैसे भेजे गए थे। प्रारंभिक जांच में 40 हजार रुपये देने की बात सामने आई थी, लेकिन पूछताछ में पता चला कि कुल 51 हजार रुपये दिए गए थे, जिसमें वारदात में इस्तेमाल की स्कूटी की खरीद भी शामिल थी। मुंबई क्राइम ब्रांच ने मामले की गहनता से जांच करने के लिए घटना स्थल पर सीन रिक्रिएट किया और स्कूटी के आने-जाने के रास्तों, आसपास के सीसीटीवी फुटेज की बारीकी से जांच की। आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि पैसे अलग-अलग किस्तों में भेजे गए ताकि पुलिस को शक न हो। जांच के दौरान, पुलिस ने रोहित शेट्टी के साथ-साथ अभिनेता रणवीर सिंह के मैनेजर का भी बयान दर्ज किया। पुलिस का मानना है कि यह घटना केवल डराने के उद्देश्य से नहीं की गई थी। मैनेजर को भेजे गए धमकी भरे वॉयस कॉल में रोहित शेट्टी का नाम भी लिया गया था और चेतावनी दी गई थी कि 'यह सिर्फ ट्रेलर है, पूरी फिल्म अभी बाकी है। यह ऑडियो कथित रूप से बिश्नोई गैंग के सदस्य हैरी बॉक्सर का बताया जा रहा है।

क्या दूषित पानी बना काल? पलवल में 15 दिन में 5 बच्चों समेत 12 की मौत

पलवल(एजेंसी)। हरियाणा के पलवल जिले के चायंसा में 15 दिनों में पांच बच्चों समेत कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई, जिसके चलते दूषित पेयजल और संक्रामक रोगों को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच स्वास्थ्य विभाग ने जांच शुरू कर दी है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि जनवरी के आखिर और फरवरी के बीच तक हुई मौतें गंभीर यकृत संबंधी जटिलताओं से जुड़ी थीं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शुरुआती जांच में वायरल हेपेटाइटिस और पानी के संभावित संदूषण की ओर इशारा मिला है। 31 जनवरी को चायंसा गांव में पीलिया से संबंधित मौतों की पहली रिपोर्ट दर्ज की गई, जिसकी आबादी 5,700 लोग और 865 परिवार हैं। एक दिन बाद ही त्वरित प्रतिक्रिया दल को तैनात किया गया। इसके बाद चिकित्सा शिविर, घर-घर सर्वेक्षण और ग्रामीणों की स्क्रीनिंग की गई। सात मौतें 27 जनवरी से 11 फरवरी के बीच हुईं। इनमें से चार मौतें तीव्र हेपेटाइटिस या लिवर फेलियर के कारण हुईं। मृतकों की आयु 9 से 65 वर्ष के बीच थी। बाद में रिपोर्ट की गई अन्य मौतों की समीक्षा की जा रही थी। ज्यादातर रोगियों ने अपनी स्थिति बिगड़ने से पहले बुखार, पेट दर्द, उल्टी और पीलिया की शिकायत की थी। बता दें मध्य प्रदेश के इंदौर में पिछले महीने जहरीले पानी से हुई मौत के कुछ हफ्तों बाद इन मौतों की खबरें सामने आई हैं, जिससे पूरे देश में दूषित पेयजल को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। पलवल की मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि व्यापक स्तर पर स्क्रीनिंग और जांच चल रही है। उन्होंने कहा अब तक मृतक के करीबी संपर्कों समेत करीब 1,500 लोगों की स्क्रीनिंग की जा चुकी है। करीब 800 बाह्य रोगी परामर्श किए गए हैं और हेपेटाइटिस ए, बी, सी और ई के लिए रक्त के नमूनों की जांच की गई है। 210 लोगों के रक्त विश्लेषण में हेपेटाइटिस बी के दो और हेपेटाइटिस सी के नौ मामले सामने आए। हेपेटाइटिस ए और ई के सभी नमूनों की जांच नेगेटिव आई। तीन मरीजों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। अब तक एकत्र 107 घरेलू जल नमूनों में से 23 गुणवत्ता जांच में विफल रहे, जो जीवाणु संदूषण और अपर्याप्त क्लोरीनीकरण का संकेत देते हैं।

गोरखपुर पहुंचे भागवत ने कहा, समाज की पहचान परस्पर जुड़ाव से होती है, न कि स्वार्थ से

गोरखपुर (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने गोरखपुर दौरे के दौरान सामाजिक सद्भाव सम्मेलन को संबोधित किया। यह कार्यक्रम संघ के शताब्दी वर्ष समारोह के अंतर्गत आयोजित किया गया। सूत्रों के अनुसार, उन्होंने तारामंडल स्थित बाबा गंभीरनाथ सभागार में प्रमुख नागरिकों और स्वयंसेवकों को संबोधित किया। सम्मेलन से पहले भागवत ने दीप प्रज्वलित कर संघ की 100 वर्षीय यात्रा और 'पंच परिवर्तन' विषय पर आधारित प्रदर्शनी का उद्घाटन किया तथा प्रदर्शनी का अवलोकन कर विभिन्न पहलुओं की जानकारी प्राप्त की।

भागवत ने कहा कि समाज की पहचान परस्पर जुड़ाव से होती है, न कि स्वार्थ से। उन्होंने कहा कि कुछ देशों में रिश्तों को लेन-देन के रूप में देखा जाता है, जबकि भारत में मानवीय संबंध अपनेपन और आत्मीयता की भावना पर आधारित हैं। भारत को सद्भाव और सामाजिक समरसता का वैश्विक केंद्र बताते हुए उन्होंने कहा कि देश की सभ्यतागत सोच एकता और आपसी जुड़ाव में निहित है। भारत की विविधता का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि रीति-रिवाजों, पहनावे और परंपराओं में भिन्नता विभाजन का कारण नहीं बनती, क्योंकि हमारी सांस्कृतिक एकता हमें एक सूत्र में बांधती है। हम भारत को माता मानते हैं और एक ही दिव्य चेतना हम सभी में विद्यमान है, जो भिन्न पहचानों के बावजूद हमें एकजुट रखती है।

उन्होंने कहा कि समाज को केवल कानून व्यवस्था नहीं, बल्कि सामाजिक सद्भाव भी स्थिर बनाए रखता है। संघ के 100 वर्ष पूरे होने को उन्होंने उत्सव नहीं, बल्कि आत्मनिरीक्षण का अवसर बताया। सामाजिक एकता को सुदृढ़ करने के लिए उन्होंने वर्ष में दो-तीन बार ब्लॉक स्तर की बैठकों के आयोजन का आह्वान किया तथा समुदायों से जातिगत सीमाओं से ऊपर उठकर व्यापक हिंदू समाज के हित में कार्य करने की अपील की।

कश्मीर से हरियाणा तक फैला 'अंसार अंतरिम' नेटवर्क... डॉक्टर और धार्मिक नेता शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली में लाल किला ब्लास्ट मामले में साजिश की परतें खुल रही हैं। जांच एजेंसियां लगातार इसमें नए-नए खुलासे कर रही है। बताया जा रहा है कि वे पारंपरिक आतंकी ढांचे से अलग एक कथित 'व्हाइट-कॉलर टेरर' नेटवर्क की तरह काम कर रहे हैं। एनआईए ने बताया कि यह मॉड्यूल 'अंसार इंटरिम' नाम से संचालित हो रहा था। इस मॉड्यूल में पढ़े-लिखे और पेशेवर पृष्ठभूमि वाले लोगों की संलिप्तता सामने आई है। जांच एजेंसियों (एनआईए) के रडार पर इस पूरे नेटवर्क का मास्टरमाइंड 28 वर्षीय डॉक्टर उमर-उन-नबी है। वह कोई मामूली अपराधी नहीं, बल्कि एक पढ़ा-लिखा डॉक्टर है। सूत्रों के अनुसार, उमर 2016 से ही कट्टरपंथी विचारधारा की ओर झुका था। साल 2022 में श्रीनगर में हुई एक गुप्त बैठक के दौरान नबी ने 'अंसार इंटरिम' नामक संगठन की नींव रखी। इस समूह का मकसद पारंपरिक आतंकवाद से अलग, पढ़े-लिखे लोगों का एक ऐसा जाल बुनना था जो सिस्टम की नजरों से बचकर काम कर सके। इस जांच में सबसे चौंकाने वाला मोड़ हरियाणा कनेक्शन है। पता चला है कि इस नेटवर्क ने घातक टीएटीपी जैसे विस्फोटक हरियाणा के गुप्त ठिकानों पर तैयार किए थे। इनका प्लान बेहद खौफनाक था कि एक वाहन-जनित आईईडी के जरिए दिल्ली के भीड़भाड़ वाले इलाके को राख में तब्दील करना। बात दें कि मामले में एनआईए ने अब तक कई ऐसी गिरफ्तारियां की हैं जिन्होंने सुरक्षा व्यवस्था के कान खड़े कर दिए हैं। पकड़े गए लोगों में नामी डॉक्टर और धार्मिक नेता शामिल हैं। यह इसका प्रमाण है कि कट्टरपंथ अब सिर्फ सरहदों या जंगलों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हमारे अस्पतालों और शिक्षण संस्थानों तक पहुंच चुका है।

ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा 9 मार्च को, सरकार बहुमत को लेकर आश्वस्त

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ विपक्ष द्वारा लाए गए अविश्वास प्रस्ताव पर 9 मार्च को लोकसभा में चर्चा और मतदान हो सकता है। संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने कहा, कि बजट सत्र के दूसरे चरण के पहले दिन इस प्रस्ताव पर बहस कराई जाएगी और उसके बाद वोटिंग होगी।

संसदीय कार्य मंत्री रिजिजू ने रविवार को कहा, कि सरकार इस मुद्दे को शीघ्र निपटाना चाहती है ताकि स्पीकर सदन की कार्यवाही सामान्य रूप से संचालित कर सकें और सरकार अपने विधायी एजेंडे पर आगे बढ़ सके। उन्होंने भरोसा जताया कि भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को सदन में पर्याप्त समर्थन प्राप्त है। 542 सदस्यीय लोकसभा में एनडीए के पास 293 सांसदों का समर्थन है और कुछ अन्य दलों के सदस्यों का भी समर्थन मिलने की संभावना जताई जा रही है। ऐसे में सरकार को विश्वास है कि प्रस्ताव पारित नहीं हो पाएगा।

सूत्रों के अनुसार, सत्तारूढ़ गठबंधन इस राजनीतिक विवाद को लंबा खींचने के पक्ष में नहीं है। माना जा रहा है कि सरकार स्पीकर के प्रति अपना समर्थन स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करना चाहती है। हाल ही में सरकार ने बिरला को बांग्लादेश में शपथ ग्रहण समारोह में प्रतिनिधित्व के लिए भेजने का निर्णय लिया, जिसे राजनीतिक संकेत के तौर पर देखा जा रहा है।

उधर विपक्ष इस मुद्दे पर एकजुटता बनाने की कोशिश में जुटा है। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और आम आदमी पार्टी (आप) जैसे दलों के रुख पर नजर है। कांग्रेस ने कथित तौर पर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाने के प्रस्ताव का मुद्दा भी उठाया है, जबकि टीएमसी पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर चुनाव आयोग के खिलाफ मुखर रही है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि 9 मार्च की बहस सिर्फ संसदीय प्रक्रिया नहीं, बल्कि सरकार और विपक्ष के बीच शक्ति परीक्षण भी होगी। यदि प्रस्ताव गिरता है तो सरकार इसे अपनी मजबूती के संकेत के रूप में पेश करेगी, जबकि विपक्ष इसे निष्पक्षता और संसदीय परंपराओं के मुद्दे से जोड़कर राजनीतिक संदेश देने की कोशिश करेगा।

अपनी ही पार्टी के नेताओं से नाराज हुए कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मणिशंकर

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री मणिशंकर अय्यर अब अपनी ही पार्टी के नेताओं के खिलाफ नाराजगी जता रहे हैं। उन्होंने इस दौरान तिरुवनंतपुरम सांसद शशि थरूर, वरिष्ठ नेता पवन खेड़ा और जयराम रमेश का नाम लिया है। इतना ही नहीं उन्होंने दावा कर दिया कि कांग्रेस केरल विधानसभा चुनाव नहीं जीत पाएगी। खास बात है कि कांग्रेस नेता अय्यर ने हाल ही में कहा था कि मुख्यमंत्री पिनराई विजयन केरल के मुख्यमंत्री बने रहने वाले है। मणिशंकर के बयान से कांग्रेस ने किनारा किया था।

एक इंटरव्यू में अय्यर ने पार्टी नेता पवन खेड़ा के बयान पर जमकर नाराजगी जाहिर की। इतना ही नहीं उन्हें कठपुतली करार दिया है। उन्होंने कहा, खेड़ा ने दो साल पहले कह दिया था कि मैं कांग्रेस का किसी भी तरह से प्रतिनिधित्व नहीं करता हूं। तब यह नया नहीं है। वह कांग्रेस की कठपुतली हैं, वह प्रवक्ता नहीं है। वह कुंठित आईएएस अफसर हैं, जो यहां आए हैं और बीते दो साल से मुझे गालियां दे रहे हैं। कांग्रेस की चुनावी तैयारियों को लेकर उन्होंने कहा, मैं चाहता हूं कि कांग्रेस जीते, लेकिन मुझे नहीं लगता कि कांग्रेस जीतेगी। क्योंकि कांग्रेस नेता आपस में बंटे हुए हैं। वे वामपंथियों से ज्यादा एक दूसरे से नफरत करते हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अय्यर ने सांसद थरूर को पाकिस्तान विरोधी करार दिया है। उन्होंने कहा कि वह (थरूर) अगले विदेश मंत्री बनने की महत्वाकांक्षा रखते हैं। उन्होंने कहा कि जयराम रमेश को अपनी नौकरी बचानी है।

दरअसल अय्यर ने एक इंटरव्यू में भरोसा जताया कि माकपा नेता पिनराई विजयन केरल के मुख्यमंत्री बने रहने वाले है। उन्होंने भारत को लेकर महात्मा गांधी के नजरिए को याद किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपिता ने एक इसतरह के देश की कल्पना की थी, जहां सबसे गरीब भी देश के प्रति अपनापन महसूस करें और राष्ट्र निर्माण में अपनी प्रभावी भूमिका निभा सकें। उन्होंने कहा कि यह विडंबनापूर्ण लग सकता है कि इस लक्ष्य की दिशा में सबसे सराहनीय प्रगति करने वाला राज्य केरल है, जहां भारत की मार्क्सवादी-लेनिनवादी पार्टी का शासन है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा, इसलिए मुख्यमंत्री की उपस्थिति में, जिनके पद पर बने रहने का मुझे पूरा विश्वास है, मैं अपनी अपील दोहराता हूं, केरल को देश का सर्वश्रेष्ठ पंचायती राज वाला राज्य बनाने के लिए, राज्य कानून में व्यावहारिक अनुभव, थॉमस आइजैक की अंतर्दृष्टि, मेरे द्वारा अध्यक्षता की गई पांच खंडों वाली रिपोर्ट और वीके रामचंद्रन द्वारा जिला नियोजन पर योजना आयोग द्वारा प्रसारित नोट के आधार पर संशोधन किया जाना चाहिए।

मैं नेहरू और राजीववादी हूं, पर राहुलवादी नहीं

कांग्रेस नेता अय्यर अपने विवादित बयानों से सोमवार को फिर पार्टी को असहज कर दिया। उन्होंने राहुल गांधी को लेकर भी तंज कसा। उन्होंने कहा कि वे गांधीवादी, नेहरूवादी और राजीववादी हैं, लेकिन राहुलवादी नहीं हैं। उन्होंने राहुल गांधी पर तंज कसा कि वे भूल गए कि अय्यर पार्टी के सदस्य हैं। अय्यर ने डॉ. अंबेडकर की जीवनी का हवाला दिया। आज कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल को इतनी बड़ी जिम्मेदारी मिली हुई है। पवन खेड़ा जैसे आदमी को पार्टी का आधिकारिक प्रवक्ता बना रखा है। आखिर पार्टी इतनी बड़ी मूर्खता कैसे कर सकती है, वे एक कठपुतली हैं।

अय्यर ने कहा, क्या आप कल्पना कर सकते हैं कि कांग्रेस की हालत क्या है। वेणुगोपाल जैसे शख्स को वह जिम्मेदारी दी गई है, जो कभी सरदार पटेल के पास थी। कांग्रेस पर हमला करते हुए उन्होंने कहा कि आखिर इसतरह के दल को कौन वोट देना चाहेगा, जिसमें नेता आपस में लड़ रहे हैं। एक-दूसरे के गले काटने को तैयार हैं। क्या ये चीजें जनता को नहीं पता हैं। अय्यर ने कहा कि एक समय पर वह कांग्रेस भी थी, जब किसी फैसले को माना जाता था। नेहरू पीएम बने, तब सभी ने स्वीकार किया। यदि सुभाष चंद्र बोस की विमान हादसे में मौत नहीं होती, तब वे शायद राष्ट्रपति बनते।

इस दौरान उन्होंने तमिलनाडु के नेता एमके स्टालिन की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि स्टालिन ने सूट-बूट की सरकार या फिर वोट चोर गद्दी छोड़ जैसे नारे नहीं दिए। उन्होंने जरूरी मुद्दे उठाकर सरकार बनाई। यही नहीं अय्यर ने कहा कि इंडिया ब्लॉक का अध्यक्ष यदि किसी नेता को बनना चाहिए, तब वे स्टालिन ही हो सकते हैं। तंज कसते हुए अय्यर ने कहा कि यदि पवन खेड़ा ही मुझे कांग्रेस से बाहर करते हैं, तब मैं खुद ही बाहर निकल जाऊंगा और खेड़ा को पीछे से लात मारूंगा।

ड्रोन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और आधुनिक तकनीकों को देख बिल गेट्स ने की सरकार की तारीफ

-राज्य सचिवालय में सीएम नायडू ने किया गेट्स फाउंडेशन के सदस्यों का जोरदार स्वागत

अमरावती (एजेंसी)। बिल गेट्स ने राज्य सचिवालय में आंध्र प्रदेश के सीएम एन चंद्रबाबू नायडू, डिप्टी सीएम पवन कल्याण और अन्य प्रमुख मंत्रियों से मुलाकात की। आंध्र प्रदेश में सहयोगात्मक परियोजनाओं के विस्तार पर चर्चा के लिए गेट्स फाउंडेशन का छह सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल उनके साथ आया था। बिल गेट्स का सचिवालय के प्रथम ब्लॉक में गर्मजोशी से स्वागत किया गया।

सीएम नायडू ने मंत्रिमंडल के सहयोगियों का गेट्स से परिचय कराया। यात्रा के दौरान बिल गेट्स ने सचिवालय में रियल-टाइम गवर्नेंस केंद्र का निरीक्षण किया। सीएम नायडू ने उन्हें बताया कि आरटीजीएस प्रणाली किस प्रकार प्रौद्योगिकी का उपयोग करके सरकारी कार्यों की निगरानी और उन्हें बेहतर बनाती है। चर्चा में डिजिटल शासन के जरिए कई क्षेत्रों में हासिल उपलब्धियों पर प्रकाश डाला और वास्तविक समय के डेटा-आधारित प्रशासन के लिए आंध्र प्रदेश के मॉडल को प्रदर्शित किया।

आरटीजीएस दौरे के बाद, बिल गेट्स और उनके प्रतिनिधिमंडल ने सीएम, मंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक में भाग लिया। चर्चा का मुख्य केंद्र शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और कृषि क्षेत्रों में परियोजनाओं को मजबूत करना था, जिनमें गेट्स फाउंडेशन राज्य के साथ सक्रिय रूप से साझेदारी कर रहा है। नायडू ने राज्य का स्वर्णान्ध्र विजन 2047 प्रस्तुत किया, जिसमें सार्वजनिक स्वास्थ्य, शिक्षा और कृषि क्षेत्रों में सुधारों और दीर्घकालिक लक्ष्यों की रूपरेखा पेश की गई। गेट्स ने नायडू के साथ अमरावती के पास उंडावल्ली गांव में एक कृषि क्षेत्र का दौरा भी किया। प्रतिनिधिमंडल ने ड्रोन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और अन्य आधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल करते हुए उन्नत कृषि पद्धतियों का अवलोकन किया। इस प्रदर्शन से यह स्पष्ट हुआ कि कैसे प्रौद्योगिकी उत्पादकता बढ़ा सकती है और राज्य में टिकाऊ कृषि को बढ़ावा दे सकती है। गेट्स ने राज्य सरकार के प्रयासों की सराहना की और व्यापक प्रभाव के लिए इन पहलों को बड़े पैमाने पर लागू करने के लिए आगे सहयोग करने में रुचि दिखाई।

सियासी विवाद के बीच बोले उदित राज कहा- टीपू महान समाज सुधारक थे

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के मालेगांव से शुरू हुआ टीपू सुल्तान की तस्वीर का विवाद अब एक बड़े राजनीतिक टकराव में तब्दील हो चुका है। इस मुद्दे पर कांग्रेस और भाजपा के बीच जुबानी जंग के साथ-साथ सड़कों पर भी हिंसा देखने को मिल रही है। हाल ही में कांग्रेस नेता और पूर्व सांसद उदित राज ने 18वीं सदी के मैसूर शासक टीपू सुल्तान का समर्थन करते हुए उन्हें एक महान समाज सुधारक करार दिया है। उदित राज का यह बयान ऐसे समय में आया है जब महाराष्ट्र कांग्रेस के नेता हर्षवर्धन सपकाल द्वारा टीपू सुल्तान की तुलना छत्रपति शिवाजी महाराज से किए जाने पर पहले ही राज्य का सियासी पारा चढ़ा हुआ है।

उदित राज ने अपने बयान में इतिहास का हवाला देते हुए कहा कि टीपू सुल्तान ने दलितों और पिछड़ों के हक में बड़े सुधार किए थे। उन्होंने स्तन कर जैसी कुप्रथा का जिक्र करते हुए दावा किया कि टीपू सुल्तान ने शूद्र महिलाओं को अपना शरीर ढंकने का अधिकार दिलाने के लिए कड़ा संघर्ष किया था। उदित राज ने भाजपा और हिंदुत्ववादी संगठनों पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि जो लोग दलितों, पिछड़ों और आदिवासियों के उत्थान की बात करते हैं, ये संगठन उनसे नफरत करते हैं। उन्होंने सावरकर और गोलवलकर जैसे विचारकों का नाम लेते हुए कहा कि इतिहास में दलितों से नफरत करने वाले लोगों को आज प्रमोट किया जा रहा है।

इस विवाद की शुरुआत मालेगांव की उप-महापौर शान-ए-हिंद निहाल अहमद के कार्यालय में टीपू सुल्तान की तस्वीर लगाने से हुई थी। शिवसेना (शिंदे गुट) के पार्षदों ने नीलेश अहेर के नेतृत्व में इसका पुरजोर विरोध किया और तस्वीर हटाने की मांग की। इस दौरान उप-महापौर और पार्षदों के बीच तीखी बहस हुई, जिसमें अहमद ने स्पष्ट कर दिया कि वे किसी भी कीमत पर तस्वीर नहीं हटाएंगी। विवाद ने तब और अधिक उग्र रूप ले लिया जब कांग्रेस नेता हर्षवर्धन सपकाल ने टीपू सुल्तान को भूमिपुत्र बताते हुए उन्हें वीरता के पैमाने पर छत्रपति शिवाजी महाराज के समकक्ष खड़ा कर दिया। इस तुलना पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की। फडणवीस ने इसे महाराष्ट्र के आराध्य देव छत्रपति शिवाजी महाराज का अपमान और बेहद शर्मनाक कृत्य बताया। भाजपा ने सपकाल के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है और उनके बयान की कड़ी निंदा की है।

झारखंड में जंगली हाथियों ने ली कई की जान, अब कुनकी हाथी इन पर पाएंगे काबू

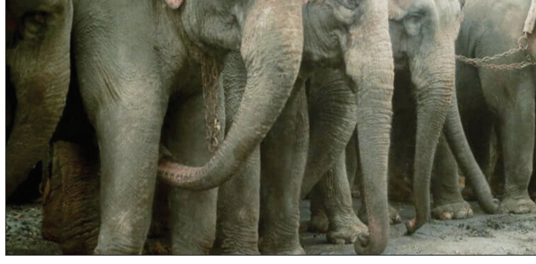

-कर्नाटक से विशेष प्रशिक्षित हाथियों को बुलाया, ये होते हैं शांत और अनुशासित

रांची (एजेंसी)। झारखंड के चाईबासा और हजारीबाग में हाथियों के लगातार हमलों से ग्रामीण दहशत में हैं। हालात पर काबू पाने कर्नाटक से विशेष रूप से प्रशिक्षित छह कुनकी हाथियों को झारखंड बुलाया जा रहा है। ये विशेष रूप से प्रशिक्षित हाथी हैं, जो जंगली और उग्र हाथियों को काबू में करने में मदद करते हैं। चाईबासा और हजारीबाग में पिछले एक महीने में 25 से ज्यादा लोगों की मौत हाथियों के हमले में हो चुकी है। चाईबासा में एक अकेले हाथी ने 15 से ज्यादा लोगों की जान ली, जबकि हजारीबाग में पांच हाथियों के झुंड ने एक ही रात में सात लोगों की जान ले ली। अब उम्मीद है कि कुनकी हाथियों की मदद से इन बेकाबू हाथियों को जंगल की ओर वापस भेजा जाएगा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कुनकी शब्द फारसी भाषा से आया है, जिसका अर्थ होता है सहायक। कर्नाटक वन विभाग हाथियों को खास प्रशिक्षण देता है। इन प्रशिक्षित हाथियों के साथ अनुभवी महावत रहते हैं। ये हाथी शांत और अनुशासित होते हैं और इन्हें जंगली हाथियों को पकड़ने या नियंत्रित करने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। तमिलनाडु के कालेम और कर्नाटक के अभिमन्यु जैसे कुनकी हाथी कई अभियानों को सफलतापूर्क पूरा किया है। ये हाथी अपनी गंध और व्यवहार से उग्र हाथियों को शांत करने में मदद करते हैं।

बता दें झारखंड में करीब 600 हाथी हैं, लेकिन जंगल क्षेत्र कम होने से उनके लिए भोजन और रहने की जगह घट गई है। एक रिपोर्ट के मुताबिक राज्य में जंगल सिकुड़ रहे हैं। एक हाथी को रोज करीब 17 घंटे तक भोजन करना पड़ता है, लेकिन जंगल में पर्याप्त भोजन नहीं मिल पा रहा है। इस वजह से हाथी गांव और खेतों की ओर आ रहे हैं, जहां उन्हें धान, सब्जियां और केला जैसी फसलें आसानी से मिल जाती हैं। खाने की तलाश और क्षेत्र को लेकर आपसी संघर्ष के कारण कई नर हाथी झुंड से अलग हो जाते हैं। ऐसे हाथी ज्यादा आक्रामक हो जाते हैं और इंसानों पर हमला करते हैं। राज्य सरकार और वन विभाग को उम्मीद है कि कुनकी हाथियों की मदद से हालात पर जल्द काबू पा लिया जाएगा और लोगों को राहत मिलेगी।

अकाली, भाजपा और कांग्रेस ने पंजाब को नशे की दलदल में धकेला...

प्रथम पृष्ठ का शेष

इस अभियान के तहत सृजित संरचना के बारे में बताते हुए अरविंद केजरीवाल ने कहा कि पूरे पंजाब के हर गांव और हर वार्ड में लोगों की कमेटियां बनाई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि इस पहल के तहत विलेज डिफेंस कमेटियां (वी.डी.सी.) बनाई जा रही हैं और प्रत्येक वार्ड और गांव के सम्मानित और प्रभावशाली लोगों जैसे सेवानिवृत्त शिक्षक, सेवानिवृत्त फौजी अधिकारी, युवा, सरपंच आदि को इन कमेटियों में शामिल किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इन कमेटियों की मुख्य रूप से दो जिम्मेदारियां हैं, जिसमें पहली जिम्मेदारी सरकार को उन लोगों के बारे में सूचित करना है जो गांव या वार्ड में नशा बेच रहे हैं और ऐसे लोगों के बारे में जिनसे वे आगे नशा खरीदते हैं। सुरक्षा संबंधी शंकाओं पर बात करते हुए आप प्रमुख ने आगे कहा कि बहुत से लोग अभी भी सोचते हैं कि अगर वे जानकारी देंगे तो उनके परिवारों को मार दिया जाएगा या परेशान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इसी को ध्यान में रखते हुए पंजाब सरकार ने एक एप बनाया है और यह एप हर गांव रक्षा कमेटी सदस्य के फोन में डाला गया है। उन्होंने कहा कि हर सदस्य इस एप के माध्यम से जानकारी दे सकता है, जिसकी पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी और किसी को भी पता नहीं चलेगा कि आपने कोई जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि डरने की कोई जरूरत नहीं है क्योंकि बहुत सी गांव रक्षा कमेटियां पहले ही जानकारी साझा कर रही हैं, जो पूरी तरह सुरक्षित हैं। उन्होंने आगे कहा कि मुझे यह सुनकर बहुत खुशी हुई कि गांव रक्षा कमेटी के ज्यादातर सदस्यों ने कहा कि वे किसी से नहीं डरते और वे इस युद्ध में पूरी तरह सरकार के साथ खड़े हैं। उन्होंने कहा कि अब पूरा पंजाब एकजुट हो रहा है, लोगों के मन से डर निकल रहा है और गांवों के लोग नशा बेचने वालों को मुंह तोड़ जवाब दे रहे हैं। इस अभियान के तहत सरकार के दो मुख्य कार्यों को स्पष्ट करते हुए उन्होंने जोर देकर कहा कि पहला कार्य नशा बेचने वालों के बारे में जानकारी प्रदान करना है ताकि पुलिस उन्हें जल्द से जल्द गिरफ्तार करके जेल भेज सके और दूसरा कार्य यह सुनिश्चित करना है कि गांव में जो लोग नशे की लत का शिकार हैं, उन्हें इलाज के लिए नजदीकी केंद्र में ले जाया जाए ताकि वे नशे की दलदल से बाहर निकल सकें। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि गांव रक्षा कमेटियों के पास अब अपने गांव को नशा मुक्त बनाने की जिम्मेदारी है। इसलिए जो भी कदम उठाने की जरूरत है, वे उठाएं और हमें बताएं कि आपको इस काम के लिए किस चीज की जरूरत है, हमारी ओर से सभी सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। आपको जिस भी संसाधन और मदद की जरूरत है, वह दी जाएगी। इसलिए अब अपने आस-पास के इलाके को नशा मुक्त बनाने की जिम्मेदारी अब आपकी है और पूरी पुलिस आपके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है। मुख्यमंत्री सहित पूरा प्रशासन आपके साथ खड़ा है। उन्होंने कहा कि एप के माध्यम से आप द्वारा दी गई सारी जानकारी सीधे मुख्यमंत्री और मुख्यमंत्री कार्यालय तक पहुंचती है, जिस पर तुरंत कार्रवाई होती है। अरविंद केजरीवाल ने जोर देकर कहा कि अगर स्थानीय स्तर पर कोई भी पुलिस अधिकारी अच्छा काम करता है तो उसे इनाम दिया जाएगा और अगर कोई भी पुलिस अधिकारी नशा बेचने वालों से मिलीभगत करता पाया जाता है तो उसे किसी भी हालत में बख्शा नहीं जाएगा और उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इन कमेटियों के अधिक से अधिक विस्तार की अपील करते हुए आप प्रमुख ने कहा, धीरे-धीरे, गांव रक्षा कमेटी 10 सदस्यों तक सीमित न रहे बल्कि इसके अंतर्गत पूरे गांव को शामिल किया जाए। अगर पूरा गांव एकजुट हो जाएगा तो कोई भी नशा बेचने की हिम्मत नहीं करेगा। पुनर्वास और युवाओं की भागीदारी पर बोलते हुए अरविंद केजरीवाल ने कहा, हर गांव में मुख्यमंत्री भगवंत मान खेल मैदान बनवा रहे हैं। वहां आप क्रिकेट, वॉलीबॉल और फुटबॉल खेल सकते हैं। खेल का सामान भी उपलब्ध कराया जाएगा। हमारी कोशिश है कि जो बच्चे नशे से बाहर आएं, वे दोबारा उसमें न जाएं। उन्हें खेलों की ओर ले जाने व रोजगार की व्यवस्था की जा रही है। अब तक 60,000 सरकारी नौकरियां दी जा चुकी हैं। भगवंत मान ने 60,000 सरकारी नौकरियां बिना रिश्वत और बिना सिफारिश के दी हैं। रोजगार के और अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। जो बच्चे नशे के शिकार हैं, उन्हें नशे से बाहर निकालकर खेलों की ओर प्रेरित करने और रोजगार उपलब्ध कराने की दिशा में सरकार काम कर रही है। उन्होंने कहा, आपको हर गांव के हर परिवार के पास जाना होगा और बताना होगा कि पंजाब को नशे में किसने धकेला ड्ढ अकाली दल, भाजपा और कांग्रेस। जब उनकी सरकार सत्ता में थी, तब पंजाब का हर परिवार नशे में डूब रहा था। उन्होंने पंजाब के युवाओं को बर्बाद किया। हर परिवार और पंजाब के भविष्य को नुकसान पहुंचाया। आपको हर घर जाकर कहना होगा कि इन पार्टियों को भूलकर भी वोट न दें, वरना पंजाब फिर से नशे में डूब जाएगा। पहली बार ऐसी पार्टी आई है जो नशा बेचने वालों का पीछा कर रही है, उन्हें गिरफ्तार कर जेल भेज रही है, उनके घरों और बंगलों को गिरा रही है, उनकी संपत्ति जब्त कर रही है और उनके बैंक खाते फ्रीज कर रही है। अरविंद केजरीवाल ने कहा, प्रदेश में पहली बार भगवान की कृपा से ऐसी सरकार आई है। किसी भी परिस्थिति में आपको अन्य पार्टियों को वोट नहीं देना चाहिए। यह ग्राम रक्षा कमेटियों की जिम्मेदारी है। हमें घर-घर जाकर लोगों को बताना है। बहुत जल्द हमारा पंजाब रंगला पंजाब और नशा मुक्त पंजाब बनेगा। इस बीच, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि 'चिट्टे' को पंजाब विरोधी ताकतों ने युवाओं की रगों में उतारा, जिसके कारण राज्य और लोगों के जीवन से रंग गायब हो गए। उन्होंने कहा, जो लोग सत्ता में रहते हुए नशे को संरक्षण देते थे, वे अपने आधिकारिक वाहनों में राज्य में नशा ढोते थे। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आगे कहा, गहन अध्ययन के बाद राज्य सरकार ने बहुआयामी रणनीति अपनाई और आपूर्ति श्रृंखलाओं को तोड़ा, पीड़ितों का पुनर्वास किया, उनकी संपत्तियां ध्वस्त कीं और 'युद्ध नशे के विरुद्ध' के तहत इन अपराधियों को सलाखों के पीछे डाला। पंजाब के मुख्यमंत्री ने कहा कि अब नशा तस्कर राज्य से भाग रहे हैं क्योंकि नशे के खिलाफ जन आंदोलन शुरू किया गया है और इसके सकारात्मक परिणाम जनता के सामने हैं। उन्होंने कहा, हमने रंगला पंजाब बनाने के लिए ही पदभार संभाला है और इस महान उद्देश्य के लिए जनता के सहयोग से कोई कसर नहीं छोड़ी जा रही है। विपक्ष पर तंज कसते हुए भगवंत सिंह मान ने कहा, यदि मैं नियमित जांच के लिए अस्पताल भी चला जाऊं, तो वे मेरे और मेरे स्वास्थ्य के बारे में अफवाहें फैलाते हैं क्योंकि वे मुझसे और मेरे जनहितैषी दृष्टिकोण से ईर्ष्या करते हैं। मुख्यमंत्री सेहत योजना के बारे में जनता को गुमराह करने के लिए अफवाहें फैलाने पर विपक्ष की आलोचना करते हुए उन्होंने कहा, लोगों को व्यापक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए राज्य सरकार ने यह योजना शुरू की है, जो देश में अपनी तरह की पहली है। इस योजना के तहत पंजाब के प्रत्येक निवासी परिवार को 10 लाख रुपए तक का कैशलेस चिकित्सा उपचार प्राप्त करने का अधिकार है। यह अत्यंत गर्व और संतोष की बात है कि पंजाब ऐसा व्यापक स्वास्थ्य कवरेज देने वाला भारत का पहला राज्य बन गया है। पंजाब के मुख्यमंत्री ने कहा कि यह योजना जनता पर वित्तीय बोझ को काफी हद तक कम करेगी और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच सुनिश्चित करेगी।

नोएडा का प्रदूषण नहीं झेल पाया मासूम, करनी पड़ी सर्जरी

नोएडा। दिल्ली एनसीआर का प्रदूषण नहीं पांच साल का ज्यारित नहीं झेल पाया। एडेनोइड्स चौथे स्टेज पर पहुंचने के कारण सर्जरी करनी पड़ी। ज्यारित की हालत अब ठीक है। लेकिन एयर प्यूरीफायर के बीच रहने के लिए मजबूर है। ज्यारित की मां ने 26 नवंबर को इंस्टाग्राम अकाउंट से वीडियो साझा कर इसकी जानकारी दी थी। ज्यारित की मां साक्षी पाहवा ने बताया कि करीब ढाई साल पहले पति सचिन पाहवा की नौकरी के कारण सिरसा से नोएडा उनका परिवार शिफ्ट हुआ था। दीपावली 2023 के बाद से ज्यारित को हल्की सर्दी-जुकाम की समस्या होने लगी। दवाइयों से थोड़ी राहत मिलती थी लेकिन फिर उसकी हालत वैसी ही हो जाती थी। डॉक्टर ने भी दिल्ली- एनसीआर छोड़ने की सलाह दे दी थी। कुछ दिन पहले हालत ज्यादा बिगड़ गई और फिर जांच करवाई तो पता चला कि बढ़ते प्रदूषण की वजह से ज्यारित के एडेनोइड्स और टॉन्सिल काफी बढ़ गए थे। जांच में इसके स्टेज-4 तक पहुंचने की बात सामने आई। ?जिसके बाद सर्जरी जरूरी हो गई थी। डॉक्टर ने उसकी सर्जरी की और 15 दिन तक आराम करने की सलाह दी है। परिजनों के मुताबिक अभी उसका इलाज जारी है। परिवार की तरफ से 26 नवंबर को इंस्टाग्राम अकाउंट से वीडियो शेयर कर बच्चे की स्थिति दिखाई गई थी। वीडियो में बताया गया कि बढ़ते प्रदूषण की वजह से बेटे की सर्जरी कराने की नौबत आई। ज्यारित घर पर ही रहता है। उसके दोस्त घर आकर खेलते हैं। उसे 2 एयर प्यूरीफायर के बीच रहना पड़ रहा है, ताकि समस्या न बढ़े। सेक्टर-62 स्थित निजी अस्पताल के ईएनटी विशेषज्ञ डॉ. सव्यासाची सक्सेना ने बताया कि जैसे गले का टांसिल होता है वैसे ही नाक के टांसिल को एडेनोइड्स कहा जाता है। जब यह बढ़ जाता है तो सांस आने में दिक्कत होती है। बच्चा रात में खूब खर्राटे लेता है। कान और गले में इंफेक्शन हो जाता है। कान में दर्द भी हो सकता है।

फुटपाथ पर सो रहे तीन को कुचला, एक की मौत

नई दिल्ली। दिल्ली के वसंत कुंज इलाके में रविवार देर रात एक भीषण सड़क हादसा हो गया। एक तेज रफ्तार मर्सिडीज कार ने ऑटो स्टैंड पर खड़े तीन लोगों को टक्कर मार दी। इस हादसे में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हैं। दिल्ली पुलिस ने कार चालक को हिरासत में ले लिया है। वसंत कुंज नॉर्थ पुलिस स्टेशन को देर रात करीब 2ञ्33 बजे नेल्सन मंडेला मार्ग पर एंबियंस मॉल के ठीक सामने, वसंत विहार की ओर एक सड़क दुर्घटना की पीसीआर कॉल मिली। मौके पर पहुंची पुलिस टीम को एक दुर्घटनाग्रस्त मर्सिडीज त्न63 कार मिली। ऑटो स्टैंड पर घायल अवस्था में पड़े तीन लोग मिले, जिनकी उम्र 23, 35 और 23 वर्ष थी। ये तीनों एंबियंस मॉल स्थित एक रेस्तरां के कर्मचारी थे। तीनों घायलों को तुरंत अस्पताल ले जाया गया। मेडिकल जांच के दौरान चमोली, उत्तराखंड निवासी रोहित (उम्र 23 वर्ष) को मृत घोषित कर दिया गया। अन्य दो घायलों का इलाज चल रहा है। मर्सिडीज कार एक्सीडेंट केस में मृतक रोहित के रिश्तेदार हेमंत बिष्ट ने कहा कि वह एंबियंस मॉल में काम कर रहा था और सुबह करीब 2.30 बजे घर लौट रहा था। एक्सीडेंट करीब 2.30 बजे हुआ और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। उसकी उम्र करीब 23-24 साल थी। पोस्टमॉर्टम किया जा रहा है। दिल्ली पुलिस ने दुर्घटना के लिए जिम्मेदार कथित मर्सिडीज कार के चालक शिवम (उम्र 29 वर्ष) को हिरासत में ले लिया है। शिवम नई दिल्ली के करोल बाग का रहने वाला है। घटना के समय शिवम गाड़ी में अपनी पत्नी और बड़े भाई के साथ सवार था। प्रारंभिक जांच के अनुसार, ड्राइवर शिवम एक डायवर्जन के कारण कार का संतुलन खो बैठा। इसके परिणामस्वरूप, कार नियंत्रण से बाहर होकर उस खंभे से जा टकराई, जहां तीनों पीड़ति ऑटो स्टैंड पर खड़े थे। बताया गया है कि ड्राइवर शिवम एक शादी समारोह से लौट रहा था। दुर्घटनाग्रस्त कार उसके दोस्त अभिषेक की है।

उस्मानपुर में असद गिरोह के तीन बदमाश मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार

दिल्ली। जानकारी के अनुसार, पुलिस को सूचना मिली थी कि मेरठ के असद गिरोह का सरगना अपने साथियों के साथ उसमानपुर क्षेत्र में आने वाला है। जैसे ही तीन अपराधी बाइक पर आते दिखे, पुलिस टीम ने उन्हें सरेंडर करने को कहा। खुद को घिरा देखकर अपराधियों ने पुलिस पर गोली चला दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने तीनों अपराधियों को पैर में गोली मारकर घायल कर दिया। एक गोली एसआई को छूकर निकल गई। तीनों अपराधियों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इन अपराधियों के खिलाफ कई आपराधिक मामले दर्ज हैं।

बाहर का खाना खाने के बाद लगती है ज्यादा प्यास, तो है गंभीर बीमारी के संकेत

नई दिल्ली। विशेषज्ञों के अनुसार, बाहर के खाने में नमक (सोडियम) की मात्रा घर के खाने से ज्यादा होती है। स्वाद बढ़ाने के लिए नमक, सॉस और मसालों का अधिक उपयोग किया जाता है। ऐसे में जब शरीर में नमक की मात्रा बढ़ती है तो पानी का संतुलन बिगड़ जाता है। इसे संतुलित करने के लिए शरीर ज्यादा पानी की मांग करता है, जिससे प्यास अधिक लगती है। इसके अलावा, बाहर का खाना अक्सर ज्यादा तेल और मसालों से बना होता है। तला-भुना और भारी भोजन पचाने के लिए शरीर को ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है। इस प्रक्रिया में शरीर को अतिरिक्त पानी की जरूरत होती है, इसलिए बार-बार प्यास महसूस होती है। डॉक्टरों के अनुसार, ज्यादा नमक खाने से कई नुकसान होते हैं। इसमें शरीर में पानी रुकने लगता है, जिससे सूजन आ सकती है। ब्लड प्रेशर बढ़ सकता है। साथ ही, दिल की बीमारी का खतरा बढ़ता है। इसके अलावा, किडनी पर दबाव पड़ता है, सिरदर्द और कमजोरी महसूस हो सकती है। डॉक्टरों के अनुसार, संतुलित और घर का बना सादा भोजन सेहत के लिए बेहतर होता है। इसमें नमक और तेल नियंत्रित मात्रा में होता है, जिससे शरीर स्वस्थ रहता है और अनावश्यक प्यास नहीं लगती।

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्री जमीर अहमद पुत्र स्व0 शब्बीर एवं श्रीमती शहाना पत्नी श्री जमीर अहमद, निवासी मकान संख्या 403, गाँव व पोस्ट - मुज्जफरा बागड़पुर, जनपद हापुड़, उत्तर प्रदेश - 245101, द्वारा दिनांक 21.03.2022 को एक शपथ पत्र (Disowning Affidavit), Certificate No. DL064848918668740, निष्पादित किया गया था, जिसके माध्यम से उनके पुत्र श्री शाहरूख एवं उनकी पत्नी श्रीमती फरीन को परिवार एवं संपत्ति संबंधी मामलों से बेदखल किया गया था। मेरे मुवक्किल एतद्द्वारा उक्त शपथ पत्र को पूर्णत: रद्द एवं निरस्त करते हैं। उक्त शपथ पत्र अब किसी भी प्रकार के कानूनी, वित्तीय अथवा अन्य प्रयोजन हेतु प्रभावी एवं मान्य नहीं रहेगा।

NOOR ALAM ADVOCATE
Off: - Library-1,SCBA,
Supreme Court of India,
New Delhi-110001
Mob: 9891623569
Email: noor29676@gmail.com

PUBLIC NOTICE

NOTICE is hereby given to public at large that my client **NEERAJ CHAUHAN** is the owner of Plot area measuring 294 sq. yds., khet no. 110 min, situated in village Wazidpur, Pargana Dadri, Tehsil and Distt. Gautam Budh Nagar, U.P. vide Gift Deed dated 31.01.2026 which is registered as Doc no. 3555, Book no. 1, Volume no. 48522, Pages no. 311-326, dated 31.01.2026, SRO- Sadar-Greater Noida and Intend to mortgage the said property with **Aditya Birla Capital Ltd.** If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 07 days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

Khaitan & Khaitan
Plot No. 100 ,1st floor
Okhla Phase III, New Delhi
Ph. No: 011-49774545

NAME CHANGE

I hitherto known as Husan Jahan W/O Mohd Gulsher, R/O house no.193, hira pari , Barla, PO: Barla, DIST: Muzaffarnagar, Uttar Pradesh-251307, have change my name and shall hereafter be known as RESHMA

PUBLIC NOTICE

Information is given to general public at large that our client Mrs. Sarla Devi W/o Mr. Chaman Lal is the owner of Freehold Residential Built-up Upper Ground Floor without roof rights, on Plot No.165 land area measuring 100 Sq. Yds. Out of Khasra No.24/3 Situated in the area of Village Razapur Khurd Delhi State Delhi Colony Known as Q-Block, Mohan Garden, Uttam Nagar, New Delhi-110059. by virtue of Notarized GPA, ATS and WILL dated 24.10.2013., in now our client is declaring that that any other person does not have any right over the said property, and same property Sold too Mr. Awadhesh Singh Yadav and same has been financed by SMFG India Home Finance Company Limited Branch: Moti Nagar New Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

PUBLIC NOTICE

GENERAL PUBLIC IS HEREBY INFORMED THAT BACK CHAIN OF FIRST FLOOR FLAT PORTION OF PROP. NO. T-1183/3, AREA 100 SQ. YARDS, KHASRA NO. 318, ARJUN NAGAR, KOTLA MUBARAKPUR, NEW DELHI-110003 I.E. ORIGINAL SALE DEED DT. 11.08.2008 EXECUTED BY MRS. RITA RANI IN FAVOUR OF MR. RAJIV SAINI AS DOC. NO. 12573, VOL. NO. 8740, PAGES 42-49 IN SRO-5-DELHI HAD LOST BY THE CURRENT OWNER MRS. NEETU GUPTA, W/O MR. RAJESH GUPTA, R/O 1183/3, SECOND FLOOR, ARJUN NAGAR, KOTLA MUBARAKPUR, SOUTH DELHI-110003 NOW MRS. RENU KASHYAP W/O MR. AMAR SINGH R/O T-806 C-10 UGF LEFT PORTION, SUKHDEV NAGAR, KOTLA MUBARAKPUR, DELHI-110003 IS GOING TO PURCHASE THE SAID PROPERTY, FROM OWNER / SELLER MRS. NEETU GUPTA, WHICH WILL BE MORTGAGED WITH IIFL HOME FINANCE LIMITED AS SECURITY AGAINST HOUSING LOAN FOR PURCHASING OF SAID PROPERTY. PLEASE SUBMIT THE SAID ORIGINAL SALE DEED IF FIND BY ANY PERSON. ALSO PLEASE CONTACT WITH WRITTEN OBJECTION LETTER WITH RELEVANT DOCUMENTS WITH UNDERSIGNED IF HAVING ANY OBJECTION IN RESPECT OF SAID PROPERTY/SALE DEED WITHIN 10 DAYS OF THIS PUBLICATION. ITS USE BY ANYONE IS ILLEGAL.

ADITYA VERMA, ADVOCATE
E-16, MANSAROVAR PARK,
SHAHDARA, DELHI-110032
MOBILE NO. 9999042521

NAME CHANGE

I, SUMIT KUMAR S/o Omveer Singh R/o Painga Ghaziabad Uttar Pradesh-201204 have changed the name of my minor daughter VANI CHAUDHARY aged 10 years and she shall hereafte be known as PARI CHAUDHARY

PUBLIC NOTICE

My client Smt. Vimla Devi W/o Sh. Rajesh Babu R/o S-105/553, Arjun Camp, Mahipalpur, New Delhi-110037, has disowned and debarred my son Mr. Vishal & his wife Smt. Kumari Laxmi from my all movable, immovable properties and has no relation with them in future, if anybody deals with them at his/her own risk and consequences in future.

Yudhister Singh Advocate
CH.NO.521,
SAKET COURTS NEW DELHI-17

NAME CHANGE

I, Sikandar S/o Nooruddin R/o 77, Main Road, Okhla Village, Jamia Nagar, Delhi-110025 have changed my name to Sikander.

NAME CHANGE

I, PRAJWAL S/o PRAVEEN KUMAR R/o Flat No.-T4-1305, 13th Floor, Plot No.-GH-01/A, Exotica Dream Ville, Near Gaur City, Sector-16C, Greater Noida Extension, Gautam Buddh Nagar, Uttar Pradesh-201308, have changed my name and shall hereafter be known as PRAJWAL KUMAR.

NAME CHANGE

I VISHNU SANKAR MADHUSOODHANAN NAIR SHOBANA KUMARI S/O MADHU SOODHANAN NAIR S R/O SANKARAVILASAM, CHITHARA , KOLLAM, KERALA 691001, I have changed my name to M.S VISHNU SANKAR Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I, JC-492414X Rank-SUB Name-SURESH KUMAR Father of ANJALI Presently residing at VPO-MAROLI, TEH-HODAL, DIST-PALWAL, HARYANA-121106, have changed my daughter's name from ANJALI to ANJALI SOROUT for all future purposes vide Affidavit dated 16/02/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, FAIJUL MONDAL S/O RAFIK MONDAL R/O H NO-246, GALI NO-22, B-BLOCK, SANT NAGAR, BURARI, DELHI-110084. have changed my name to SK FAIJUL MONDAL for all future purpose.

NAME CHANGE

I Rita Soni D/o Raj Kumar Singh, W/o Heera Singh R/o WZ-1705, Mahindra park, Rani Bagh, PO:Saraswati Vihar, DIST:North West Delhi, Delhi, 110034 have changed my name to Rita Devi for all future purposes.

NAME CHANGE

SUNITA W/O DINESH PRAJAPATI R/O 142, UGF, L/S PVT. NO-H-2, GAUTAM NAGAR, ANDREWSGANJ, DISTT.SOUTH DELHI, DELHI-110049, have changed my name and shall hereinafter be known as SUNITA DEVI W/O DENESH PRAJAPATI.

NAME CHANGE

I here to known as Mudit Sidhu S/o Ashwani Kumar Sidhu R/o A-I/286, Madangir, Sector-4, Ambedkar Nagar, South Delhi, Delhi-110062 have changed my name and shall hereafter be known as Tushar Kumar Sidhu.

NAME CHANGE

I, NO 3403343XHAVALDAR JAGDISH S/O MOHAN SINGH R/O VILLAGE SOVRA, POSTOFFICE-VIRA, TEHSIL-THALLSIN, DISTRICTPOURI GARWHAL, UTTRAKHAND-246285,hereby declare that in my service record the name of my son has been wrongly written as DEPENDER SINGH and correct name IS DEPENDER SINGH BHANDARI.

NAME CHANGE

I, AMEEN S/O MOHD KAMRUDDIN R/O L-1-749/14, SANGAM VIHAR, SHANI BAZAR, DEOLI, SOUTH DELHI, DELHI-110062 hereby declare that in my bank of india A/c No.604510510001436 in my name has been wrongly written as Ameen Khan and shall rebe known as Ammen

NAME CHANGE

I, RAM BABU, S/o. MANGI LAL THAKUR, R/o. RZF-1150, FLAT NO. UG-1, RAJ NAGAR-2, PALAM COLONY, NEW DELHI-110077, have changed my name from RAM BABU to RAMBABU THAKUR for all future purpose.

NAME CHANGE

I, NASEEM KHAN, S/o. ABDUL SATTAR, R/o. D-1/17A, PALAM KUNJ, RAMPHAL CHOWK, SECTOR-7, DWARKA, NEW DELHI-110075, have changed my name from NASEEM KHAN to NASEEM ALI for all future purpose.

NAME CHANGE

I, DEEPAK S/O DINESH KUMAR R/O FARMANA CHUNGI,WARD NO-1, MEHAM, ROHTAK, HARYANA-124112, HAVE CHANGED MY NAME TO DEEPAK KUMAR FOR ALL FUTURE PURPOSES.

NAME CHANGE

I, ANUPMA / AUNPAMA VIRMANI W/O BIRJ MOHAN R/O HOUSE NO-524/28,GALI NO-8,JYOTI PARK,GURGAON,HARYANA-122001,HAVE CHANGED MY NAME TO ANUPAMA VIRMANI FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE

I Husaina D/0 Munawwer Husain R/0 B4, Block B, Heritage Greens, 2nd Avenue, Chandanhola, Chattarpur, New Delhi, 110074 Changed my name to Husaina Munawwer Husain.

NAME CHANGE

I, NAZMA BANO W/O ZAHIR ABBAS residing at H.No-838 B,Gali NO-8,Near Jama Masjid Old Mustafabad , have changed my name to NAZMA BEGUM

NAME CHANGE

I,Nityashjit Choudhry alias Nityashjit Kaur, W/o Achin Choudhry D/o Onkar Singh R/o Flat no. 144, 3rd Floor, Punjabi Bagh Appartment, Rohtak Road, Paschim Vihar, West Delhi, Delhi - 110063 have changed my name and shall hereafter be known as Nityashjit Kaur Choudhry

NAME CHANGE

I, Shahjahan Begum W/o Mohammad Aaajad R/o A-21, Gali No.13, Rajinder Marg Road, Chauhan Banger Road, Jafrabad, Delhi-110053 have changed my name to Shahjahan.

NAME CHANGE

I, SHOBHA, is legally mother of Army No. 2824174M, Rank – Sep, Name – NALE SACHIN RAMPRASAD, presently residing at Vill – Chorpangra, Post – Bibi, Teh – Lonar, Dist – Buldhana, State – Maharashtra, Pin – 443202, have changed my name from SHOBHA to NALE SHOBHA RAMPRASAD for all future purposes. Vide affidavit dated 16/02/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE

I, ANITA, is legally mother of Army No. 2814847H, Rank – L/Hav, Name – PATIL JOTIBA ASHOK, presently residing at Vill – Kadalge Khurd, Post – Dholgarwadi, Teh – Chandgad, Dist – Kolhapur, State – Maharashtra, Pin – 416507, have changed my name from ANITA to PATIL ANITA ASHOK for all future purposes. Vide affidavit dated 16/02/2026 before Public Notary Delhi.

PUBLIC NOTICE

This is to inform/known to all that the Original Title/ Ownership documents i.e. Regd. Sale Deed Dated 09.08.2005 With Document No. 12070, Book No. 1, Volume No. 5261, Pages 32 to 37 at SR-V, New Delhi Which executed by Sh. Satish Kumar S/o Shri Shiv Charan in favour of Sh. Sohan Lal S/o Shri Hansa Ram pertaining to "Flat Bearing Pvt. No. C-1, On Upper Ground Floor, Without Roof Rights, Measuring 650 Sq. Ft., Property Bearing No. 882, Ward No. 6, Khasra No. 1151/3Min, Measuring 258 Sq. Yds., Situated at Mehrauli, Tehsil Hauz Khas, New Delhi". (hereinafter referred to as 'said property') Which is owned and Possessed by Seller i.e. Sh. Sohan Lal S/o Shri Hansa Ram Who agreed to sell the same to Our Borrower i.e. Smt. Amrita W/o Shri Gyan RanjanKumar and same shall be funded/ Mortgaged by My Client "AADHAR HOUSING FINANCE Ltd., DELHI PUSHP VIHAR BRANCH" has been lost / Misplaced Somewhere and are not traceable. Anybody who find the above said original document(s) please inform the undersigned within 7 days from the date hereof, failing which the claim(s) shall be considered to have been waived and/or abandoned and my client shall proceed with the disbursement of loan and creation of Mortgage on the Property. Also, If any person misuses the same for any purpose whatsoever, She / he shall be liable for the appropriate legal action against him/her at his/her own risk, cost and consequences.

Dated: 17-02-2026
Place : Delhi

Advocate Ghanshyam Singh,
Ch. E-713 Karkardooma Courts,
Delhi-110032; Ph-8810212071

दिल्ली के भूजल में यूरेनियम का स्तर सुरक्षित मानक से अधिक

दिल्ली। दिल्ली में लिए गए 103 भूजल नमूनों में से करीब 12.63 प्रतिशत में यूरेनियम की मात्रा सुरक्षित सीमा 30 माइक्रोग्राम प्रति लीटर (30 पीपीबी) से अधिक पाई गई। यह स्तर पीने के पानी के लिए खतरनाक माना जाता है। देशभर में भूजल की जांच करने वाले केंद्रीय भूजल बोर्ड (सीजीडब्ल्यूबी) की यह रिपोर्ट चिंताजनक है। रिपोर्ट 2024 में देश भर से इकट्ठा किए गए करीब 15,000 सैंपलों पर आधारित है। विशेषज्ञों ने इसे साइलेंट हेल्थ इमरजेंसी बताया है। सीजीडब्ल्यूबी के अनुसार, दिल्ली के उत्तरी, उत्तर-पश्चिमी, पश्चिमी, दक्षिण-पश्चिम दिल्ली, रोहिणी, भलस्वा झील और नांगली राजपुरा समेत कई इलाकों में पानी के सैंपल भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) मानक से ऊपर पाए गए। कुछ जगहों पर यूरेनियम का स्तर 59 पीपीबी तक पहुंच गया जो सुरक्षित सीमा से करीब दोगुना है। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि यदि तत्काल कदम नहीं उठाए गए, तो यह दिल्ली निवासियों के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर दीर्घकालिक प्रभाव डाल सकता है। इसलिए नियमित मॉनिटरिंग बेहद जरूरी है। दिल्ली हर दिन करीब 125 मिलियन गैलन भूजल पीने और घरेलू उपयोग के लिए निकालती है, जिससे स्थिति और गंभीर हो रही है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि भारत का अधिकांश भूजल सुरक्षित है, लेकिन कुछ क्षेत्रों में यूरेनियम लगातार बढ़ रहा है। उत्तर-पश्चिम भारत के पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान और उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्से प्रदूषण के हॉटस्पॉट हैं। इसकी वजह भू-वैज्ञानिक कारण, भूमिगत पानी की कमी और एक्विफर की संरचना बताई जा रही है।

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, VIKAS S/o RAGHUVEER SINGH, R/o Nai Abadi Nagla Pyare Lal, Tajganj Agra Uttar Pradesh- 282001, declare that name of mine and my minor daughter has been wrongly written as VIKASH and IKSHA in my minor daughter ICCHA, aged 16 years in her Aadhar Card No. 7161 8632 5196. The actual name of mine and my minor daughter are VIKAS and ICCHA, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I hitherto known as Husan Jahan W/O Mohd Gulsher, R/O house no.193, hira pari , Barla, PO: Barla, DIST: Muzaffarnagar, Uttar Pradesh-251307, have change my name and shall hereafter be known as RESHMA

NAME CHANGE

I, POOJA W/o PRAVEEN KUMAR R/o Flat No.-T4-1305, 13th Floor, Plot No.-GH-01/A, Exotica Dream Ville, Near Gaur City, Sector-16C, Greater Noida Extension, Gautam Buddh Nagar, Uttar Pradesh-201308, have changed my name and shall hereafter be known as POOJA SHAKYAVAR.

NAME CHANGE

I, BHUPENDER Singh alias Pappu S/o Ram Singh R/o H. No.-80, Dugchari Malakpur, District: Saharanpur, State: Uttar Pradesh-247554, have changed my name and shall hereafter be known as Bhupender Singh.

NAME CHANGE

I hitherto known as Pushpa Bharti W/o Nitish Raj R/o Flat No-220, Hanna Tower, Gaur Saundaryam Apartment, Noida Extension, Bishrakh, I.A Surajpur, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201306 have changed my name and shall hereafter be known as Navya Bharti.

NAME CHANGE

I, ASHISH KUMAR S/O RAMAUTAR Permanent resident at: Gaon-Pragpura, Badhrana (4), Badhrana, Rewari, Haryana, 123412 Presently residing at: 218 Npc, Arjan Vihar, Gate No-02, Delhi Cantt, New Delhi-110010 have changed the name of my minor son MANYU alias MANIK BHAMESHRA aged 10 years and he shall hereafter be known as MANIK BHAMESHRA.

NAME CHANGE

I, SURENDRAN is a real father of No 15746666W Rank NK Name SNEHIL K S presently residing KUNNEL HOUSE, VALATHODE, AYYANKUNNU, KANNUR, (KERATA)-670704 have changed my name from SURENDRAN TO SURENDRAN K R for all future purposes. Vide Affidavit Dated 16/02/2026 before Notary Public New Delhi.

NAME CHANGE

I hitherto known as PRASHANT son of Sh. SATYAVIR KUMAR KAUSHIK, employed as Air Craft Engineer in the Jet Airways, residing at WZ-278, Gali No. 9. Sadh Nagar. Palam Colony. New Delhi-110045, have changed my name and shall hereafter be known as PRASHANT KAUSHIK.

NAME CHANGE

It is for general information that I, BABLU SINGH S/o VEER BAHADUR SINGH, R/o Plot No. C-5, Lions Enclave, Vikas Nagar Extn., Uttam Nagar, PO: D.K. Mohan Garden, Distt: West Delhi, Delhi-110059, declare that name of mine and my father have been wrongly written as BABLU and VEER BAHADUR in my 10th class Educational Documents and Driving Licence No. DL1 20240069837. The actual name of mine and my father are BABLU SINGH and VEER BAHADUR SINGH, respectively.

सार्वजनिक सूचना

यह सूचित किया जाता है कि श्रीमती पूनम देवी, खसरा संख्या 197 में से 55 वर्ग गज क्षेत्रफल का एक आवासीय भू-खंड, जो ग्राम सादरपुर, तहसील दादरी, जनपद गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश में स्थित है, को श्रीमती पिस्तो देवी एवं श्री हेमंत शर्मा से क्रय करने का इरादा रखती हैं। राजस्व अभिलेखों के अनुसार, संपूर्ण संपत्ति के मूल स्वामी श्री जगदीश प्रसाद एवं अन्य थे। दुर्भाग्यवश, श्री जगदीश प्रसाद का दिनांक 06.08.2022 को निधन हो गया, जिनके पश्चात उनके निम्नलिखित विधिक उत्तराधिकारी हैं— श्रीमती पिस्तो देवी (पत्नी) एवं श्री हेमंत शर्मा (पुत्र)। श्रीमती पिस्तो देवी एवं श्री हेमंत शर्मा संपूर्ण संपत्ति के पूर्ण एवं वैध स्वामी हैं। कृपया यह भी संज्ञान में लें कि उक्त संपत्ति का वित्तपोषण Vastu Housing Finance Corporation Ltd., नोएडा शाखा, उत्तर प्रदेश द्वारा वित्तपोषित किया जाना प्रस्तावित है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।

[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल-
kumarw®wvashwani@gmail.com

NAME CHANGE

I, LAXMI MISHRA W/O MUKUND JHA residing at T-783/2A BALJEET NAGAR, GALI NO-8, PATEL NAGAR, DELHI, 110008. have changed my name to LAXMI JHA for all future purposes.

NAME CHANGE

I, DURA SAHU mother of JC-770285F Rank-SUB Name- JOGESWAR SAHU R/o VILL- KADAPADA, PO-MANIKAMARA, TEHSIL- PARJANG, DIST- DHENKANAL, ODISHA-759146 have changed my name from DURA SAHU to DROUPADI SAHOO for all future purposes vide Affidavit dated 16/02/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, SRI KANDARP SAHU Father of JC-770285F Rank-SUB Name-JOGESWAR SAHU R/o VILL-KADAPADA, PO-MANIKAMARA, TEHSIL-PARJANG, DIST-DHENKANAL, ODISHA-759146 have changed my name SRI KANDARP SAHU to KANDARPA SAHOO for all future purposes vide Affidavit Dated 16/02/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, NEELU PANDEY wife of JC-708461L, Rank-NB SUB (BTA), Name-VIVEK PANDEY residing at VILL-JAKHAMAI, PO-TIWARIPUR, TEHSIL-KUNDA, DIST-PRATAPGARH, UTTAR PRADESH-230202, have changed my name from NEELU PANDEY to NEELU DEVI for all future purposes vide Affidavit dated 16/02/2026 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE

This is to inform/known to all that the Original Title/ Ownership documents i.e. General Power of Attorney and WILL Dated 22.02.2010 Which executed by 1. Sh. Bobby 2. Sh. Rajesh Kumar Aggarwal in favour of Smt. Sonia pertaining to "Entire First Floor, Measuring 83.61 Sq. Mtrs., a Part of Property Bearing No. 39, J-4, Gali No.7, Being Part of Khasra No. 146, Khewat No. 48/48, Khatoni No. 80, Situated in the area of Village Garhi Jharia Maria, Presently Known as Amritpuri, Garhi, East of Kailash, New Delhi". (hereinafter referred to as 'said property') Which is owned and Possessed by Seller i.e. Smt. Mukesh Who agreed to sell the same to Our Borrower i.e. Smt. Mungiya Devi and same shall be funded/Mortgaged by My Client "AADHAR HOUSING FINANCE Ltd., DELHI PUSHP VIHAR BRANCH" has been lost / Misplaced Somewhere and are not traceable. Anybody who find the above said original document(s) please inform the undersigned within 7 days from the date hereof, failing which the claim(s) shall be considered to have been waived and/or abandoned and my client shall proceed with the disbursement of loan and creation of Mortgage on the Property. Also, If any person misuses the same for any purpose whatsoever, She / he shall be liable for the appropriate legal action against him/her at his/her own risk, cost and consequences.

Dated: 17-02-2026
Place : Delhi

Advocate Ghanshyam Singh,
Ch. E-713 Karkardooma Courts,
Delhi-110032; Ph-8810212071

NAME CHANGE

I Hira Soni C/o Rita Devi , R/o WZ-1705, Mahindra park, Rani Bagh, PO:Saraswati Vihar, DIST:North West Delhi, Delhi, 110034 have changed my name to Heera Singh for all future purposes.

NAME CHANGE

I Heera Soni C/o Rita Devi, R/o WZ-1705, Mahindra park, Rani Bagh, PO:Saraswati Vihar, DIST:North West Delhi, Delhi, 110034 have changed my name to Heera Singh for all future purposes.

NAME CHANGE

I Aneeta Rani W/o Sanjay Saxena, F-2/17, 2nd floor, Sector-15, Rohini, North West Delhi, Delhi 110089 have changed my name to Anita Rani for all future purposes.

NAME CHANGE

I Mukesh Kumar Talwar S/o M L Talwar, R/o House No. 180, 1st floor, Raja Garden, VTC Ramesh Nagar, H.O District West Delhi - 110015 have changed my name to Mukesh Talwar for all future purposes.

NAME CHANGE

I Sushila D/o Parvinder Rana R/o House No. 414, Khera Kalan, Delhi - 110082 have changed my name to Ishika Rana for all future purposes.

NAME CHANGE

I Neeru Sukhija W/o Sandeep Malhotra R/o G-7/279-280, Sector 16, Rohini, P.O Rohini, Sector 7, North West Delhi - 110085 have changed my name to Neeru Malhotra for all future purposes

NAME CHANGE

I, Sikandar S/o Nooruddin R/o 77, Main Road, Okhla Village, Jamia Nagar, Delhi-110025 have changed my name to Sikander.

NAME CHANGE

I VISHNU SANKAR MADHUSOODHANAN NAIR SHOBANA KUMARI S/O MADHU SOODHANAN NAIR S R/O SANKARAVILASAM, CHITHARA , KOLLAM, KERALA 691001, I have changed my name to M.S VISHNU SANKAR Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I, ANURAG S/O MANOJ KUMAR SRIVASTAV R/O HOUSE NO 723, FOURTH FLOOR, SECTOR-38, NEAR SUBASH CHOWK, GURGAON HARYANA -122001 HAVE CHANGED MY NAME ANURAG SRIVASTAV FOR FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE

I hitherto known as SUMAN alias SUNITA W/O SHYAM PAL R/O Gajraj Colony, Salarpur, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201304, have changed my name and shall hereafter be known as SUNITA.

NAME CHANGE

I, JC-492414X Rank-SUB Name-SURESH KUMAR Father of ANJALI Presently residing at VPO-MAROLI, TEH-HODAL, DIST-PALWAL, HARYANA-121106, have changed my daughter's name from ANJALI to ANJALI SOROUT for all future purposes vide Affidavit dated 16/02/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, FAIJUL MONDAL S/O RAFIK MONDAL R/O H NO-246, GALI NO-22, B-BLOCK, SANT NAGAR, BURARI, DELHI-110084. have changed my name to SK FAIJUL MONDAL for all future purpose.

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

कैथल में किसानों ने अमेरिका के साथ हुए समझौते की प्रतियां जलाई

एजेंसी

कैथल। कैथल में भारतीय किसान यूनियन एकता सिद्धूपुर की कार्यकारिणी की बैठक दीनबंधु सर छोटूराम सामुदायिक केंद्र, तितरम मोड़ पर आयोजित की गई। बैठक में बड़ी संख्या में किसान शामिल हुए। इस दौरान किसानों ने केंद्र सरकार द्वारा अमेरिका के साथ फसल खरीद को लेकर किए गए समझौते का विरोध जताया। विरोध स्वरूप किसानों ने सरकार के आदेशों की प्रतियां भी जलाई। जिला अध्यक्ष शमशेर सिंह तितरम और होशियार सिंह प्योदा ने कहा कि सरकार विदेशों से कृषि उत्पाद खरीदने की तैयारी कर रही है, जिससे देश के किसानों को नुकसान होगा। उनका कहना था कि अमेरिका जैसे देशों में किसानों के पास बड़ी जोतें हैं और उन्हें फसल बिक्री पर 60 लाख से लेकर एक करोड़ रुपये तक की सब्सिडी मिलती है, जबकि भारत में किसानों को औसतन करीब 13 हजार रुपये की सब्सिडी दी जाती है। उन्होंने आशंका जताई कि यदि विदेशों से फसल खरीदी गई तो मक्का और गेहूं जैसी फसलों के उचित दाम किसानों को नहीं मिल पाएंगे। साथ ही बाहर से आने वाले उत्पादों की गुणवत्ता पर भी सवाल उठाए गए। किसानों ने इस समझौते को वापस लेने की मांग की। बैठक के अंत में किसानों ने घोषणा की कि 19 मार्च को दिल्ली में इस मुद्दे के विरोध में प्रदर्शन किया जाएगा और अधिक से अधिक किसानों से इसमें शामिल होने की अपील की।

सुरक्षा और सतर्कता को लेकर पुलिस ने किया सरपंचों के साथ मंथन

जींद। थाना सदर दनौदा पुलिस चौकी में नरवाना इलाके में कानून व्यवस्था को मजबूत बनाने तथा अपराधों की रोकथाम को लेकर मंथन हुआ। सदर थाना प्रभारी रामकुमार ने सरपंचों के साथ बैठक की। बैठक में उप निरीक्षक राजेश कुमार, गांव दनौदा की सरपंच किताबो देवी, गांव दनौदा खुर्द के सरपंच जितेंद्र सिंह, गांव जाजनवाला के सरपंच जनक गांव कलोदा खुर्द के सरपंच कुलदीप सिंह, गांव सैंथली के सरपंच जयप्रकाश, गांव भिखेवाला के सरपंच मोनू, गांव सच्चाखेड़ा के सरपंच सुखदेव सिंह मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि कानून व्यवस्था बनाए रखने तथा अपराधों की रोकथाम के लिए सामुदायिक सहयोग का मजबूत होना बहुत जरूरी है। चोरी की घटनाएं हो रही हैं व अन्य अपराध हो रहे हैं। ऐसी घटनाओं पर रोक लगाने के लिए गांवों में अधिक से अधिक सीसी टीवी कैमरे लगवाए जाने चाहिए। गांव स्तर पर रात्रि सुरक्षा के लिए ठिकरी पहरा लगाने के लिए कहा गया। उन्होंने रात्रि गश्त नियमित रूप से लगाने के लिए प्रेरित किया ताकि संदिग्ध गतिविधियों पर निगरानी रखी जा सके। उन्होंने कहा कि पुलिस और ग्रामीण समाज के संयुक्त प्रयासों से ही अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण संभव है। उन्होंने सरपंचों से अपील की वे गांवों में जागरूकता बैठकें करें। युवाओं को नशे से दूर रखने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को देने के लिए प्रेरित करें।

हार के बाद कोल्ड ड्रिंक पिलाने के विवाद में की गई थी नवराज की हत्या

कैथल। कैथल जिले के गांव रामथली में 17 वर्षीय किशोर नवराज की हत्या के मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए चार नाबालिग आरोपियों को हिरासत में लिया है, जबकि डेरा खरकां निवासी 20 वर्षीय नवजोत को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस अन्य आरोपियों की तलाश में जुटी है। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि विवाद की शुरुआत वॉलीबॉल खेलते समय कोल्ड ड्रिंक को लेकर हुई थी। आरोपियों के अनुसार, नवजोत ने शर्त रखी थी कि जो टीम हारेगी, वह सभी को कोल्ड ड्रिंक पिलाएगी, अन्यथा मैच नहीं खेलने दिया जाएगा। इस बात पर नवराज के दोस्त विनीत ने आपत्ति जताई, जिससे दोनों पक्षों में कहासुनी हो गई और बाद में सभी अपने-अपने घर लौट गए। बताया गया कि बाद में समझौते के बहाने विनीत को माइनर (नहर किनारे) पर बुलाया गया। विनीत अपने साथ नवराज को भी ले गया। वहां पहले से मौजूद आरोपियों ने पुरानी रंजिश को लेकर हमला कर दिया, जिसमें नवराज की कृपाण से वार कर हत्या कर दी गई। मृतक के पिता मंगल सिंह ने बताया कि उनका परिवार खेतों के पास डेरों में रहता है। घटना के समय वह अपने परिवार के साथ पटियाला दवाई लेने गए हुए थे। नवराज ने घर से निकलते समय मां को बताया था कि वह डेरे से गांव किसी जरूरी काम से जा रहा है और जल्द लौट आएगा, लेकिन कुछ समय बाद उसकी मौत की सूचना परिवार को मिली।

भागदौड़ भरी जीवन शैली में स्वास्थ्य का ध्यान रखना आवश्यक : प्रो बीआर कम्बोज

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के फ्लेचर भवन परिसर में-साइकिल पर -कार्यक्रम आयोजित किया गया। छात्र कल्याण निदेशालय की ओर से फिटनेस की डोज, आधा घंटा रोज के तहत आयोजित कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने साईकिल रैली को झंडी दिखाकर रवाना किया और स्वयं साईकिल चलाकर विद्यार्थियों, शिक्षकों और कर्मचारियों को प्रतिदिन साइकिल चलाने के लिए प्रेरित भी किया। कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज ने कहा कि फिटनेस की डोज, आधा घंटा रोज को जीवन शैली का हिस्सा बनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज की भागदौड़ भरी जीवन शैली में स्वास्थ्य का ध्यान रखना अत्यंत आवश्यक है। नियमित रूप से साइकिल चलाना एक सरल, सस्ता और प्रभावी व्यायाम है, जो शरीर और मन को स्वस्थ रखने में सहायक है। नियमित साइकलिंग न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाती है, बल्कि मानसिक संतुलन और ऊर्जा स्तर को भी बढ़ाती है। उन्होंने साइकिल चलाने के फायदे बताते हुए कहा कि इससे हाई ब्लड प्रेशर और हृदय रोग का खतरा कम होता है।

आईपीएस आत्महत्या केस को सीएम सैनी ने संयम से संभाला: अठावले

एजेंसी

झज्जर। केंद्रीय सामाजिक न्याय व सशक्तिकरण राज्यमंत्री रामदास अठावले ने हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी को उस मामले में क्लीन चिट दी है जिसमें विपक्ष ने प्रचार किया था कि पूर्व आईपीएस वाई पूर्ण कुमार आत्महत्या मामले में मुख्यमंत्री से मिलने गए प्रतिनिधिमंडल के सामने मुख्यमंत्री ने कहा था कि उनकी पावर एक चपरासी को बदलने तक कि नहीं है।

अठावले ने कहा कि ऐसा कुछ नहीं हुआ, बल्कि सीएम ने इस मामले में समय रहते और बगैर किसी देरी के काम किया। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने संयम के साथ स्थिति को संभाला है। रामदास अठावले जिले के गांव माजरी में एक सामाजिक कार्यक्रम में शामिल होने आए थे। अपनी ही पार्टी के किसान मोर्चा के अध्यक्ष बनाए गए प्रदीप बाल्याण के बुलावे पर गांव माजरी पहुंचे अठावले ने सरकार द्वारा किसान,

दलित, बेरोजगार और विकास की नई-नई योजनाएं बनाए जाने की बात भी कही। कांग्रेस सहित विपक्ष द्वारा स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ लाए जा रहे अविश्वास प्रस्ताव को लेकर पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए रामदास अठावले ने कहा कि सच्चाई तो यह है कि विदेशी तर्ज पर सदन में भी राहुल गांधी देश और आर्मी को बदनाम करने की दिशा में काम करना चाहते थे। लोकसभा अध्यक्ष ने ऐसा होने नहीं दिया। अब वह दुष्प्रचार कर रहे है कि उन्हें सदन में बोलने ही नहीं दिया गया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी की ड्रामेबाजी से कांग्रेस को कोई फायदा होने वाला नहीं है। देश-विदेश में प्रधानमंत्री और देश के खिलाफ बार.बार बोल कर राहुल गांधी अपनी ही छवि खराब कर रहे हैं। उन्होंने यह तो माना कि पूर्व में हुए लोस चुनाव के दौरान संविधान बदलने के प्रचार से विपक्ष को फायदा हुआ और राजग को नुकसान। मनरेगा का नाम बदलने और विपक्ष द्वारा इसे मुद्दा बनाने के सवाल का जवाब देते हुए मंत्री ने कहा कि नाम जरूर बदला है, लेकिन काम अधिक अच्छा है। अब न सिर्फ मजदूरी ज्यादा दिनों की मिल रही है, बल्कि पैसे भी मजदूरी के ज्यादा मिल रहे हैं। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पंवार की विमान हादसे में मौत होने को लेकर विपक्ष द्वारा उठाए जा रहे सवाल को लेकर अपनी बात रखते हुए रामदास अठावले ने कहा कि यह केवल और केवल दुष्प्रचार है, सच्चाई इससे कोसों दूर है। यह एक हादसा है और फिर भी मामले की जांच चल रही है। सच्चाई लोगों के सामने आ जाएगी।

कैथल की सड़कों की समस्याओं का होगा त्वरित समाधान : अपराजिता

एजेंसी

कैथल। प्रदेश में सड़कों की स्थिति को बेहतर बनाने और आमजन की शिकायतों के समाधान के लिए हरियाणा सरकार ने तकनीक को अपनाया है। डीसी अपराजिता ने सरकार की महत्वाकांक्षी योजना 'म्हारी सड़क' एप की जानकारी साझा करते हुए बताया कि प्रदेश का कोई भी नागरिक खराब सड़कों की शिकायत सीधे सरकार तक पहुँचा सकता है।उन्होंने बताया कि इस एप को विशेष रूप से पारदर्शिता और जवाबदेही तय करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यदि किसी क्षेत्र की सड़क टूटी हुई है या उसमें गड्ढे हैं, तो नागरिक सड़क की लाइव फोटो एप पर अपलोड कर सकते हैं। फोटो के साथ अधिकतम 50 शब्दों में समस्या का संक्षिप्त विवरण दे सकते हैं। एप की खास बात यह है कि इसमें प्रदेश की सभी सड़कों को संबंधित विभागों (जैसे पीडब्ल्यूडी, एचएसवीपी, मार्केटिंग बोर्ड आदि) के साथ मैप किया गया है, जिससे शिकायत सीधे संबंधित अधिकारी तक पहुँचती है। डीसी अपराजिता ने कहा कि इस व्यवस्था को केवल शिकायत दर्ज करने तक सीमित नहीं रखा गया है, बल्कि इसके समाधान पर भी कड़ा पहरा है। शिकायत का निपटारा होने के बाद विभाग द्वारा एप पर ही समाधान की रिपोर्ट और फीडबैक अपलोड किया जाएगा। मुख्यमंत्री कार्यालय की एक विशेष समीक्षा टीम सीधे शिकायतकर्ता से संपर्क करेगी और पूछेगी कि क्या वे समाधान से संतुष्ट हैं।

डीसी अपराजिता ने कहा कि यदि कार्य गुणवत्तापूर्ण नहीं पाया गया, तो संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी। सरकार का लक्ष्य है कि प्रदेश की हर सड़क चलने योग्य और सुरक्षित हो। 'म्हारी सड़क' एप आमजन को सशक्त बनाता है कि वे अपनी समस्याओं को सीधे प्रशासन के संज्ञान में लाएं। यह एप गूगल प्ले स्टोर पर उपलब्ध है। यहां से इसे डाउनलोड किया जा सकता है। एप को जीपीएस से जोड़ा गया है।

जींद के गांव शादीपुर में शॉर्ट सर्किट से मकान में आग, लाखों का नुकसान

एजेंसी

जींद। जुलाना क्षेत्र के शादीपुर गांव में बिजली की वायरिंग में शॉट सर्किट से आग लग गई। आग लगने की सूचना फायर बिग्रेड को दी गई। सूचना पाकर फायर बिग्रेड की गाड़ी मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से कड़ी मशक्त के बाद आग पर काबू पाया। जब तक आग पर काबू पाया गया तब तक घर में रखे लाखों रुपये के बिजली के उपकरण जलकर राख हो चुके थे।

शादीपुर गांव निवासी रेनू ने बताया कि वह और उसकी बेटी आंगन में बैठी हुई थी। अचानक जोरदार आवाज आई और घर धुएं से भर गया। आसपास के लोगों ने फायर बिग्रेड को सूचना दी। सूचना पाकर फायर बिग्रेड के कर्मचारी मौके पर पहुंचे और कड़ी मशक्त के बाद आग पर काबू पाया। लगातार आग बुझाने का प्रयास किया जाता रहा।स्थानीय लोगों तथा फायर बिग्रेड कर्मियों द्वारा जब तक आग पर काबू पाया जाता

तब तक घर में रखे फ्रिज, एसी, एलईडी, पंखे और पूरे मकान की वायरिंग जलकर राख हो चुकी थी। आग लगने से उन्हें लाखों रुपये का नुकसान हुआ है। पीड़ित रेनू परिवार ने मुआवजे की मांग की है। रेनू ने कहा कि अब उनके पास रहने लायक भी सामान नही रहा है। बड़ी मेहनत से सामान एकत्रित किया था जो अब आग की भेंट चढ़ गया है।

सोहना-तावडू महारैली में सीएम ने करोड़ों की परियोजनाओं का किया उद्घाटन-शिलान्यास

एजेंसी

नूंह। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने विकसित सोहना-तावडू विकास रैली में कई अहम घोषणाएं भी की है। उन्होंने घोषणा करते हुए कहा कि सोहना में हरियाणा राज्य परिवहन का सब डिपो बनाया जाएगा। इसके अलावा तावडू शहर और सोहना में बाईपास भी बनाया जाएगा। सोहना तावडू से सोहना तावडू से सोहना पलवल की डीपीआर सड़क परिवहन राजमार्ग मंत्रालय को भिजवा रखी है, इस पर जल्द काम शुरू होगा। उन्होंने सोहना विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यो के लिए 5 करोड रुपये दिए जाने की भी घोषणा की।उन्होंने कहा कि गुरुग्राम सोहना एलिवेटेड एक्सप्रेस वे को दमदमा मोड से बढ़ाकर निरंकारी कॉलेज तक करने की विस्तृत रिपोर्ट भी संबंधित विभाग को भेजने और स्वीकृति आने पर इसे बनवाने की

घोषणा की। साथ ही मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने सोहना में जमीन उपलब्ध होने पर पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस बनाने, सोहना के बाघनकी गांव में प्राइमरी हेल्थ सेंटर बनाने तथा घामड़ौज तथा खोरी कलां गांव में सब हेल्थ सेंटर बनाने की घोषणा भी की। उन्होंने तावडू के हसनपुर में सामुदायिक केंद्र, सोहना के सहजावास, रिठौज में 65–65 लागत से सामुदायिक केंद्र बनाने की भी घोषणा की भी।मुख्यमंत्री ने तावडू के कौटा खेंडला के खेल स्टेडियम में इनडोर कुश्ती मैदान बनवाने का भी ऐलान किया। इसके अलावा भूमि उपलब्ध करवाने पर तावडू में नया बस स्टैंड बनाने, जमीन उपलब्ध करवाने पर सोहना में नई अनाज मंडी बनवाने का भी ऐलान किया। मुख्यमंत्री ने सोहना विधानसभा क्षेत्र की 41.94 किलोमीटर की 31 सड़के और पीडब्ल्यूडी की 407 किलोमीटर की डीएलपी अवधि की सड़कें आवश्यकतानुसार एजेंसी से दुरुस्त करवाने की बात कहीं। साथ ही उन्होंने घोषणा की है कि 35 करोड़ 30 लाख की लागत से 32.82 किलोमीटर की 7 नई सड़कों के निर्माण कार्य को करवाया जाएगा। उन्होंने 100 किलोमीटर की सड़कों की 45.98 करोड़ से स्पेशल रिपेयरिंग कराये जाने को भी मंजूरी दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि नाबार्ड पीएमजीएसवाई के तहत 15.90 किलोमीटर की 3 सड़कों की 12 करोड़ 10 लाख से विशेष मरम्मत होगी। मुख्यमंत्री ने खेत खलियान योजना के तहत सोहना के खेतों के 25 किलोमीटर तक के रास्तों को पक्का किया जाने का भी ऐलान किया।

मेवात की धरती ने सदैव साहस, बलिदान और स्वाभिमान की परंपरा को आगे बढ़ाया : नायब सिंह सैनी

47.36 करोड़ रुपये की 16 विकास परियोजनाओं का किया लोकार्पण व शिलान्यास

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि अरावली की गोद में बसा तावडू क्षेत्र अपने मेहनती, स्वाभिमानी और संघर्षशील लोगों के लिए पूरे प्रदेश में जाना जाता है। मेवात की धरती ने सदैव साहस, बलिदान और स्वाभिमान की परंपरा को आगे बढ़ाया है। सन् 1857 की आजादी की प्रथम लड़ाई से लेकर आजादी मिलने तक के संघर्ष में यहां के लोगों ने जो भूमिका निभाई, वह इतिहास के पन्नों पर स्वर्ण अक्षरों में अंकित है।मुख्यमंत्री सोहना विधानसभा के तावडू की अनाज मंडी में विकसित सोहना-तावडू विकास रैली को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने इस

दौरान उपस्थित जनसमूह को महाशिवरात्रि के पावन पर्व की बधाई भी दी और कहा कि यह पावन पर्व है हमें लॉर्ड शिवा के दर्शन करने, उनके जीवन दर्शन से जुड़ने का एक अवसर प्रदान करता है। महाशिवरात्रि हमें यह सिखाती है कि जब जीवन में अंधकार बढ़े तब आत्म चिंतन का दीप जलाओ। उन्होंने कहा कि यह शिवरात्रि सभी के जीवन में स्वास्थ्य, शांति, साहस और सफलता प्रदान करे, साथ ही आपके हर प्रयास में ऊर्जा हो और निर्णय में विवेक हो, हर दिन में आशा का उजाला हो। मुख्यमंत्री ने इससे पहले 47 करोड़ 36 लाख रुपये लागत की 16 विकास परियोजनाओं के उद्घाटन एवं शिलान्यास भी किए। इनमें 21 करोड़ 77 लाख 25 हजार रुपये लागत के 11 उद्घाटन और 25 करोड़ 58 लाख 58 हजार रुपये की लागत के 5 शिलान्यास शामिल हैं। उन्होंने कहा कि सोहना हलके के विकास को गति देने के लिए 11 वर्षों के कार्यकाल में 62 सीएम अनाउंसमेंट हुई। इनमें से 49 का काम पूरा हो चुका और 13 का काम प्रगति पर है। उन्होंने सोहना विधानसभा क्षेत्र में करवाये गए विकास कार्यों का जिक्र करते हुए कहा कि बीजेपी सरकार ने इस हलके में विकास कार्यों पर पिछले 11 वर्षों में 1 हजार 515 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। जबकि, कांग्रेस के 10 साल के शासनकाल में मात्र 222 करोड़ रुपये खर्च किये गये थे। उन्होंने बताया कि वर्ष 2014 से 2024 तक सोहना क्षेत्र में लोक निर्माण विभाग द्वारा विकास कार्यों पर 285 करोड़ रुपये की राशि खर्च की गई है।

इसी प्रकार वर्ष 2024 से अब तक इस विभाग द्वारा 5 करोड़ 70 लाख रुपये विकास कार्यों पर खर्च किए गए हैं। इसके अलावा, 407 करोड़ रुपये के काम पाइपलाइन में हैं। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने संकल्प पत्र- 2024 का जिक्र करते हुए कहा कि हम जो कहते हैं, उसे करते भी हैं।

पंचकूला में एचपीएससी कार्यालय का घेराव करेगी यूथ कांग्रेस

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा युवा कांग्रेस ने 17 फरवरी को हरियाणा लोक सेवा आयोग (एचपीएससी) ऑफिस के प्रदर्शन का ऐलान किया है। इस प्रदर्शन नेतृत्व रोहतक के सांसद दीपेंद्र हुड्डा और भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब करेंगे व अंबाला के सांसद वरुण मुलाना समेत प्रदेश के कई विधायक और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मुख्य रूप में शामिल होंगे। हरियाणा युवा कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष निशित कटारिया ने पंचकूला में पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि भाजपा सरकार की युवा विरोधी रोजगार नीतियों ने हरियाणा के युवाओं का भविष्य बर्बाद कर दिया है। उन्होंने कहा कि ग्रुप ए और ग्रुप बी नौकरियों में बाहरियों का सेलेक्शन किया जा रहा है। 35 प्रतिशत मिनिमम मार्क्स क्राइटेरिया लगाकर बड़ी संख्या में सीटें खाली छोड़ी जा रही हैं और रिजर्वेशन व्यवस्था पर प्रहार किया जा रहा है। कटारिया ने कहा कि एचपीएससी और एचएसएससी की भर्ती प्रक्रियाएं सालों तक कोर्ट में फंसी रहती हैं, जिससे युवाओं को नौकरी नहीं मिल पाती। चुनाव से पहले बीजेपी ने सीईटी क्वालिफाइड उम्मीदवारों को हर महीने 9000 रुपये देने का वादा किया था, लेकिन आज तक युवाओं को एक पैसा नहीं मिला। युवा कांग्रेस प्रदेश के युवाओं के भविष्य के साथ इस तरह से खिलवाड़ नहीं होने देगी और भाजपा सरकार व हरियाणा लोक सेवा आयोग की नीतियों के खिलाफ हल्ला बोल प्रदर्शन करेगी। यह प्रदर्शन 17 फरवरी को एचपीएससी कार्यालय के सामने किया जाएगा। कटारिया ने कहा कि युवा कांग्रेस की मुख्य मांगों में 35 प्रतिशत मिनिमम मार्क्स क्राइटेरिया खत्म करना, एचपीएससी परीक्षा में हरियाणा जीके की वेटेज कम से कम 20 प्रतिशत करना, हर साल भर्ती कैलेंडर जारी करना, सीईटी क्वालिफाइड युवाओं को 9000 रुपये देना, भर्ती विवादों के लिए स्पेशलाइज्ड लीगल सेल बनाना और खाली पदों को री-एडवर्टाइज कर भरना शामिल है।

घर में पंचामृत का होना वंश, सम्मान, धन व प्रेम बढ़ाता है: कौशिक जी महाराज

एजेंसी

गुरुग्राम। गौतीर्थ तुलसी तपोवन गौशाला वृंदावन के संचालक एवं विश्व प्रसिद्ध कथावाचक पुराण मनीषी परम पूज्य श्री कौशिक जी महाराज ने कहा कि पंचामृत (दूध, दही, घी, शहद और चीनीद्ध हर घर में होना चाहिए। जिस घर में दूध मिलता है वहां वंश वृद्धि होती है। दही से सम्मान बढ़ता है। घी से धन बढ़ता है, शहद से निरोगता रहती है और चीनी से दुश्मन को अपना बनाया जा सकता है। इसलिए पंचामृत हर घर में होना चाहिए।

महाराज जी गुरुग्राम में सोहना अड्डा के निकट ओल्ड जेल कॉम्पलेक्स में श्री शिवमहापुराण कथा एवं गोमहोत्सव के चौथे दिन महाशिवरात्रि पर हजारों श्रद्धालुओं के समक्ष प्रवचन दे रहे थे। परिवार की एकता पर कौशिक जी महाराज ने कहा कि वे माता-पिता धन्य हैं, जो अपने जीते जी अपने बच्चों को अलग-अलग ना हों। अलग-अलग की परिभाषा समझाते हुए उन्होंने कहा कि चूल्हा अलग हो जाना, दूसरा घर ले लेना अलग नहीं कहलाता। अलग होना वह है जहां बहुएं एक-दूसरे से बात ना करती हों। भाइयों में बात ना होती हो। त्योहारों पर एक-दूसरे का मुंह तक ना देखा जाए। इसलिए अपने बेटे, बहुओं को कथाओं में लेकर आया करें, ताकि उनका हृदय परिवर्तन हो। उन्होंने कहा कि शिक्षा में

भी परिवार की बातें होनी चाहिए, ताकि परिवारों को जोडक़र रखा जा सके। कौशिक जी महाराज ने महादेव की महिमा का गुणगान करते हुए कहा कि तीनों गुणों को जिसने जीत लिया है, ऐसे अखंड शिव का हम ध्यान करते हैं। दुनिया की कोई ऐसी समस्या नहीं है, जो महादेव के आगे टिक सके। उनकी कृपा पूरे जन्मपत्र को बदल सकती है। श्री कौशिक जी महाराज ने कहा कि शंकर जिस पर प्रसन्न है उसका कुछ नहीं बिगड़ सकता। महादेव के दर्शन मात्र से संपूर्ण देवताओं के दर्शन का फल मिलता है। उन्होंने पूजा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जिस दिन शिवजी का कोई पर्व हो तो बेल पत्र तोड़ सकते हैं, मगर बेल फल नहीं तोड़ सकते। उन्होंने कहा कि शुक्ल पक्ष की एकादशी पर यदि कोई भोजन त्याग देता है तो भगवान महादेव प्रसन्न हो जाते हैं। जो एकादशी करते हैं उनको अन्न लेना ही नहीं है। जो एकादशी नहीं करते हैं, वे रात को भोजन लें लें एकादशी का फल मिलेगा।

हरियाणा के शहरों में दो लाख से अधिक आवारा कुत्ते

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के शहरों में आवारा कुत्तों (स्ट्रे डॉग्स) की बढ़ती संख्या अब शहरी निकाय विभाग के लिए बड़ी चुनौती बन गई है। शहरी स्थानीय निकायों की समीक्षा बैठक में रखे गए आंकड़ों के अनुसार पहली जनवरी, 2026 तक प्रदेश के 38 नगर निकायों में लाखों की संख्या में आवारा कुत्ते मौजूद हैं। कई शहरों में नसबंदी (एनिमल बर्थ कंट्रोल) कार्यक्रम चल रहे हैं, लेकिन जमीनी दबाव कम नहीं हुआ है। आंकड़ों के मुताबिक आवारा कुत्तों की संख्या बड़े नगर निगम क्षेत्रों में सबसे अधिक है। गुरुग्राम व फरीदाबाद नगर निगम में आवारा कुत्तों की संख्या 50-50 हजार से अधिक है। इसी तरह यमुनानगर में 28,000, सोनीपत में 18,000, पानीपत में 16,000 तथा करनाल में 12 हजार से अधिक आवारा कुत्ते हैं। पंचकूला में 12,000, रोहतक में 8,000, हिसार में 10,000 तथा मानेसर नगर निगम में यह संख्या 8,000 से अधिक है। इनके अलावा छोटे नगरों - हांसी (2000), गन्नौर (1100), गोहाना (1,729), समालखा (2,500), कालका (2,600), पाटौदी जटोली मंडी (750), फर्रुखनगर (800), निसिंग (205), तरावड़ी (510), नीलोखेड़ी (324), असंध (221) आदि में भी सैकड़ों से हजारों की संख्या दर्ज की गई है। रिपोर्ट बताती है कि कई शहरों में डॉग शेल्टर या पाउंड कार्यरत हैं, लेकिन उनकी क्षमता सीमित है। गुरुग्राम में 2 शेल्टर (क्षमता 100) और 4 एनिमल बर्थ कंट्रोल (एबीसी) केंद्र (क्षमता 500) हैं। फरीदाबाद में शेल्टर निर्माणाधीन है और 600 की क्षमता वाला एक एबीसी केंद्र है। करनाल में 2 एबीसी केंद्र हैं, जिनकी क्षमता महज 150 है। पानीपत में 3 शेल्टर हैं, जिनकी क्षमता 1200 है और 200 की क्षमता वाले 2 एबीसी केंद्र हैं। यमुनानगर में 300 कुत्तों की क्षमता वाले 3 शेल्टर हैं। कई नगरों - रोहतक, कलानौर, महम में टेंडर प्रक्रिया बाधित या रद्द हो गई। रोहतक में पूर्व टेंडर खराब प्रदर्शन के कारण रद्द किया गया और नया टेंडर प्रस्तावित है।

गाय, गंगा व गीता में विश्वास रखने वाली सरकार किसानों के हितों के लिए कर रही कार्य: कृष्ण कुमार बेदी

एजेंसी

जींद। हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार गाय, गंगा तथा गीता में विश्वास रखने वालों की सरकार है और प्रदेश सरकार गौ सेवा व किसानों के हितों के लिए निरंतर कार्य कर रही है।कैबिनेट मंत्री अलेवा गांव स्थित जय बाबा धुने वाले विकलांग गौशाला के वार्षिक उत्सव में बतौर मुख्यअतिथि पहुंचे थे। कार्यक्रम में उन्होंने गौशाला व अलेवा गांव की वाल्मीकि चौपाल के लिए 11-11 लाख रूपये की धन राशि देने की घोषणा की। इस मौके पर उनके साथ उचाना के विधायक देवेंद्र अत्री तथा हरियाणा गौ सेवा आयोग के चेयरमैन श्रवण गर्ग विशेष रूप से मौजूद रहे। कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी ने कहा कि पहले की सरकारों में गौशालाओं के लिए मात्र दो करोड़ रुपये का बजट होता था।

इसके बाद भारतीय जनता पार्टी के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहरलाल की सरकार ने लगभग 400 करोड़ रूपये का बजट बढाने का कार्य किया तथा वर्तमान मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की सरकार ने इसे बढ़ा कर 575 करोड़ रुपये कर दिया है। उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं के तहत गौशालाओं में गायों की नस्ल सुधार

के लिए विशेष योजना के तहत कार्य किया जा रहा है। जिससे दुग्ध उत्पादन में वृद्धि और पशुपालकों की आय में बढ़ोतरी सुनिश्चित हो सके। उन्होंने लोगों से भी आह्वान किया वे भी अपने घरों में गाय को पालने का कार्य करें। इससे गौ सेवा के साथ-साथ दुग्ध उत्पादन में भी वृद्धि होगी और आय का साधन भी बनेगा। कार्यक्रम में पंहुचे उचाना के विधायक देवेंद्र चतुर्भुज अत्री ने गौशाला की सभी मांगों पर विश्वास दिलाते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति में गाय को माता का दर्जा दिया गया है। सरकार द्वारा हर वर्ग के लिए अनेक कल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही हैं। 18 फरवरी को उचाना की धरती पर मुख्यमंत्री नायब सिंह पंहुचेंगे। उन्होंने क्षेत्रवासियों से अपील करते हुए कहा कि ज्यादा से ज्याद संख्या में इस रैली में पंहुचकर अपनी भागीदारी सुनिश्चि करवाएं। इस अवसर पर हरियाणा गौ सेवा आयोग के चेयरमैन श्रवण गर्ग ने कहा कि हरियाणा प्रदेश में गौसेवा को सशक्त बनाने की दिशा में प्रदेश सरकार निरंतर प्रभावी कदम उठा रही है। प्रदेश की गौशालाओं में सोलर प्लांट स्थापित करने की योजना चलाई गई है।

हिन्दुओं की तरक्की के लिए हिन्दुओं से जागरूक रहने का आह्वान किया

एजेंसी

झज्जर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ रोहतक विभाग के सह कार्यवाह विक्रम ने कहा कि खुद को और अपने देश भारत को मजबूत बनाने के लिए देश के हिन्दुओं को निरंतर जागरूक रहना और टूटते परिवारों को एक बनाए रखने के लिए बच्चों को संस्कार देना बेहद जरूरी है। उन्होंने यह बात बहादुरगढ़ के माधव पार्क में हिन्दू सम्मेलन को संबोधित करते हुए कही। संघ द्वारा आयोजित हिन्दू सम्मेलन में लगभग 800 लोगों ने शिरकत की। कार्यक्रम का आरंभ आर्य समाज द्वारा आयोजित भव्य हवन से हुआ। उपेन्द्र शास्त्री व मनोज शास्त्री ने भी सम्मेलन को संबोधित किया। विभाग सह कार्यवाह विक्रम ने कहा कि हिन्दू जागेगा तो देश बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि जाति, भाषा और क्षेत्र के आधार पर विभाजन करने का प्रयास विदेशी शक्तियों का षड्यंत्र है। हमें सभी भारतीयों के साथ आत्मीय व्यवहार कर सामाजिक सद्भाव को सुदृढ़ करना होगा। पर्यावरण संरक्षण को भारतीय संस्कृति की मूल चेतना बताते हुए उन्होंने वृक्षारोपण, जल संरक्षण, प्रदूषण नियंत्रण और प्लास्टिक के न्यूनतम उपयोग का आह्वान किया। स्व का बोध के अंतर्गत उन्होंने अपने राष्ट्र, भाषा, प्रांत और सांस्कृतिक पहचान पर गर्व करने की आवश्यकता बताई। नागरिक कर्तव्य पर उन्होंने कहा कि कोई भी राष्ट्र केवल कानून से नहीं, बल्कि जागरूक और कर्तव्यनिष्ठ नागरिकों से चलता है। संविधान एवं कानून का पालन और स्वच्छता को जीवन का अंग बनाना प्रत्येक नागरिक का दायित्व है।इसी क्रम में लाइन पार के छोटूराम नगर स्थित शिव मंदिर के पास गड्ढे वाले मैदान में भी इसी प्रकार का कार्यक्रम हुआ। इसमें भी मुख्य वक्ता संघ के सह विभाग कार्यवाह विक्रम रहे और अध्यक्षता मंदिर के पुजारी दीपक ने की। इस कार्यक्रम में करीब 250 लोगों की सहभागिता रही।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले से एयरसेल-आरकॉम की वसूली अब खतरे में

- कोर्ट ने स्पष्ट किया, टेलीकॉम कंपनियों को आवंटित स्पेक्ट्रम को कॉरपोरेट परिसंपत्ति नहीं माना जा सकता

नई दिल्ली ।

सुप्रीम कोर्ट के हालिया फैसले ने दूरसंचार क्षेत्र और बैंकिंग उद्योग में नई चिंता पैदा कर दी है। न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि टेलीकॉम कंपनियों को आवंटित स्पेक्ट्रम को कॉरपोरेट परिसंपत्ति नहीं माना जा सकता, जिसे इनसाल्वेंसी एंड बैंक्रप्टसी कोड (आईबीसी) के तहत पुनर्गठित या बेचा जा सके। इस निर्णय का सीधा असर उन मामलों पर पड़ेगा, जहां दिवालिया प्रक्रिया के तहत बैंकों को अपनी बकाया राशि की वसूली की उम्मीद थी। बैंकों के अनुसार यह फैसला विशेष रूप से एयरसेल और रिलायंस कम्यूनिकेशन (आरकॉम) से जुड़ी दिवालियापन कार्यवाही को प्रभावित करेगा। एयरसेल पर 13,500 करोड़ रुपये से अधिक और आरकॉम पर 50,000 करोड़ रुपये से ज्यादा का बकाया है। एक वरिष्ठ बैंकर ने कहा कि स्पेक्ट्रम को सबसे मूल्यवान सुरक्षा माना जाता था, लेकिन अब उसके कॉरपोरेट संपत्ति न माने जाने से वसूली की संभावनाएं काफी घट गई हैं।

विशेषज्ञों का मानना है कि इस फैसले के बाद बैंकों को दूरसंचार कंपनियों को ऋण देते समय उपलब्ध सुरक्षा के स्वरूप का पुनर्मूल्यांकन करना होगा। यदि पर्याप्त वैकल्पिक सुरक्षा उपलब्ध नहीं होती, तो ऐसे ऋण को असुरक्षित जोखिम के रूप में देखा जा सकता है, जिससे भविष्य में इस क्षेत्र को कर्ज मिलना कठिन या महंगा हो सकता है। करीब 35,000 करोड़ रुपये जुटाने की कोशिश कर रही वोडाफोन आइडिया के लिए भी यह फैसला चुनौतियां बढ़ा सकता है। बैंक अभी प्रस्ताव पर विचार कर रहे हैं, लेकिन नए कानूनी परिदृश्य में ऋण शर्तें सख्त हो सकती हैं।

जनवरी में थोक मुद्रास्फीति 1.81 फीसदी पर पहुंची

- दिसंबर 2025 में 0.83 और जनवरी 2025 में 2.51 प्रतिशत थी

नई दिल्ली ।

देश में जनवरी 2026 में थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित मुद्रास्फीति 1.81 प्रतिशत पर पहुंच गई, जो लगातार तीसरे महीने बढ़ी है। दिसंबर 2025 में यह 0.83 प्रतिशत और जनवरी 2025 में 2.51 प्रतिशत थी। उद्योग मंत्रालय ने कहा कि महंगाई बढ़ने की मुख्य वजह मूल धातुओं, अन्य विनिर्माण, गैर-खाद्य वस्तुओं, खाद्य उत्पादों और वस्त्रों की कीमतों में वृद्धि है। जनवरी में खाद्य वस्तुओं की महंगाई 1.55 प्रतिशत रही, जबकि दिसंबर में 0.43 प्रतिशत थी। सब्जियों की कीमतों में तेज उछाल देखा गया, जनवरी में महंगाई 6.78 प्रतिशत रही। विनिर्मित उत्पादों में महंगाई जनवरी में 2.86 प्रतिशत और गैर-खाद्य उत्पादों में 7.58 प्रतिशत तक बढ़ी। ईंधन एवं बिजली में महंगाई दर 4.01 प्रतिशत रही। सरकार के आंकड़ों के अनुसार, खुदरा मुद्रास्फीति जनवरी में 2.75 प्रतिशत पर रही। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ब्याज दरों के निर्धारण के लिए खुदरा मुद्रास्फीति का आधार बनाता है। केंद्रीय बैंक ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 में

अभी तक नीतिगत दर रेपो में 1.25 प्रतिशत की कटौती है जो अब 5.5 प्रतिशत है।

नेयसा ने 1.2 अरब डॉलर जुटाए, एआई क्लाउड विस्तार की तैयारी

अतिरिक्त 60 करोड़ डॉलर की राशि ऋण के माध्यम से जुटाई जाएगी

नई दिल्ली।

एआई क्लाउड प्लेटफॉर्म नेयसा ने कुल 1.2 अरब डॉलर की फंडिंग जुटाई है। इसमें 60 करोड़ डॉलर की इक्विटी निवेश ब्लैकस्टोन से जुड़े निजी इक्विटी फंडों और सह-निवेशकों द्वारा किया गया है। अतिरिक्त 60 करोड़ डॉलर की राशि ऋण के माध्यम से जुटाई जाएगी। अन्य प्रमुख निवेशक

फंड जुटाने में शामिल होंगे। कंपनी ने फर्म के मूल्यांकन का खुलासा नहीं किया है। नेयसा भारत में तेजी से बढ़ता हुआ एआई एक्सेलरेशन क्लाउड प्लेटफॉर्म है, जो उद्यमों और सरकारी संस्थाओं को मिशन-क्रिटिकल समाधान देता है। कंपनी को इंडियाएआई मिशन द्वारा अनुमोदित क्लाउड सेवा प्रदाताओं में से एक चुना गया है। नई फंडिंग से कंपनी भारत में 20,000 से अधिक जीपीयू की तैनाती और विस्तार की योजना को साकार करेगी, जिससे देश में एआई क्रांति को मजबूती मिलेगी। नेयसा के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि भारत की एआई महत्वाकांक्षा के लिए बड़े पैमाने पर प्रोडक्शन-ग्रेड इन्फ्रास्ट्रक्चर आवश्यक है। नेयसा सॉवरेन कम्प्यूट की एजीक्यूशन लेयर और एआई रिसर्च इनेबलमेंट पर ध्यान केंद्रित कर रही है।

नेयसा ने अब तक 5 करोड़ डॉलर जुटाए हैं। 2024 में सीड राउंड में 2 करोड़ डॉलर और अक्टूबर में सीरिज ए में 3 करोड़ डॉलर जुटाए गए थे।

वित्त वर्ष 27 में बदल सकती है बाजार की तस्वीर

नई दिल्ली ।

सेंट्रम ब्रोकिंग के एक मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने ईमेल साक्षात्कार में बताया कि अगले छह महीनों में भारतीय शेयर बाजार के लिए प्रमुख जोखिम तीन हैं। पहला, वैश्विक मुद्रा संकट- अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में बढ़ोतरी या डॉलर में मजबूती उभरते बाजारों के लिए वित्तीय परिस्थितियां कठिन कर सकती है। दूसरा, आय वृद्धि की असमानता- अगर घरेलू मांग और मार्जिन में सुधार उम्मीद के मुताबिक नहीं हुआ, तो बाजार की तेजी सीमित रह सकती है।

तीसरा, भू-राजनीतिक और व्यापार अस्थिरता, जो अल्पकालिक निवेशकों के सेंटिमेंट को प्रभावित कर सकती है। उन्होंने कहा कि अगर बाजार ऊपर की ओर बढ़ता है, तो इसका नेतृत्व घरेलू चक्र से आने की संभावना है। वित्तीय क्षेत्र सबसे आगे रहेगा, क्योंकि 2025-26 की तीसरी तिमाही में इसमें मार्जिन बढ़ा, ऋण लागत नियंत्रित रही और परिसंपत्ति गुणवत्ता स्थिर रही। चौथी तिमाही में यह और मजबूत दिख रहा है। इसके अलावा पूंजीगत वस्तुएं और औद्योगिक क्षेत्र, विशेषकर ऑटोमोटिव सेक्टर, इनपुट लागत में कमी और मांग में धीरे-धीरे रिकवरी से सहारा पाएंगे। आईटी शेयरों में हो रही बिकवाली और एआई से संबंधित चिंताएं कुछ ज्यादा हैं। भारतीय आईटी कंपनियां एआई आधारित सौदों को बढ़ावा दे रही हैं और ऑटोमेशन से लाभ मार्जिन बढ़ सकता है। मूल्यांकन उनके पांच साल के औसत से कम हैं, इसलिए चुनिंदा आईटी शेयरों में निवेश समझदारी भरा हो सकता है।

टाइटन बायोटेक लिमिटेड करेगी स्टॉक स्प्लिट

- 20 फरवरी को एक्स-डेट और रिकॉर्ड डेट

मुंबई । बायोटेक कंपनी टाइटन बायोटेक लिमिटेड अपने शेयरों का स्टॉक स्प्लिट करने जा रही है। कंपनी ने 20 फरवरी को एक्स-डेट और रिकॉर्ड डेट घोषित की है। इस दिन तक जिन निवेशकों के पास शेयर होंगे, वे स्प्लिट का लाभ प्राप्त करेंगे। कंपनी अपने शेयरों का फेस वैल्यू 10 रुपये से घटाकर 2 रुपये करने जा रही है। इसका मतलब हर 1 पुराना शेयर अब 5 नए शेयरों में बदल जाएगा। कुल निवेश की वैल्यू उसी स्तर पर बनी रहेगी, लेकिन निवेशकों के पास शेयरों की संख्या बढ़ जाएगी। विशेषज्ञों के अनुसार स्टॉक स्प्लिट से शेयर की कीमत कम होगी और इसे खरीदना छोटे निवेशकों के लिए आसान होगा। हालांकि कुल निवेश की कीमत तुरंत नहीं बदलती। निवेशकों को सलाह दी गई है कि वे 20 फरवरी तक अपनी होल्डिंग साफ रखें और स्प्लिट के अनुसार अपने निवेश की योजना बनाएं।

प्रधानमंत्री मोदी के गमछे से चमकी बुनकरों की किस्मत

बिहार के करघों पर बरसे करोड़ों के ऑर्डर

नई दिल्ली ।

बिहार, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, झारखंड, असम और ओडिशा में गमछा पारंपरिक पहचान का प्रतीक है। गया जिले के पटवा टोली में लाखों गमछे बनाए जाते हैं। पिछले साल विधानसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रैली में गमछा लहराकर इसे बिहारी अस्मिता से जोड़ा। इसके बाद मांग में अचानक वृद्धि हुई और राजनीतिक दलों ने विशेष रंग के गमछों के ऑर्डर दिए। पटवा टोली में लगभग 35,000 बुनकर काम करते हैं। प्रतिदिन यहां 200 बंडल, यानी करीब 2 लाख गमछे तैयार होते हैं। 80 फीसदी गमछे थोक में 20-30 रुपये में बिकते हैं, जबकि शेष 60-80 रुपये तक के दाम पर जाते हैं। सालाना कारोबार लगभग 125-150 करोड़ रुपये का है। पहले गमछे हथकरघे से बनते थे, लेकिन अब चीन और देसी मशीनों से उत्पादन बढ़ गया है। चीन की मशीनें सस्ती लेकिन जल्दी खराब होती हैं, जबकि देसी मशीनें महंगी लेकिन टिकाऊ। कई बुनकर अब देसी मशीनों को प्राथमिकता दे रहे हैं। बिहार चुनाव के दौरान गमछा कारोबार को राजनीतिक रंग मिला। भाजपा के लिए केसरिया, राष्ट्रीय जनता दल के लिए हरा और जन स्वराज पार्टी के लिए पीले गमछे तैयार किए गए। बंगाल और असम में भी विधानसभा चुनाव से पहले बड़े पैमाने पर ऑर्डर की योजना

बनाई जा रही है। पटवा टोली का सबसे बड़ा खरीदार पश्चिम बंगाल है, इसके बाद असम, ओडिशा, झारखंड और उत्तर प्रदेश हैं। बिहार में सिर्फ बचे हुए गमछे बिकते हैं। गमछा कारोबार अब सिर्फ पारंपरिक वस्त्र उद्योग नहीं, बल्कि राजनीतिक और व्यावसायिक रणनीति का अहम हिस्सा बन चुका है।

जापान की अर्थव्यवस्था ने दर्ज की 1.1 फीसदी की वृद्धि

तोक्यो। जापान की अर्थव्यवस्था ने 2025 की अंतिम तिमाही में वार्षिक आधार पर 0.2 फीसदी की वृद्धि दर्ज की। साल भर में कुल वृद्धि केवल 1.1 फीसदी रही, जो 2022 के बाद सबसे उच्च है, जब देश कोविड-19 महामारी के असर से उबर रहा था। अप्रैल-जून 2025 में जीडीपी में 0.5 फीसदी की वृद्धि हुई, जबकि जुलाई-सितंबर में 0.7 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। अक्टूबर-दिसंबर में तिमाही आधार पर अर्थव्यवस्था ने 0.1 फीसदी की मामूली वृद्धि की। लगातार दो तिमाहियों में संकुचन न होने के कारण जापान तकनीकी मंदी से बच गया। अक्टूबर-दिसंबर में निजी उपभोग में 0.4 फीसदी की वृद्धि रही, लेकिन निर्यात में 1.1 फीसदी की गिरावट ने विकास दर को सीमित किया। मंत्रिमंडल कार्यालय का अनुमान है कि निकट भविष्य में जापान की अर्थव्यवस्था औसतन 0.6 फीसदी की दर से बढ़ेगी, जिससे स्थिर लेकिन धीमी वृद्धि जारी रहने की संभावना है।

भारत का चीनी निर्यात फरवरी तक 2 लाख टन के पार

मुंबई। अखिल भारतीय चीनी व्यापार संघ (एआईएसटीए) के अनुसार भारत में चीनी निर्यात पर सरकार का नियंत्रण बना हुआ है। मिलों के बीच आनुपातिक कोटा वितरित किया जाता है। हाल ही में अतिरिक्त पांच लाख टन निर्यात कोटा भी मंजूरी दी गई है, जिससे कुल स्वीकृत निर्यात 20 लाख टन हो गया है। फरवरी तक भारत ने कुल 2,01,547 टन चीनी का निर्यात किया। इसमें सफेद चीनी का हिस्सा 1,63,000 टन और परिष्कृत चीनी का 37,638 टन रहा। 2025-26 विपणन वर्ष में भारत का चीनी उत्पादन 13 फीसदी बढ़कर 2.96 करोड़ टन रहने का अनुमान है। एआईएसटीए ने नई दो-स्तरीय कोटा प्रणाली का स्वागत किया, जिससे वास्तविक निर्यात करने वाली मिल को गैर-निष्क्रिय मिलों से कोई प्रीमियम नहीं देना पड़ेगा।

रेलवे का फैसलाः एसी फर्स्ट और सेकंड एसी कोचों में स्टाफ आरक्षण खत्म

- यात्रियों को मिलेगी ज्यादा सीटें, वेटिंग लिस्ट वाले यात्री कंफर्म टिकट पा सकेंगे

नई दिल्ली । भारतीय रेलवे ने राजधानी, दुरंतो और अन्य प्रीमियम ट्रेनों के एसी फर्स्ट और सेकंड एसी कोचों में ऑन-बोर्ड स्टाफ के आरक्षित सीटों को खत्म कर दिया है। अब महंगी सीटें सीधे यात्रियों के लिए उपलब्ध होंगी, जिससे वेटिंग लिस्ट वाले यात्री कंफर्म टिकट पा सकेंगे। हाउसकीपिंग स्टाफ के लिए स्प्रेड मॉडल लागू हुआ है। उन्हें केवल थर्ड एसी या स्लीपर में 4 साइड लोअर सीटें मिलेंगी। पेंट्री कार वाले स्टाफ को अब पूरी ड्यूटी पेंट्री कार में ही करनी होगी, जबकि पेंट्री कार नहीं होने पर उन्हें केवल 2 सीटें दी जाएंगी। रेलवे का अनुमान है कि हर ट्रेन में 4-6 सीटें अब यात्रियों के लिए खुलेंगी, जिससे प्रतिदिन लाखों रुपये का अतिरिक्त राजस्व होगा। आरक्षित सीटों का दुरुपयोग और अनाधिकृत यात्रा की समस्या भी कम होगी। साल 2016 और 2018 के पुराने सर्कुलर रद्द कर दिए गए हैं। यह नया नियम रेलवे के पैसेंजर-फ्रेंडली और कमर्शियल मॉडल को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम है।

सोने की कीमतों पर ब्रेक, 1 लाख के नीचे जाने के आसार

नई दिल्ली । सोने की कीमतों में चल रही रिकॉर्ड तेजी पर अब ब्रेक लगता नजर आ रहा है। रूस के एक संभावित कदम और वैश्विक समीकरणों के बदलने से कयास लगाए जा रहे हैं कि आने वाले समय में सोना 1 लाख रुपए के नीचे आ सकता है। जनवरी 2026 में भारतीय बाजार (एमसीएक्स) पर सोने ने 1,80,779 रुपए प्रति 10 ग्राम का ऐतिहासिक स्तर छुआ था। बीते सप्ताह की क्लोजिंग तक कीमतें 1,56,200 रुपए तक गिर गईं, यानी करीब 13.5 फीसदी की गिरावट। अंतराष्ट्रीय बाजार (कॉमेक्स) पर सोना 5,626.80 से 5,046.30 डॉलर पर आया, लगभग 10.5 फीसदी की गिरावट दर्ज हुई। रूस ने अमेरिकी डॉलर में ट्रेड सेटलमेंट पर वापसी पर विचार करना शुरू कर दिया है। इससे ब्रिक्स देशों की डी-डॉलराइजेशन मुहिम प्रभावित हो सकती है। विशेषज्ञों का कहना है कि रूस के कदम से अन्य केंद्रीय बैंक भी सोने की आक्रामक खरीद रोक सकते हैं या मुनाफावसूली कर सकते हैं। विश्लेषकों का अनुमान है कि अंतराष्ट्रीय सोना 3,000 प्रति औंस तक गिर सकता है। भारत में सोने की कीमत 90,000-1,00,000 रुपए प्रति 10 ग्राम के दायरे में स्थिर हो सकती है।

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

सेंसेक्स 650, निफ्टी 211 अंक उछला

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये तेजी दुनिया भर के बाजारों से मिले-जुले संकेतों के बाद भी खरीददारी हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 650.39 अंक बढ़कर 83,277.15 पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 211.65 अंक ऊपर आकर 25,682.75 पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान निफ्टी वाहन को छोड़कर तकरीबन सभी इंडेक्स बढ़त पर बंद हुआ। वहीं व्यापक बाजार में, निफ्टी मिडकैप में 0.48 फीसदी जबकि निफ्टी स्मॉलकैप में 0.11 फीसदी की तेजी रही।

आज निफ्टी वाहन में 0.73 फीसदी और निफ्टी ग्रोसेक्ट 15 में 0.12 फीसदी की गिरावट आई । जबकि निफ्टी बैंक में 1.27फीसदी की बढ़त, निफ्टी एफएमसीजी में 0.82 फीसदी जबकि निफ्टी आईटी में 0.17 फीसदी उछाल आया है। आज सेंसेक्स के 30 शेयरों में से केवल 9 शेयरों में ही गिरावट रही। पावर ग्रिड, एचडीएफसी बैंक, एक्सिस बैंक, एनटीपीसी, आईटीसी और एशियन पेंट्स के शेयरों में 4.45 फीसदी तक की बढ़त रही जबकि वहीं, टेक महिंद्रा, मारुति सुजुकी, बजाज फाइनेंस, ट्रेंट, एम एंड एम और इंफोसिस के शेयरों में 1.44 फीसदी की गिरावट रही। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने शुक्रवार को

7,395.41 करोड़ रुपए के शेयर बेचे। वहीं, घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 5,553.96 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे।

इससे पहले आज सुबह शेयर बाजार की शुरुआत गिरावट के साथ हुई हालांकि कारोबार बढ़ने के साथ ही रिकवरी दर्ज की गयी। बीएसई सेंसेक्स 262 अंकों की बढ़त के साथ 82,591 के स्तर पर पहुंच गया, जबकि निफ्टी 50 75 अंकों की तेजी के साथ 25,546 पर कारोबार करता दिखा। निवेशकों की धारणा फिलहाल सकारात्मक है। इस सप्ताह बाजार की नजर अमेरिकी फेडरल रिजर्व और रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठकों पर रहेगी।

फ्रैक्टल एनालिटिक्स का आईपीओ सुस्त शुरुआत के साथ सूचीबद्ध

- शेयर तीन प्रतिशत की गिरावट के साथ सूचीबद्ध

नई दिल्ली । कृत्रिम मेधा (एआई) समाधान प्रदाता फ्रैक्टल एनालिटिक्स ने सोमवार को अपने आईपीओ के बाद शेयर बाजार में धीमी शुरुआत की। कंपनी का आईपीओ 2,834 करोड़ रुपए का था, जिसमें 1,023.5 करोड़ रुपए के नए शेयर और 1,810.4 करोड़ रुपए की बिक्री पेशकश (ओएफएस) शामिल थी। मूल्य दायरा 857-900 रुपए प्रति शेयर तय किया गया था। अंतिम दिन आईपीओ 2.66 गुना सब्सक्राइब हुआ। एनएसई पर शेयर 876 रुपए पर सूचीबद्ध हुआ, जो निर्गम मूल्य 900 रुपए से 2.67 फीसदी कम है। बाद में इसमें और गिरावट आई और यह 855.55 रुपए पर पहुंच गया। बीएसई पर शेयर 900 रुपए प्रति शेयर के स्तर पर सपाट शुरुआत के साथ खुला। एनएसई पर कंपनी का बाजार मूल्यांकन 14,839.73 करोड़ रुपए रहा। कंपनी ने बताया कि आईपीओ से प्राप्त राशि का इस्तेमाल अपनी अनुषंगी 'फ्रैक्टल यूएसए' में निवेश, कर्ज का पूर्व-भुगतान, भारत में नए कार्यालय, अनुसंधान एवं विकास, फ्रैक्टल अल्फा के तहत विपणन, अधिग्रहण और अन्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा।

केंद्र सरकार ने हटाया गेहूं-चीनी पर निर्यात प्रतिबंध

- अब 2026-27 के विपणन सत्र में अनुमानित फसल बढ़िया होने की संभावना

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने शुक्रवार को अप्रत्याशित रूप से 25 लाख टन गेहूं के निर्यात की अनुमति दी। इससे पहले तीन साल से अधिक समय से निर्यात पर प्रतिबंध था। इसके साथ ही पहले से स्वीकृत 15 लाख टन चीनी के अलावा 5 लाख टन अतिरिक्त चीनी का निर्यात भी खोल दिया गया। सरकारी बयान के अनुसार यह कदम देश में मौजूदा उपलब्धता और मूल्य परिदृश्य का मूल्यांकन कर लिया गया है। गेहूं पर निर्यात प्रतिबंध 13 मई 2022 को लगाया गया था। उस समय घरेलू उत्पादन घट गया था और रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण वैश्विक मांग बढ़ गई थी। इससे घरेलू कीमतें बढ़ गईं और सार्वजनिक वितरण प्रणाली की खरीद जोखिम में पड़ गई। अब 2026-27 के विपणन सत्र में अनुमानित फसल बढ़िया होने की संभावना है और दोनों सरकार और व्यापारियों के पास भारी भंडार है। 2025-26 सीजन में भारत में गेहूं का उत्पादन लगभग 11.8 करोड़ टन रिकॉर्ड किया गया। 31 मार्च 2026 तक केंद्रीय पूल में स्टॉक 1.82 करोड़ टन अनुमानित है, जबकि बफर स्टॉक आवश्यकता केवल 75 लाख टन। व्यापारियों के पास लगभग 75 लाख टन गेहूं मौजूद है, जो पिछले साल की तुलना में 32 लाख टन अधिक है।

घरेलू कीमतें उत्तर और पश्चिमी बाजारों में 2550-2680 रुपये/क्विंटल हैं, जबकि न्यूनतम समर्थन मूल्य 2585 रुपये/क्विंटल तय किया गया। भारतीय गेहूं की वैश्विक कीमत 270-280 डॉलर/टन, जबकि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 197-270 डॉलर/टन है।

रुपया गिरावट के साथ बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय रुपया 7 पैसे की गिरावट के साथ ही 90.73 रुपये पर बंद हुआ। आज सुबह रुपया शुरुआती कारोबार में एक पैसा टूटकर 90.67 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी पूंजी की निकासी और अमेरिकी डॉलर के मजबूत होने से घरेलू मुद्रा पर दबाव पड़ा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि कच्चे तेल की कीमतों में वैश्विक स्तर पर मामूली वृद्धि और देश के विदेशी मुद्रा भंडार में भारी गिरावट का भी स्थानीय मुद्रा पर दबाव रहा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 90.63 प्रति डॉलर पर मजबूत खुला। हालांकि फिर 90.67 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से एक पैसे की गिरावट दिखाता है। रुपया शुक्रवार को सीमित दायरे में कारोबार करता हुआ पांच पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.66 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.02 फीसदी की बढ़त के साथ 96.93 पर रहा।

एआई इम्पैक्ट 2026: मानव सभ्यता के द्वार पर दस्तक देती कृत्रिम बुद्धि

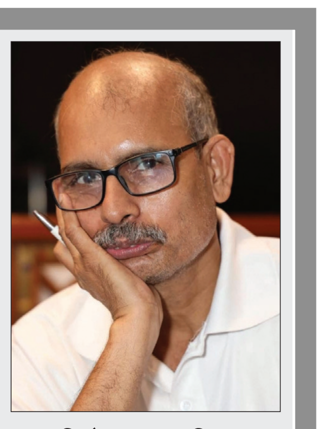

विनोद कुमार सिंह

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस भव्य आयोजन का शुभारंभ किया,तो यह केवल दीप प्रज्वलन नहीं था,बल्कि उस भविष्य का उद्घाटन था जिसमें मशीनें केवल उपकरण नहीं, बल्कि मानव निर्णय,शासन, अर्थव्यवस्था और चेतना की संरचना में सहभागी होंगी।भारत जैसे विशाल जनसंख्या वाले देश के लिए यह आयोजन एक प्रयोगशाला नहीं,बल्कि एक प्रयोग-भूमि है, जहाँ करोड़ों जीवन की दिशा तय होनी है।

नई दिल्ली में 16 से 20 फरवरी 2026 के बीच आयोजित 'एआई इम्पैक्ट 2026' केवल एक तकनीकी सम्मेलन नहीं,बल्कि मानव सभ्यता के इतिहास में एक नए अध्याय का उद्घोष है। जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस भव्य आयोजन का शुभारंभ किया, तो यह केवल दीप प्रज्वलन नहीं था, बल्कि उस भविष्य का उद्घाटन था जिसमें मशीनें केवल उपकरण नहीं, बल्कि मानव निर्णय,शासन, अर्थव्यवस्था और चेतना की संरचना में सहभागी होंगी। .भारत जैसे विशाल जनसंख्या वाले देश के लिए यह आयोजन एक प्रयोगशाला नहीं,बल्कि एक प्रयोग-भूमि है, जहाँ करोड़ों जीवन की दिशा तय होनी है।

प्रधानमंत्री ने अपने उद्घाटन वक्तव्य में एआई को 'विकसित भारत' की धुरी बताते हुए कहा कि कृत्रिम बुद्धि केवल तकनीक नहीं, बल्कि मानव क्षमता के विस्तार का माध्यम है। उनका यह कथन प्रतीकात्मक नहीं, बल्कि रणनीतिक था।भारत की जनसंख्या एक ओर भार है,तो दूसरी ओर मानव पूंजी का महासागर। एआई इम्पैक्ट 2026 इसी महासागर को दिशा देने का आह्वान है। यह आयोजन उस राष्ट्रीय आकांक्षा का मंच है जिसमें भारत केवल तकनीक का उपभोक्ता नहीं, बल्कि वैश्विक एआई नेतृत्वकर्ता बनने का संकल्प ले रहा है।एआई के संदर्भ में भारत की स्थिति अद्वितीय है। एक ओर विशाल युवा जनसंख्या, दूसरी ओर डिजिटल बुनियादी ढाँचे का तीव्र विस्तार, और तीसरी ओर राजनीतिक इच्छाशक्ति। प्रधानमंत्री मोदी का 'मिशन एआई' केवल प्रयोगशालाओं तक सीमित नहीं, बल्कि गाँव, खेत,कारखाने, विद्यालय और शासन प्रणाली तक विस्तारित दृष्टि है। एआई इम्पैक्ट 2026 इस दृष्टि को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत करने का प्रयास है।

परंतु हर तकनीकी क्रांति के साथ आशंकाओं की आँधी भी आती है। औद्योगिक क्रांति ने श्रमिक वर्ग को विस्थापित किया था, सूचना क्रांति ने ज्ञान का केंद्रीकरण तोड़ा था, और अब एआई क्रांति मानव श्रम और मानव निर्णय दोनों को चुनौती दे रही है। भारत जैसे देश में जहाँ बेरोजगारी पहले से ही सामाजिक- आर्थिक तनाव का स्रोत है,वहाँ एआई का आगमन एक नई अनिश्चितता का संकेत भी है। क्या मशीनें करोड़ों नौकरियों को निगल जाएँगी? क्या मानव श्रम अप्रासंगिक हो जाएगा? क्या निर्णय-प्रक्रिया एल्गोरिद्म के हाथों में चली जाएगी? ये प्रश्न केवल तकनीकी नहीं, बल्कि दार्शनिक और राजनीतिक भी हैं। एआई इम्पैक्ट 2026 का केंद्रीय विमर्श इसी द्वंद्व पर केंद्रित है–संभावना और शंका, सफलता और संकट,विकास और विस्थापन। प्रधानमंत्री मोदी का उद्घाटन भाषण इस द्वंद्व को स्वीकारते हुए आशावाद की ओर झुका हुआ था। उन्होंने कहा कि एआई मानव को विस्थापित नहीं, बल्कि सशक्त करेगा।यह कथन राजनीतिक रूप से आश्वस्तकारी है, परंतु सामाजिक यथार्थ में इसे मूर्त रूप देने के लिए नीतिगत क्रांति आवश्यक है।

भारत की विशाल जनसंख्या यदि प्रशिक्षित, कौशलयुक्त और डिजिटल रूप से सशक्त होती है, तो एआई क्रांति भारत को वैश्विक शक्ति बना सकती है। किंतु यदि यह जनसंख्या तकनीकी परिवर्तन से कट जाती है,तो वही जनसंख्या सामाजिक विस्फोट का कारण भी बन सकती है।एआई इम्पैक्ट 2026 इस दोराहे पर खड़े भारत का आत्ममंथन है।मानव संसाधन के संदर्भ में एआई का प्रभाव बहुआयामी है। शिक्षा प्रणाली, स्वास्थ्य सेवाएँ, कृषि, उद्योग, प्रशासन, न्याय प्रणाली–सभी क्षेत्रों में एआई की भूमिका बढ़ रही है।भारत में डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर, आधार, यूपीआई, डिजिलॉकर, और अब एआई आधारित शासन मॉडल, एक नए सामाजिक अनुबंध की रचना कर रहे हैं।मोदी का मिशन इस अनुबंध को 'डिजिटल नागरिकता' के रूप में परिभाषित करता है। एआई इम्पैक्ट 2026 इसी डिजिटल नागरिकता का वैश्विक विमर्श है। बेरोजगारी की आशंका को लेकर अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों की राय विभाजित है। कुछ का मानना है कि एआई करोड़ों नौकरियों को समाप्त कर देगा, जबकि अन्य का कहना है कि यह उतनी ही नई नौकरियाँ भी पैदा करेगा। भारत के संदर्भ में यह समीकरण अधिक जटिल है। यहाँ अनौपचारिक क्षेत्र, कृषि आधारित रोजगार और निम्न कौशल श्रमिकों की विशाल संख्या है। यदि एआई इन क्षेत्रों में बिना सामाजिक सुरक्षा के प्रवेश करता है, तो असमानता बढ़ेगी। एआई इम्पैक्ट 2026 में इस प्रश्न पर गहन चर्चा हो रही है कि कैसे कौशल पुनर्संरचना, जीवनपर्यंत शिक्षा और डिजिटल प्रशिक्षण के माध्यम से मानव संसाधन को एआई युग के अनुरूप ढाला जाए।

प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने उद्घाटन में 'स्किल, स्केल और स्पीड' की त्रयी पर बल दिया। उनका तर्क था कि भारत को एआई में कौशल विकसित करना होगा, उसे बड़े पैमाने पर लागू करना होगा, और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में गति बनाए रखनी होगी। यह दृष्टि भारत को केवल तकनीकी शक्ति नहीं, बल्कि नैतिक और मानवीय एआई नेतृत्वकर्ता बनाने की आकांक्षा भी रखती है। वैश्विक संदर्भ में एआई एक भू-राजनीतिक हथियार बन चुका है।अमेरिका, चीन, यूरोप और अन्य शक्तियाँ एआई को आर्थिक, सैन्य और राजनीतिक प्रभुत्व के साधन के रूप में देख रही हैं। भारत की भूमिका अब केवल संतुलन कारी नहीं,बल्कि वैकल्पिक मॉडल प्रस्तुत करने की है। एआई इम्पैक्ट 2026 में भारत ने 'मानव-केंद्रित एआई' की अवधारणा को प्रमुखता से रखा है। यह अवधारणा एआई को मानव गरिमा, लोकतंत्र और सामाजिक न्याय के साथ जोड़ने का प्रयास है।

सफलता की संभावना विशाल है। कृषि में सटीक खेती, स्वास्थ्य में निदान की क्रांति, शिक्षा में व्यक्तिगत शिक्षण, शासन में पारदर्शिता, उद्योग में उत्पादकता–ये सभी एआई के उपहार हैं। भारत जैसे देश में जहाँ संसाधनों की कमी और जनसंख्या की अधिकता है, वहाँ एआई संसाधनों के कुशल उपयोग का माध्यम बन सकता है। एआई इम्पैक्ट 2026 इन संभावनाओं को नीतिगत रोडमैप में बदलने का मंच है।

परंतु शंका भी उतनी ही गहरी है। डेटा की निजता, एल्गोरिद्मिक पक्षपात, निगरानी राज्य, डिजिटल उपनिवेशवाद–ये एआई युग के अंधेरे पक्ष हैं। भारत जैसे लोकतंत्र में जहाँ नागरिक अधिकारों की रक्षा सर्वोपरि है, वहाँ एआई का अनियंत्रित प्रयोग लोकतंत्र को भी चुनौती दे सकता है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने भाषण में 'ट्रस्ट और ट्रांसपेरेंसी' पर जोर देकर इस चिंता को स्वीकार किया।एआई इम्पैक्ट 2026 इसलिए केवल तकनीकी सम्मेलन नहीं, बल्कि सभ्यता का संवाद है। यह संवाद मानव और मशीन, लोकतंत्र और एल्गोरिद्म, बाजार और समाज, शक्ति और नैतिकता के बीच है। भारत इस संवाद में एक प्राचीन सभ्यता के प्रतिनिधि के रूप में उपस्थित है, जो तकनीक को साधन मानती है, साध्य नहीं।

इस आयोजन में अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों, नीति निमार्ताओं, उद्योग जगत और शिक्षाविदों की उपस्थिति इस बात का संकेत है कि एआई अब किसी एक देश या कंपनी का विषय नहीं, बल्कि मानवता का साझा भविष्य है।प्रधानमंत्री मोदी का उद्घाटन भाषण भारत को इस साझा भविष्य के नैतिक मार्गदर्शक के रूप में प्रस्तुत करता है।

अंततः प्रश्न यह नहीं कि एआई आएगा या नहीं, बल्कि यह है कि मानवता उसे कैसे अपनाएगी। भारत जैसे देश के लिए यह प्रश्न और भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि यहाँ तकनीक केवल सुविधा नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय का उपकरण भी हो सकती है। एआई इम्पैक्ट 2026 इस संभावना, शंका और सफलता के त्रिकोण में खड़े मानव भविष्य का चिंतन है। यह आयोजन एक चेतावनी भी है और एक आशा भी -कि यदि मानव विवेक, नीति और नैतिकता तकनीक के साथ चलें, तो एआई मानव सभ्यता का विनाश नहीं, बल्कि उसका उत्कर्ष बन सकता है। एआई इम्पैक्ट 2026 के उद्घाटन सत्र के साथ ही यह स्पष्ट हो गया कि भारत एआई को केवल आर्थिक वृद्धि का उपकरण नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन का आधार बनाना चाहता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने वक्तव्य में भारत की जनसांख्यिकी को 'डेमोग्राफिक डिविडेंड' से 'डिजिटल डिविडेंड' में रूपांतरित करने का आह्वान किया। उनका संकेत स्पष्ट था–यदि युवा शक्ति को एआई कौशल से लैस किया जाए, तो भारत आने वाले दशकों में वैश्विक नवाचार का केंद्र बन सकता है।

भारत के लिए एआई का प्रश्न केवल तकनीकी नहीं, बल्कि सभ्यतागत है। यहाँ की संस्कृति, दर्शन और सामाजिक संरचना हजारों वर्षों से मानव चेतना, नैतिकता और सामूहिकता पर आधारित रही है। एआई इस संरचना में एक नया तत्व जोड़ रहा है–एल्गोरिद्मिक निर्णय। यह निर्णय मानव विवेक का सहायक भी हो सकता है और प्रतिस्थापन भी। एआई इम्पैक्ट 2026 इसी द्वंद्व की ऐतिहासिक बहस का मंच है।मानव संसाधन के संदर्भ में भारत की चुनौती अद्वितीय है। हर वर्ष लाखों युवा श्रम बाजार में प्रवेश करते हैं। परंपरागत उद्योग उतनी गति से रोजगार नहीं पैदा कर पा रहे। एआई आधारित स्वचालन इस संकट को बढ़ा भी सकता है और हल भी कर सकता है। यदि एआई केवल पूंजी-गहन उद्योगों में केंद्रित रहा, तो रोजगार संकट गहराएगा।

संपादकीय

युद्ध की हवाई पट्टी

प्रधानमंत्री मोदी ने असम के डिब्रूगढ़ में, पूर्वोत्तर की, प्रथम आपात हवाई पट्टी पर सी-130 जे विमान से लैंडिंग की, तो वह प्रथम विश्व नेता, प्रथम शासनाध्यक्ष बन गए। यह कीर्तिमान बड़ी उपलब्धि है, बहुअर्थी है। हमारे राफेल, सुखोई-30 और तेजस लड़ाकू विमानों ने भी आपात हवाई पट्टी को छुआ और फिर वे उड़ गए। यह 40 मिनट का युद्धाभ्यास वहां से 200 किलोमीटर दूर चीन ने भी देखा होगा और विश्व के कई देश चौकन्ने हुए होंगे! प्रधानमंत्री मोदी ने हवाई पट्टी का औपचारिक उद्घाटन किया और वह युद्धाभ्यास के साक्षी भी बने। दुनिया के सर्वप्रथम प्रधानमंत्री की यह लैंडिंग सिर्फ चुनावी, राजनीतिक नेरेटिव ही नहीं है, बल्कि यह युद्धाभ्यास हमारी रक्षा तैयारियों, सामरिक शक्ति, प्रौद्योगिकी सक्षमता और बेशक राष्ट्रीय सुरक्षा कवच का प्रदर्शन भी है। आत्मनिर्भर भारत की अभिव्यक्ति भी है। यह वायु रक्षा मोचेबंदी और आपात हवाई पट्टी इसलिए भी जरूरी है, क्योंकि युद्ध की शैली बदलती जा रही है। अब दुश्मन सबसे पहले वायुसेना बेस, अड्डों और ठिकानों पर हमले कर दुश्मन देश की वायुसेना को विकलांग करता है। ह्यऑपरेशन सिंदूरह्ण के दौरान भारतीय वायुसेना के लड़ाकू विमानों और मिसाइलों ने पाकिस्तान के प्रमुख एयरबेसों पर हमले कर उन्हें ध्वस्त कर दिया था। एयरबेसों में गहरे गड्ढे कर दिए थे। बहुत कुछ मिट्टी-मलबा हुआ था। बताया जाता रहा है कि हमारे विमानों ने दुश्मन के 9 एयरबेस, रडार, अवॉक्स सिस्टम आदि ऐसे तबाह किए थे कि वहां से वायुसेना ऑपरेशन को करना और एयरबेस को युद्ध के लिए हमलावर बनाने में लंबा वक्त लगेगा। हालांकि चीन के साथ हमारे संबंध बदल और सुधर रहे हैं, लेकिन चीन एक प्रतिद्वंद्वी, अविश्वसनीय देश रहा है, लिहाजा भारत में ही सत्ता और सियासत का एक वर्ग उसे 'दुश्मन नंबर वन' मानता रहा है। बहरहाल 4.2 किमी लंबी यह हवाई पट्टी, राष्ट्रीय राजमार्ग 37 पर, 100 करोड़ रुपए की लागत से बनाई गई है। इस पर 40 टन के लड़ाकू विमान उतर सकेंगे। यहां से 74 टन के परिवहन विमान भी ऑपरेट किए जा सकेंगे। युद्ध या किसी भी आपात स्थिति में बचाव और सैन्य ऑपरेशन तुरंत संभव हो सकेंगे। उप्र के पूर्वांचल एक्सप्रेस वे पर भी आपात हवाई पट्टी बनाई गई थी। वहां भी प्रधानमंत्री ने लैंडिंग की थी। दरअसल ऐसी सामरिक तैयारियां दशार्ती हैं कि भारत में रक्षा उत्पादन और सैन्य रणनीति की दुनिया ही बदल चुकी है।

चिंतन-मनन

प्रभु भक्ति में बीते समय

यह भौतिक जगत प्रकृति के गुणों के चमत्कार के अन्तर्गत कार्य कर रहा है। मनुष्य को चाहिए कि वह अपनी चेतना कृष्ण कार्य में लगाए। कृष्णकार्य भक्तियोग के नाम से विख्यात हैं। इसमें न केवल कृष्ण अपितु उनके विभिन्न पूर्णाश भी सम्मिलित हैं- यथा राम तथा नारायण। कृष्ण के असंख्य अंश हैं, जो उनके किसी भी रूप या पूर्णाश की सेवा में प्रवृत्त होता है, उसे दिव्य पद पर स्थित समझना चाहिए। कृष्ण के सारे रूप पूर्णतया दिव्य और सच्चिदानन्द स्वरूप हैं। ईश्वर के ऐसे रूप सर्वशक्तिमान तथा सर्वज्ञ होते हैं और उनमें समस्त दिव्यगुण पाये जाते हैं। अतः यदि कोई कृष्ण या उनके पूणार्शों की सेवा में दृढ़संकल्प के साथ प्रवृत्त हो तो (यद्यपि प्रकृति के गुण जीत पाना कठिन है) वह उन्हें सरलता से जीत सकता है। कृष्ण की शरण ग्रहण करने पर प्रकृति के गुणों का प्रभाव लांघा जा सकता है। कृष्णभावनामृत या कृष्ण-भक्ति में होने का अर्थ है, कृष्ण के साथ समानता प्राप्त करना। भगवान कहते हैं कि उनकी प्रकृति सच्चिदानन्द स्वरूप है और सारे जीव परम के अंश हैं। जीव अपनी आध्यात्मिक स्थिति में स्वर्ण के समान या कृष्ण के समान गुण वाला होता है। किन्तु व्यष्टित्व का अन्तर बना रहता है अन्यथा भक्तियोग का प्रश्न ही नहीं उठता। भक्तियोग का अर्थ है कि भगवान और भक्त के बीच प्रेम का आदान-प्रदान चलता रहता है। अतएव भगवान में और भक्त में दो व्यक्तियों का व्यष्टित्व वर्तमान रहता है, अन्यथा भक्तियोग का कोई अर्थ नहीं है। यदि कोई भगवान जैसे दिव्य स्तर पर स्थित नहीं है, तो वह भगवान की सेवा नहीं कर सकता है। उदाहरणार्थ, राजा का निजी सहायक बनने के लिए कुछ योग्यताएं आवश्यक हैं। इस तरह भगवत्सेवा के लिए योग्यता है कि ब्रह्म बन भौतिक कल्मष से मुक्त हुआ जाय। कहा गया है ब्रह्मैव सन्ब्रह्माप्येति। अर्थात मनुष्य को ब्रह्म से एकाकार हो जाना चाहिए। लेकिन ब्रह्मत्व पाने पर मनुष्य व्यष्टि आत्मा के रूप में अपने शात ब्रह्म-स्वरूप को खोता नहीं है।

भविष्य के जलवायु समझौतों के लिए मार्गदर्शक दस्तावेज: क्योटो प्रोटोकॉल

सुनील कुमार महला

पर्यावरणीय दृष्टि से 16 फरवरी का दिन अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है, क्योंकि 16 फरवरी 2005 को क्योटो प्रोटोकॉल आधिकारिक रूप से लागू हुआ था, जो जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए विश्व का पहला कानूनी रूप से बाध्यकारी अंतरराष्ट्रीय समझौता था। इसे 1997 में जापान के क्योटो शहर में अपनाया गया था और यह संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन रूपरेखा अभिसमय (यूएनएफसीसीसी) के अंतर्गत बनाया गया था। इसका मुख्य उद्देश्य औद्योगिक (विकसित) देशों द्वारा ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को 1990 के स्तर की तुलना में कम करना था, ताकि वैश्विक तापमान वृद्धि को नियंत्रित किया जा सके। वास्तव में आज पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग की समस्या से प्रभावित है, जिसका प्रमुख कारण बढ़ती जनसंख्या, अंधाधुंध औद्योगिकीकरण, तेज शहरीकरण, विकास कार्यों के नाम पर पेड़ों की कटाई, जीवाश्म ईंधनों (कोयला, पेट्रोलियम, गैस) का अत्यधिक उपयोग, परिवहन, कृषि गतिविधियाँ और प्रदूषण हैं, जिनसे वातावरण में ग्रीनहाउस गैसों की मात्रा तेजी से बढ़ रही है। ग्रीनहाउस गैसों जैसे कि कार्बन डाइऑक्साइड, मीथेन, नाइट्रस ऑक्साइड, जलवाष्प तथा फ्लोरीनयुक्त गैसें आदि वायुमंडल में सूर्य की ऊष्मा को रोककर पृथ्वी का तापमान बढ़ाती हैं, जिसे ग्रीनहाउस प्रभाव कहा जाता है। नवीनतम आँकड़ों के अनुसार वर्ष 2024 में वैश्विक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन लगभग 57.7 गीगाटन कार्बन डाइऑक्साइड समतुल्य तक पहुँच गया, जो अब तक का सबसे अधिक स्तर है और पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 2.3% अधिक है; इस अवधि में उत्सर्जन वृद्धि में भारत का योगदान सबसे अधिक रहा, हालांकि प्रति व्यक्ति उत्सर्जन अभी भी वैश्विक औसत से कम है। पाठकों को बताता चलूं कि भारत में लगभग 3 टन प्रति व्यक्ति प्रतिवर्ष, जबकि वैश्विक औसत लगभग 6.4 टन है। कुल उत्सर्जन के मामले में भारत लगभग 4 गीगाटन वार्षिक उत्सर्जन के साथ विश्व का तीसरा सबसे बड़ा उत्सर्जक है, लेकिन ऐतिहासिक योगदान विकसित देशों से कम है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार 2024 में वायुमंडल में कार्बन डाइऑक्साइड की सांद्रता लगभग 423झ425 पीपीएम तक पहुँच गई, जो औद्योगिक क्रांति से पहले की तुलना में लगभग 50% अधिक है और जलवायु जोखिम को बढ़ा रही है। क्योटो प्रोटोकॉल की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता साझा लेकिन भिन्न जिम्मेदारी का सिद्धांत था, जिसके अनुसार ऐतिहासिक रूप से अधिक प्रदूषण करने वाले विकसित देशों पर अधिक दायित्व डाला गया, जबकि भारत और चीन जैसे विकासशील देशों को शुरूआती चरण में अनिवार्य उत्सर्जन कटौती से छूट दी गई। इस समझौते के अंतर्गत उत्सर्जन व्यापार, क्लीन डेवलपमेंट मैकेनिज्म (सीडीएम) और संयुक्त कार्यान्वयन जैसे नवाचारपूर्ण तंत्र बनाए गए, जिन्हें फ्लेक्सिबल मैकेनिज्म कहा गया और इन्हीं के माध्यम से कार्बन ट्रेडिंग की अवधारणा विकसित हुई, जिससे विकसित देश अन्य देशों में हरित परियोजनाओं या स्वच्छ तकनीक में निवेश करके कार्बन क्रेडिट खरीद सकते थे। भारत ने सीडीएम के तहत बड़ी संख्या में परियोजनाएँ विकसित कीं, जिससे तकनीकी आधुनिकीकरण, विदेशी निवेश और सर्टिफाइड एमिशन रिडक्शन (सीईआर) क्रेडिट के रूप में आर्थिक लाभ मिला तथा भारत वैश्विक कार्बन बाजार का महत्वपूर्ण भागीदार बना। हालांकि, संयुक्त राज्य अमेरिका ने इस समझौते पर हस्ताक्षर तो किए थे, लेकिन इसे अपनी संसद से अनुमोदित नहीं कराया, जिससे इसकी प्रभावशीलता पर प्रश्न उठे, फिर भी इसकी एक बड़ी उपलब्धि यह रही कि इसने उत्सर्जन की निगरानी, रिपोर्टिंग और सत्यापन की सख्त वैश्विक प्रणाली विकसित की, जो आज भी अंतरराष्ट्रीय जलवायु व्यवस्था की आधारशिला मानी जाती है। आगे चलकर वैश्विक जलवायु प्रयासों को अधिक व्यापक बनाने के लिए 2015 में पेरिस समझौता अस्तित्व में आया, जिसमें लगभग सभी देशों को जलवायु कार्रवाई के साझा लक्ष्य में शामिल किया गया; संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम की रिपोर्टों के अनुसार वर्ष 2023-2024 में वैश्विक उत्सर्जन रिकॉर्ड स्तर के आसपास है और वर्तमान नीतियों के साथ 1.5त्ड तापवृद्धि लक्ष्य हासिल करना कठिन दिखाई देता है। भारत ने वर्तमान वैश्विक व्यवस्था में महत्वपूर्ण लक्ष्य घोषित किए हैं। वर्ष 2030 तक 2005 के स्तर की तुलना में उत्सर्जन तीव्रता में 45% कमी, 50% बिजली क्षमता गैर-जीवाश्म स्रोतों से प्राप्त करना और 2070 तक नेट-जीरो हासिल करना और वर्ष 2025 तक भारत 50% से अधिक स्थापित बिजली क्षमता गैर-जीवाश्म स्रोतों से प्राप्त कर चुका है, जो उसकी प्रगति को दशार्ता है। वैश्विक स्तर पर क्योटो प्रोटोकॉल का सफर उतार-चढ़ाव भरा रहा, लेकिन इसकी सबसे बड़ी सफलता यह रही कि इसने दुनिया को सामूहिक पर्यावरणीय कार्रवाई की दिशा दिखाई, प्रदूषक भुगतान करे सिद्धांत को व्यवहार में लागू किया और भविष्य की जलवायु नीतियों की मजबूत नींव रखी; सरल शब्दों में कहें तो आज जब दुनिया नेट-जीरो की बात करती है, तो उसकी जड़ें कहीं न कहीं क्योटो की उसी ऐतिहासिक पहल में निहित हैं। अंत में यही कहूंगा कि आज के संदर्भ में क्योटो प्रोटोकॉल ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि इसने पहली बार विकसित देशों पर ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन घटाने के कानूनी लक्ष्य तय किए।हालांकि, अब वैश्विक जलवायु नीति का केंद्र पेरिस समझौता बन चुका है, फिर भी क्योटो प्रोटोकॉल ने अंतरराष्ट्रीय सहयोग की नींव रखी।इस समझौते के कारण कार्बन बाजार, क्लीन डेवलपमेंट मैकेनिज्म (सीडीएम) जैसे तंत्र विकसित हुए, जिनसे विकासशील देशों को भी लाभ मिला।आज जलवायु परिवर्तन की बढ़ती चुनौतियों के बीच यह समझौता दुनिया को उत्सर्जन नियंत्रण की जिम्मेदारी याद दिलाता है। संक्षेप में, क्योटो प्रोटोकॉल आधुनिक वैश्विक जलवायु नीतियों का आधार माना जाता है।

राष्ट्र का सुनहरा भविष्य युवाशक्ति, नवयुवकों का जागरण और कर्तव्यबोध

कांतिलाल मांडोत

भारत सदियों से संयम, त्याग और आध्यात्मिक चेतना की भूमि रहा है। यहाँ आत्मसंयम को ही वास्तविक शक्ति माना गया है और चरित्र को ही मनुष्य की सबसे बड़ी संपत्ति समझा गया है। यही कारण है कि इस देश ने समय-समय पर ऐसे महान आदर्श प्रस्तुत किए, जिन्होंने न केवल भारत बल्कि सम्पूर्ण विश्व को दिशा दी। भीष्म पितामह की आजीवन ब्रह्मचर्य प्रतिज्ञा हो, भगवान महावीर का संयम और तप का संदेश हो या स्वामी विवेकानन्द का तेजस्वी व्यक्तित्व इन सबने सिद्ध किया कि सच्ची शक्ति बाहरी आडंबर में नहीं, बल्कि भीतर के आत्मबल में निहित होती है। आज आवश्यकता है कि युवा पीढ़ी इन आदर्शों को आत्मसात कर राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका को समझे, क्योंकि देश की बागडोर अब युवाओं के हाथ में है।

वर्तमान समय में युवाशक्ति अनेक चुनौतियों से घिरी हुई दिखाई देती है। भोगवादी प्रवृत्तियाँ, दिखावा, कृत्रिम जीवनशैली और व्यसनों की प्रवृत्ति ने युवाओं के नैसर्गिक तेज को धूमिल कर दिया है। देर रात तक अनावश्यक मनोरंजन में डूबे रहना, असंतुलित दिनचर्या, अस्वस्थ खान-पान और फैशन की अंधी दौड़ ने उनके शरीर और मन दोनों को कमजोर किया है। जबकि एक युवा के व्यक्तित्व में ऊर्जा, उत्साह, दृढ़ निश्चय और कर्मठता का संचार होना चाहिए। राष्ट्र का भविष्य उन्हीं कंधों पर टिका होता है जिनमें सामर्थ्य, चरित्र और कर्तव्यनिष्ठा का बल हो। यदि युवा स्वयं ही शारीरिक, मानसिक और नैतिक रूप से दुर्बल हो जाएँ, तो राष्ट्र की प्रगति कैसे संभव होगी?

कृत्रिमता के इस युग में मनुष्य बाहरी सजावट से अपनी वास्तविकता को ढकने का प्रयास करता है, परन्तु सच्चाई यह है कि कृत्रिम सौंदर्य कभी भी नैसर्गिक शक्ति और आत्मविश्वास का स्थान नहीं ले सकता। जिस प्रकार सूखी जड़ वाला वृक्ष ऊपर से हरा दिखाया जाए तो भी वह अधिक समय तक जीवित नहीं रह सकता, उसी प्रकार यदि युवा केवल बाहरी आडंबर में उलझे रहेंगे और आत्मिक विकास की ओर ध्यान नहीं देंगे, तो उनका व्यक्तित्व खोखला रह जाएगा। राष्ट्र निर्माण के लिए ऐसे युवाओं की आवश्यकता है जिनकी जड़ें मजबूत हों, जिनके भीतर आत्मसंयम और आत्मविश्वास की गहरी नींव हो।

भारत की सांस्कृतिक परंपरा ने सदैव संयम, तप और साधना को महत्व दिया है। यहाँ जीवन को केवल भोग का साधन नहीं, बल्कि साधना का अवसर माना गया है। स्वामी विवेकानन्द जब विश्व धर्म सम्मेलन में भाग लेने के लिए शिकागो गए, तब भी उन्होंने अपने संस्कारों और संयम को नहीं छोड़ा। उनके तेजस्वी व्यक्तित्व का रहस्य बाहरी आकर्षण नहीं, बल्कि भीतर की पवित्रता और आत्मबल था। यही आत्मबल युवाओं को अपनाना होगा। जब युवा अपने चरित्र को दृढ़ बनाते हैं, तब वे समाज में विश्वास और प्रेरणा के स्तंभ बनते हैं।

आज देश अनेक क्षेत्रों में परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। विज्ञान, तकनीक, शिक्षा, उद्योग, राजनीति और सामाजिक जीवन में नई संभावनाएँ उभर रही हैं। इन संभावनाओं को साकार करने की जिम्मेदारी युवाओं पर ही है। देश की बागडोर उनके हाथ में है, इसलिए उन्हें केवल अपने व्यक्तिगत सुख-सुविधा तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानना चाहिए। देश के प्रति समर्पण केवल नारों से सिद्ध नहीं होता, बल्कि अनुशासन, ईमानदारी और परिश्रम से प्रकट होता है। जब युवा अपने कर्तव्यों का पालन निष्ठा से करते हैं, तभी राष्ट्र सशक्त बनता है।

युवाओं का प्रथम कर्तव्य है कि वे स्वयं को शारीरिक और मानसिक रूप से सुदृढ़ बनाएं। स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का निवास होता है। नियमित दिनचर्या, संतुलित आहार, व्यायाम और योग से शरीर में ऊर्जा का संचार होता है। साथ ही अध्ययन, चिंतन और सत्साहित्य के माध्यम से बुद्धि का विकास होता है। ज्ञान से ही विवेक उत्पन्न होता है और विवेक से ही सही निर्णय लेने की क्षमता विकसित होती है। जब युवा विवेकशील बनेंगे, तब वे समाज को सही दिशा दे सकेंगे।

दूसरा महत्वपूर्ण कर्तव्य है नैतिक मूल्यों का पालन। ईमानदारी, सत्यनिष्ठा, करुणा और सहयोग की भावना ही समाज को जोड़ती है। यदि युवा भ्रष्टाचार, छल और स्वार्थ से दूर रहकर आदर्श जीवन जिएँगे, तो समाज में विश्वास की नींव मजबूत होगी। राष्ट्र का निर्माण केवल सड़कों और भवनों से नहीं, बल्कि सुदृढ़ चरित्र वाले नागरिकों से होता है। युवाओं को यह समझना होगा कि उनका प्रत्येक कार्य देश के भविष्य को प्रभावित करता है।

तीसरा कर्तव्य है सामाजिक जागरूकता और सक्रिय भागीदारी। युवाओं को पर्यावरण संरक्षण, शिक्षा प्रसार, स्वच्छता अभियान, डिजिटल साक्षरता और सामाजिक समरसता जैसे कार्यों में आगे आना चाहिए। वे नई सोच और नवाचार के माध्यम से देश को आत्मनिर्भर बना सकते हैं। तकनीकी दक्षता और रचनात्मकता के बल पर वे विश्व पटल पर भारत की प्रतिष्ठा को ऊँचा उठा सकते हैं। जब युवा अपने कौशल और प्रतिभा को राष्ट्रहित में समर्पित करते हैं, तब देश प्रगति की नई ऊँचाइयों को छूता है।

आज आवश्यकता है कि युवा कृत्रिम आकर्षणों से ऊपर उठकर वास्तविक जीवन मूल्यों को अपनाएँ। संयम का अर्थ केवल त्याग नहीं, बल्कि अपनी ऊर्जा का सही दिशा में उपयोग करना है। जब इन्द्रियाँ भोग से हटकर योग की ओर उन्मुख होती हैं, तब व्यक्ति में अद्भुत शक्ति का संचार होता है। यही शक्ति राष्ट्र निर्माण का आधार बनती है। युवाओं को चाहिए कि वे अपने भीतर आत्मगौरव और राष्ट्रगौरव की भावना को जागृत करें।

भारत का भविष्य उज्ज्वल तभी होगा जब उसकी युवा पीढ़ी जागरूक, अनुशासित और समर्पित होगी। आज का युवा यदि अपने वर्तमान को संवार ले, तो उसका कल स्वयं ही स्वर्णिम हो जाएगा। देश की प्रगति किसी एक नेता या संस्था पर निर्भर नहीं, बल्कि करोड़ों युवाओं के सामूहिक प्रयास पर आधारित है। जब प्रत्येक युवा यह संकल्प लेगा कि वह अपने जीवन को राष्ट्र के हित में उपयोग करेगा, तब भारत पुनः विश्वगुरु बनने की दिशा में अग्रसर होगा।

अंततः यही कहा जा सकता है कि राष्ट्र का सुनहरा भविष्य युवाशक्ति के जागरण में निहित है। युवाओं को अपने कर्तव्यों का बोध होना चाहिए और उन्हें पूरे समर्पण के साथ निभाना चाहिए। संयम, परिश्रम, नैतिकता और देशभक्ति के आधार पर ही एक सशक्त राष्ट्र का निर्माण संभव है। आज समय की पुकार है कि युवा स्वयं को बदलें, समाज को बदलें और राष्ट्र को नई ऊँचाइयों तक ले जाएँ। जब युवाशक्ति जागृत होगी, तब भारत का भविष्य सचमुच स्वर्णिम बनेगा।

संक्षिप्त समाचार

वेनेजुएला में तेल बिक्री एक अरब डॉलर पार, अमेरिका में ही जमा होगी राशि

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी ऊर्जा मंत्री क्रिस राइट ने पुष्टि की है कि वेनेजुएला के कच्चे तेल की बिक्री से होने वाली आमदनी अब एक अरब डॉलर से अधिक हो चुकी है और आगे से यह रकम कतर में बनाए गए अस्थायी खाते में नहीं, बल्कि सीधे अमेरिका के ट्रेजरी डिपार्टमेंट द्वारा नियंत्रित खाते में जमा की जाएगी। यह बदलाव ऐसे समय आया है, जब ट्रंप प्रशासन ने एक सैन्य कार्रवाई में पूर्व राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को पकड़ने के बाद वेनेजुएला की तेल बिक्री पर सीधा नियंत्रण कर लिया है। क्रिस राइट ने एक साक्षात्कार में बताया कि शुरुआत में लगभग 500 मिलियन डॉलर की तेल बिक्री राशि कतर में खोले गए एक खाते में जमा की गई थी, जिस पर पूरे समय अमेरिकी सरकार का नियंत्रण था। डेमोक्रेट सांसदों ने पूरी व्यवस्था की पारदर्शिता और वैधता पर सवाल उठाए हैं। सीनेटर चक शूमर (डी-न्यूयॉर्क) और एडम शिफ (डी-कैलिफोर्निया) ने गुरुवार को ऐसा कानून पेश किया है, जिसके तहत गवर्नमेंट अकाउंटेबिलिटी ऑफिस को कतर खाते का स्वतंत्र ऑडिट करने का निर्देश दिया जाएगा। जर्मन रिसर्च सेंटर फॉर जियोसाइंसेज के अनुसार, शुक्रवार को प्रशांत महासागर में स्थित वानुअतु के उत्तरी तट पर 6.32 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया। भूकंप का केंद्र जमीन से 10 किमी की गहराई पर था। शक्तिशाली झटकों के बावजूद, प्रशांत सुनामी चेतावनी केंद्र ने राहत की खबर दी कि इस भूकंप से सुनामी का कोई खतरा नहीं है। भूकंप के कारण किसी भी जान-माल के नुकसान की तत्काल कोई सूचना नहीं मिली है। वानुअतु रिंग ऑफ फायर क्षेत्र में स्थित है।

इंडोनेशिया में 23 फीट का दुनिया का सबसे लंबा सांप, वजन 213 पाउंड, इंसान पर हमले के मामले दुर्लभ

जकार्ता , एजेंसी। इंडोनेशिया के सुलावेसी द्वीप में मिले एक विशालकाय मादा रेटिकुलेटेड पाइथन ने वन्यजीव विज्ञान की दुनिया में नया अध्याय जोड़ दिया है। इस सांप का नाम रखा गया है इबु बैरोन, जिसका स्थानीय अर्थ भव्य या महारानी जैसी मादा माना जाता है। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स ने इसे आधिकारिक तौर पर दुनिया की अब तक सत्यापित रूप से मापा गया सबसे लंबा जंगली सांप घोषित किया है। इसकी लंबाई 23 फीट 8 इंच और वजन 213 पाउंड दर्ज किया गया है। नेशनल ज्योग्राफिक की रिपोर्ट के अनुसार इस ऐतिहासिक खोज के पीछे हैं खोजकर्ता और नेचुरल हिस्ट्री फोटोग्राफर राडू फ्रेंतिउ, जो पिछले दो दशकों से बाली में रह रहे हैं। बड़े सांपों से उनका पहले भी सामना होता रहा है, लेकिन इबु बैरोन ने उन्हें भी स्तब्ध कर दिया। उन्होंने कहा मैंने अपने जीवन में इतना बड़ा सांप कभी नहीं देखा। यह सांप आसानी से एक बछड़े को बल्कि शायद एक वयस्क गाय को भी निगल सकता है। पूरे इंडोनेशिया में जंगल कटने और शिकार घटने से बड़े सांप इंसानी इलाकों के करीब आ रहे हैं। रेटिकुलेटेड पाइथन जहरीले नहीं होते, लेकिन उनकी ताकत उन्हें खतरनाक शिकारी बना देती है। वे मवेशियों को मार सकते हैं और दुर्लभ मामलों में इंसानों पर भी हमला कर चुके हैं। डर के चलते इन्हें अक्सर मार दिया जाता है। स्थानीय संरक्षणवादी बुडी पुरवांतो ने खबर फैलते ही इबु बैरोन को बिकने या मारे जाने से बचाया और अपनी जमीन पर अस्थायी शेल्टर बनाया। फिलहाल वह वहां अन्य बचाए गए सांपों के साथ रह रही है। उसे जंगल में वापस छोड़ना जोखिम भरा माना गया, क्योंकि बड़े शिकार अब दुर्लभ हैं।

युवराज पहलवी की अपील पर म्यूनिख में जुटे 2.5 लाख लोग, ईरान पर बढ़ रहा चौतरफा दबाव

म्यूनिख, एजेंसी। जर्मनी के म्यूनिख शहर में चल रहे सुरक्षा सम्मेलन के दौरान ईरान की सरकार के खिलाफ बड़ा प्रदर्शन हुआ। पुलिस के मुताबिक, इस विरोध प्रदर्शन में करीब 2,50,000 लोग शामिल हुए। यह रैली ईरान के निर्वासित क्राउन प्रिंस रेजा पहलवी की उस अपील का नतीजा थी, जिसमें उन्होंने तेहरान पर अंतरराष्ट्रीय दबाव बढ़ाने की मांग की थी। म्यूनिख की सड़कों पर प्रदर्शनकारियों ने ढोल बजाकर और सरकार बदलने के नारे लगाकर विरोध किया। यह प्रदर्शन पहलवी के 'ग्लोबल डे ऑफ एक्शन' का हिस्सा था, जिसका मकसद ईरान में हो रहे विरोध प्रदर्शनों को अंतरराष्ट्रीय समर्थन दिलाना है। ऐसी ही रैलियों की अपील लॉस एंजिल्स और टोरंटो में भी की गई थी। प्रदर्शन में लोग 1979 की क्रांति से पहले वाले ईरान के झंडे लहरा रहे थे, जिन पर शेर और सूरज के निशान बने थे। एक मीडिया वार्ता में रेजा पहलवी ने चेतावनी दी कि अगर दुनिया के लोकतांत्रिक देश ईरान में हो रहे दमन पर चुप रहे, तो वहां और भी मौतें होंगी। उन्होंने सवाल किया कि क्या इस खतरे के समय में दुनिया ईरान के लोगों के साथ खड़ी होगी? उन्होंने कहा कि अगर ईरानी सरकार टिकी रहती है, तो यह दुनिया के हर तानाशाह को संदेश देगा कि लोगों को मारकर सत्ता बचाई जा सकती है।

आरोप- पुतिन ने अपने विरोधी को एपिबैटिडीन जहर देकर मारा

इससे पहले लकवा फिर दर्दनाक मौत होती है, दक्षिण अमेरिकी मेंढक में मिलता है

मॉस्को, एजेंसी। यूरोप के पांच देशों ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पर उनके विरोधी एलेक्सी नवलनी को 'एपिबैटिडीन जहर' देकर मारने का आरोप लगाया है। ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, स्वीडन और नीदरलैंड ने कहा है कि यूरोप की लैब में नवलनी के शरीर के नमूनों की जांच में एपिबैटिडीन पाया गया। ये जहर रूस में प्राकृतिक रूप से नहीं मिलता। इन देशों ने कहा कि रूस के पास यह जहर देने के साधन, मकसद और मौका तीनों थे। उन्होंने रूस के खिलाफ केमिकल वेपन्स कन्वेंशन के उल्लंघन की शिकायत करने की बात कही है। नेशनल ज्योग्राफिक के मुताबिक, ये जहर दक्षिण अमेरिका में पाए जाने वाले जहरीले डार्ट मेंढकों की त्वचा में मिलता है। यह जहर पहले शरीर को लकवाग्रस्त करता है, फिर सांस लेने में दिक्कत पैदा करता है और आखिर में दर्दनाक मौत हो सकती है।

एक डार्ट मेंढक का जहर 10 लोगों को मार सकता है : डार्ट मेंढक करीब दो इंच लंबे होते हैं, लेकिन उनके शरीर में इतना जहर होता है कि वह लगभग 10 वयस्क लोगों को मार सकता है। इन मेंढकों की त्वचा से निकाले जाने वाले जहर को एपिबैटिडीन कहा जाता है। यह एक न्यूरोटॉक्सिन है, यानी ऐसा जहर जो सीधे नर्व सिस्टम पर असर करता है। इसे एक रासायनिक हथियार के रूप में भी जाना जाता है। डार्ट मेंढक का जहर धरती के सबसे घातक जहरों में गिना जाता है। यह मॉर्फीन से लगभग 200 गुना ज्यादा ताकतवर है। इससे शरीर को लकवा मार सकता है, सांस लेने में गंभीर दिक्कत पैदा हो सकती है और दर्दनाक मौत होती है। वैसे तो एपिबैटिडीन मेंढकों में प्राकृतिक रूप से मिलता है, लेकिन इसे लैब में भी बनाया जा सकता है। यूरोपीय वैज्ञानिकों को शक है कि इस मामले में इसे लैब में तैयार किया गया था।

नवलनी आर्कटिक की जेल में सजा कर रहे थे : नवलनी की 16 फरवरी 2024 को आर्कटिक की एक जेल में मौत हो गई थी, वो यहां 19 साल की सजा काट रहे थे। वे सरकारी भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाते थे और विरोध प्रदर्शन करते थे। ब्रिटेन की विदेश मंत्री यवेट कूपर ने कहा कि रूस नवलनी को खतरे के रूप में देखता था और इस तरह का जहर इस्तेमाल कर उसने दिखाया कि वह राजनीतिक विरोध से कितना डरता है। फ्रांस के विदेश मंत्री जीन-नोएल बैरो ने कहा कि यह घटना दिखाती है कि पुतिन सत्ता में बने रहने के लिए बायोलॉजिकल हथियार तक इस्तेमाल करने को तैयार हैं। नवलनी की पत्नी यूलिया नवलनाया ने कहा कि उन्हें पहले दिन से यकीन था कि उनके पति को जहर दिया गया था और अब इसका सबूत मिल गया है। उन्होंने पुतिन को हत्यारा बताते हुए जवाबदेह ठहराने की मांग की। वहीं रूसी अधिकारियों का कहना है कि नवलनी टहलने के बाद बीमार पड़े और उनकी मौत प्राकृतिक कारणों से हुई। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने भी इन आरोपों को खारिज किया है।

नवलनी को पहले भी जेल जहर देने की कोशिश हुई थी : नवलनी पहले भी 2020 में जहर देने की कोशिश की गई थी। उस वक्त उन्हें 'नोविचोक' नाम का नर्व एजेंट दिया गया था। उन्होंने इसका आरोप क्रेमलिन पर लगाया था, लेकिन रूस ने इससे इनकार किया था। इलाज के लिए उन्हें जर्मनी ले जाया गया था। ठीक होने के बाद जब वे रूस लौटे तो उन्हें तुरंत गिरफ्तार कर लिया गया और अपनी जिंदगी के आखिरी तीन साल जेल में बिताए। ब्रिटेन पहले भी रूस पर ऐसे हमलों का आरोप लगाता रहा है। 2018 में इंग्लैंड के सैलिस्बरी शहर में पूर्व रूसी एजेंट सर्गेई स्क्रिपल पर 'नोविचोक' नर्व एजेंट से हमला हुआ था। वे और उनकी बेटी गंभीर रूप से बीमार हो गए थे। एक ब्रिटिश महिला डॉन स्टर्जेस की भी मौत हो गई थी। ब्रिटेन की जांच में कहा गया था कि इस हमले को हाई लेवल से मंजूरी मिली होगी। इसी तरह 2006 में लंदन में पूर्व रूसी एजेंट अलेक्जेंडर लिट्विनेंको की रेडियोएक्टिव पदार्थ पोलोनियम-210 से मौत हुई थी।

चीन का बड़ा कदम, 53 अफ्रीकी देशों पर मई 2026 से किया जीरो टैरिफ

बीजिंग, एजेंसी। चीन ने घोषणा की है कि वह 1 मई 2026 से अपने साथ राजनयिक संबंध रखने वाले 53 अफ्रीकी देशों से होने वाले आयात पर जीरो टैरिफ लागू करेगा। सरकारी मीडिया के अनुसार यह कदम अफ्रीका के साथ व्यापारिक संबंधों को मजबूत करने और महाद्वीप में अपनी वरीयतापूर्ण व्यापार व्यवस्था का विस्तार करने के मकसद से उठाया गया है। अब तक चीन 33 अफ्रीकी अल्प-विकसित देशों (एलडीसी) के 97 से 98 प्रतिशत टैरिफ लाइनों पर शुल्क-मुक्त पहुंच देता था, जिसे 2024 में सभी उत्पादों तक विस्तारित किया गया। नया फैसला लगभग पूरे अफ्रीका पर लागू होगा। केवल इस्वातिनी को इससे बाहर रखा गया है, क्योंकि उसके ताइवान के साथ राजनयिक संबंध हैं। यह कदम ऐसे समय में आया है जब अमेरिका के अफ्रीकन ग्रोथ एंड ऑपर्च्युनिटी एक्ट के नवीनीकरण को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है और यूरोपीय संघ के साथ आर्थिक साझेदारी समझौतों पर तनाव जारी है।

दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति रामाफोसा ने की थी चीन यात्रा : हाल ही में दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा ने चीन की यात्रा कर व्यापार वार्ता को आगे बढ़ाया। इसके बाद दक्षिण अफ्रीका के व्यापार मंत्री पार्क्स टाउ और चीन के वाणिज्य मंत्री वांग वेंटाओ के बीच एक गैर-बाध्यकारी रूपरेखा समझौते पर हस्ताक्षर हुए। मार्च 2026 तक 'अर्ली हार्वेस्ट एग्रीमेंट' को अंतिम रूप दिए जाने की उम्मीद है, जिससे दक्षिण अफ्रीकी निर्यात को चीनी बाजार में शून्य-शुल्क पहुंच मिलेगी। जनवरी से अगस्त 2025 के बीच चीन-अफ्रीका व्यापार 15.4 प्रतिशत बढ़कर 222.05 अरब डॉलर पहुंच गया। इस दौरान चीन का अफ्रीका को निर्यात 24.7 प्रतिशत बढ़कर 140.79 अरब डॉलर रहा, जबकि अफ्रीका से आयात केवल 2.3 प्रतिशत बढ़कर 81.25 अरब डॉलर हुआ। परिणामस्वरूप 2025 के पहले आठ महीनों में अफ्रीका का व्यापार घाटा 59.55 अरब डॉलर तक पहुंच गया। अफ्रीका मुख्यतः कच्चे तेल, तांबा, कोबाल्ट और लौह अयस्क जैसे कच्चे संसाधनों का निर्यात करता है, जुलाई 2024 से जून 2025 के बीच अफ्रीका ने चीन से 15,032 मेगावाट सौर पैनल आयात किए, जो पिछले वर्ष की तुलना में 60 प्रतिशत अधिक है।

अल-फाशेर में तीन दिन तक हिंसा में मारे गए 6000 से अधिक लोग, अर्धसैनिक बल ने किए अत्याचार: यूएन की रिपोर्ट

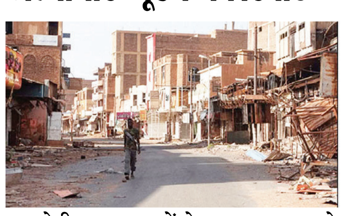

काहिरा, एजेंसी। सूडान के दारफुर क्षेत्र में एक अर्धसैनिक समूह ने अक्तूबर के अंत में तीन दिनों तक अत्यधिक हिंसा की। इसकी भयावहता और क्रूरता हैरान करने वाली थी। इस हिंसा में छह हजार से अधिक लोग मारे गए थे। संयुक्त राष्ट्र (यूएन) ने यह जानकारी दी है। यूएन का कहना है कि सूडान के अल-फाशेर में रैपिड सपोर्ट फोर्सेस (आरएसएफ) के हमले में तीन दिनों में कम से कम छह हजार लोग मारे गए। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय ने शुक्रवार को रिपोर्ट जारी की। इस रिपोर्ट में कहा गया कि अल-फाशेर शहर पर कब्जा करने के लिए हमले में आरएसएफ बड़े पैमाने पर ऐसे अत्याचारों में शामिल था, जो युद्ध और मानवता के खिलाफ अपराधों की श्रेणी में आते हैं। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त वोल्कर तुर्क ने कहा, अल-फाशेर पर आखिरी हमले में आरएसएफ और उसके सहयोगी अरब मिलिशिया की ओर से किए गए मनमाने अपरा दिखाते हैं कि अपराध के लिए सजा न देने से हिंसा के निरंतर चक्र को बढ़ावा मिलता है। अपराधियों को सजा न मिलने हिंसा को मिल रहा बढ़ावा आरएसएफ और उसके सहयोगी अरब समूहों ने 26 अक्तूबर को अल-फाशेर पर कब्जा कर लिया था। इन अरब समूहों को जनजावीद कहा जाता है। अल-फाशेर दारफुर में सूडानी सेना का आखिरी किला था। 18 महीनों की घेराबंदी के बाद आरएसएफ ने शहर और आसपास के इलाकों में लूटपाट की और जमकर हिंसा फैलाई। रिपोर्ट में सामूहिक हत्या और यौन हिंसा जैसे गंभीर अपराध का जिक्र संयुक्त राष्ट्र की 29 पन्नों की रिपोर्ट में कई खौफनाक अपराधों का विवरण दिया गया। इसमें सामूहिक हत्या, तुरंत फांसी, यौन हिंसा, फिरौती के लिए अपहरण, यातना और दुर्व्यवहार, हिरासत और गुमशुदगी शामिल हैं। रिपोर्ट में कहा गया कि कई मामलों में ये हमले नस्ल या समुदाय के आधार पर किए गए थे। आरएसएफ ने इस मामले में ईमेल के जरिये पूछे गए सवालों का कोई जवाब नहीं दिया।

मादुरो को पकड़ने के लिए अमेरिका ने एआई का किया था इस्तेमाल, रिपोर्ट में दावा

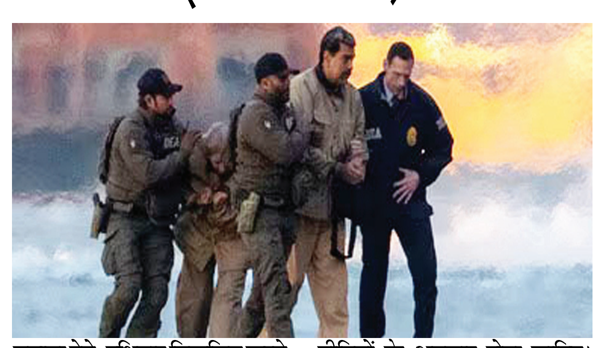

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सेना ने वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को पकड़ने के लिए एआई का इस्तेमाल किया था। वॉल स्ट्रीट जर्नल ने अपनी रिपोर्ट में यह दावा किया है। एंथ्रॉपिक पहला एआई मॉडल डेवलपर था जो गुप्त संचालन के लिए पेंटागन में इस्तेमाल किया गया। अमेरिकी सेना ने वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को पकड़ने के लिए एआई का इस्तेमाल किया था। वॉल स्ट्रीट जर्नल ने अपनी रिपोर्ट में यह दावा किया है। एंथ्रॉपिक पहला एआई मॉडल डेवलपर था जो गुप्त संचालन के लिए पेंटागन में इस्तेमाल किया गया। सेना द्वारा आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस का इस्तेमाल, एआई कंपनियों के लिए बड़ी साख बढ़ाने वाला माना जाता है। हालांकि एंथ्रॉपिक के दिशा-निर्देशों में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि हिंसा को बढ़ावा देने, हथियार विकसित करने या निगरानी करने में इसका इस्तेमाल न किया जाए। इसके बावजूद इस ऑपरेशन में उपयोग किया गया। गौरतलब है कि मादुरो और उनकी पत्नी को कराकस से गिरफ्तार किया गया था। इस ऑपरेशन कई जगहों पर बमबारी के बाद अंजाम दिया गया। एंथ्रॉपिक के प्रवक्ता ने बताया कि 'क्लॉड का कोई भी इस्तेमाल, चाहे वह निजी क्षेत्र में हो या सरकार द्वारा हो, हमारी नीतियों के अनुसार होना चाहिए। हमारी नीतियां स्पष्ट हैं कि क्लॉड का उपयोग कैसे किया जा सकता है। हम अपने साझेदारों के साथ मिलकर अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए काम करते हैं।' क्लॉड को तैनात किया गया क्योंकि पेंटागन द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले उपकरणों की डेटा कंपनी पेलान्टिर टेक्नोलॉजीज का एंथ्रॉपिक के साथ साझेदारी है। वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के मुताबिक क्लॉड के उपयोग को लेकर एंथ्रॉपिक की चिंताओं के बाद अमेरिकी अधिकारी बड़ा फैसला ले सकते हैं। एंथ्रॉपिक के बयान के बाद अमेरिकी अधिकारी 200 मिलियन डॉलर तक के अनुबंध रद्द करने पर विचार कर रहे हैं। एंथ्रॉपिक के चीफ एग्जीक्यूटिव डारिओ अमोडेई ने कहाकि एआई के इस्तेमाल में नियम-निर्देशों का सख्ती से पालन होना चाहिए। ताकि एआई से किसी तरह का नुकसान न हो। एंथ्रॉपिक कंपनी के अधिकारियों द्वारा जारी बयानों ने पेंटागन के साथ कांट्रैक्ट की राह में बाधा खड़ी कर दी है। रक्षा सचिव पीट हेगसेठ ने जनवरी में कहा था कि पेंटागन उन एआई मॉडल्स के साथ कोलैबोरेट नहीं करेगा, जो युद्ध लड़ने की अनुमति नहीं देते। रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने एंथ्रॉपिक की चर्चाओं का हवाला देते हुए यह बात कही थी।

'भारत सफल उभरती अर्थव्यवस्था', संयुक्त राष्ट्र प्रमुख बोले-AI शिखर सम्मेलन के लिए सबसे सही जगह

वाशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने भारत की सराहना करते देश को एक बेहद सफल उभरती अर्थव्यवस्था करार दिया है। उन्होंने अपने बयान में कहा कि वैश्विक मामलों में भारत का प्रभाव लगातार बढ़ रहा है। इसलिए एआई पर होने वाला आगामी शिखर सम्मेलन की मेजबानी के लिए भारत सबसे सही स्थान है। दरअसल, भारत-एआई इम्पैक्ट समिट 2026 से पहले संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में एक विशेष साक्षात्कार में गुटेरेस ने इस बात पर जोर दिया कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता से पूरी दुनिया को फायदा होना चाहिए और यह सिर्फ विकसित देशों या दो महाशक्तियों के लिए आरक्षित विशेषाधिकार नहीं बनना चाहिए। इसी के साथ उन्होंने कहा है कि भारत वैश्विक मामलों में अधिक प्रभाव रखने वाली एक 'बेहद सफल' उभरती हुई अर्थव्यवस्था है और एआई शिखर सम्मेलन की मेजबानी के लिए सही जगह है। इंटरव्यू के दौरान एंटोनियो गुटेरेस ने कहा, 'मैं इस शिखर सम्मेलन के आयोजन के लिए भारत को हार्दिक बधाई देता हूं। यह अत्यंत आवश्यक है कि एआई का विकास हर किसी के लाभ के लिए हो और वैश्विक दक्षिण के देश भी एआई के लाभों का हिस्सा बनें।' बता दें कि 16 से 20 फरवरी तक आयोजित होने वाला यह उच्च स्तरीय कार्यक्रम ग्लोबल साउथ (वैश्विक दक्षिण) में आयोजित होने वाला पहला एआई शिखर सम्मेलन होगा और यह 'लोग, ग्रह और प्रगति' के तीन मार्गदर्शक सिद्धांतों पर आधारित है। गुटेरेस, जो एआई शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए भारत की यात्रा करेंगे, उन्होंने जोर देकर कहा कि यह पूरी तरह से अस्वीकार्य होगा कि एआई केवल सबसे विकसित देशों का विशेषाधिकार हो या केवल दो महाशक्तियों के बीच का विभाजन हो, जो स्पष्ट रूप से उनका अमेरिका और चीन की तरफ इशारा था। गुटेरेस ने कहा कि यह बिल्कुल आवश्यक है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता मानव जाति के लाभ के लिए एक सार्वभौमिक उपकरण बनाया जाए।

एआई महाशक्तियों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए : गुटेरेस ने स्पष्ट किया कि एआई केवल सबसे विकसित देशों द्वारा नियंत्रित या दो वैश्विक महाशक्तियों के प्रभुत्व वाला उपकरण नहीं बनना चाहिए। सीधे तौर पर नाम लिए बिना, उन्होंने अमेरिका और चीन का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि एआई के लाभ कुछ ही देशों तक सीमित रहना अस्वीकार्य होगा। इसके बजाय, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वैश्विक दक्षिण के देशों को भी इस शक्तिशाली तकनीक के लाभों में हिस्सेदारी मिलनी चाहिए। उनके अनुसार, एआई एक सार्वभौमिक उपकरण बनना चाहिए जो विश्व स्तर पर विकास, नवाचार और प्रगति का समर्थन करे।

भारत-एआई इम्पैक्ट समिट 2026 : 16 से 20 फरवरी तक आयोजित होने वाला यह उच्च स्तरीय शिखर सम्मेलन वैश्विक दक्षिण में आयोजित होने वाला पहला एआई शिखर सम्मेलन होगा। इस आयोजन का मुख्य विषय होगाः लोग, ग्रह और प्रगति। विश्व के कई प्रमुख नेता और प्रौद्योगिकी क्षेत्र के अधिकारी इसमें शामिल होने की उम्मीद है, जिनमें फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन, ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज़ इनासियो लूला दा सिल्वा, गूगल और अल्फाबेट के सीईओ सुंदर पिचाई, एडोब के सीईओ शांतनु नारायण और एंथ्रोपिक के सीईओ डारियो अमोदेई शामिल हैं। गुटेरेस स्वयं चर्चाओं में भाग लेने के लिए नई दिल्ली की यात्रा करेंगे।

अमेरिका में लापता हुए भारतीय छात्र साकेत श्रीनिवासैया की मौत, 6 दिन बाद पाया गया शव

न्यूयार्क, एजेंसी। अमेरिका के बर्कली में लापता हुए भारतीय छात्र का 6 दिन बाद शव पाया गया है। 22 साल के साकेत श्रीनिवासैया यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफॉर्निया में पोस्ट ग्रैजुएशन के छात्र थे और वह अचानक 9 फरवरी को लापता हो गए थे। सैन फ्रांसिस्को में भारतीय कॉन्सुलेट ने उनके शव के पाए जाने की पुष्टि की है। मिशन की तरफ से कहा गया. हमें बेहद दुख है कि पुलिस ने बताया है कि साकेत श्रीनिवासैया की मौत हो गई है और उनका शव पाया गया है। हम साकेत के परिवार वालों के लिए संवेदना व्यक्त करते हैं। भारतीय मिशन ने कहा, हम साकेत के परिवार की हर संभव मदद करने को तैयार हैं। स्थानीय प्रशासन के साथ तालमेल के जरिए हम साकेत के पार्थिव शरीर को भारत भिजवाने का प्रबंध कर रहेहैं। हमारा कार्यालय परिवार के साथ सीधे संपर्क में है और सभी औपचारिकताओं के लिए भी हम परिवार के साथ खड़े हैं।

कहां से लापता हो गए थे साकेत : जानकारी के मुताबिक साकेत आखिरी बार बर्कली हिल्स इलाके में देखे गए थे। वह अंजा लेक के पास गए थे। स्थानीय मीडिया के मुताबिक उनका पासपोर्ट और लैपटॉप पास में ही पाया गया है। कर्नाटक के रहने वाले श्रीनिवासैया ने आईआईटी मद्रास से बीडटेक किया था और आगे की पढ़ाई के लिए वह अमेरिका गए थे। 2025 में ही उन्होंने यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफॉर्निया में ऐडमिशन लिया था। 13 फरवरी को कर्नाटक सरकार की मुख्य सचिव ने विदेश सचिव विक्रम मिसरी को पत्र लिखा था। इसमें कहा गया है कि साकेत के परिवार से मिली जानकारी के अनुसार, बर्कले पुलिस विभाग में औपचारिक शिकायत दर्ज कराए जाने के बावजूद उसका कोई पता नहीं चल सका है। स्थिति की गंभीरता और राज्य में रह रहे उनके परिवार की बढ़ती चिंता को देखते हुए, शालिनी ने विदेश मंत्रालय से इस मामले में हस्तक्षेप और सहायता का अनुरोध किया था। साकेत के रूममेट ने ही सबसे पहले उनके गायब होने की बात सोशल मीडिया पर बताई थी और पुलिस से मदद मांगी थी। साकेत के कमरे में साथ रहने वाले बिनीत सिंह ने कहा कि इस घटना से यहां रहने वाला हर भारतीय स्तब्ध है। उन्होंने कहा, हम प्रशासन के साथ मिलकर साकेत के परिवार को इमर्जेंसी वीजा पर अमेरिका बुलाने का प्रयास कर रहे हैं। बिनीत ने कहा कि 9 फरवरी को लापता होने से पहले साकेत ज्यादा कुछ खाते-पीते नहीं थे। वह अकसर चिप्स खाकर ही रह जाते थे। हालांकि इसके अलावा उनके चहरे पर कोई तनाव नहीं दिखता था। उन्होंने कहा कि 21 जनवरी को भी श्रीनिवासैया ने उन्हें झील के किनारे बुलाया था।

बांग्लादेश में नए पीएम का शपथ ग्रहण, भारत के अलावा 12 देशों को भी भेजा गया है न्योता

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश के आम चुनवाों में बीएनपी को बड़ी जीत मिलने के बाद प्रधानमंत्री समेत पूरे मंत्रिमंडल का शपथ ग्रहण 17 फरवरी को होने जा रहा है। इस समारोह का दिलचस्प पहलू यह है कि यह राष्ट्रीय संसद परिसर के साउथ प्लाजा में आयोजित किया जा रहा है जबकि अभी तक शपथ ग्रहण समारोह राष्ट्रपति भवन में आयोजित होते रहे हैं। समाचारपत्र 'प्रोथोम आलो' और 'इत्तेफाक' में प्रकाशित खबर के अनुसार, समारोह के बाद मुख्य निर्वाचन आयुक्त एएमएम नासिर उद्दीन नव-निर्वाचित सांसदों को पद की शपथ दिलाएंगे, जबकि संविधान के अनुसार यह शपथ अध्यक्ष शिरीन शरमिन चौधरी द्वारा दिलाई जानी चाहिए।

इन देशों को भेजा गया है न्योता : बांग्लादेश में प्रधानमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए भारत-पाकिस्तान समेत 13 देशों को न्योता भेजा गया है। इनमें चीन, सऊदी अरब, तुर्की, यूएई, कतर, मलेशिया, ब्रुनेई, श्रीलंका, नेपाल, मालदीव और भूटान शामिल हैं। बीएनपी चीफ तारिक रहमान प्रधानमंत्री पद की शपथ लेंगे। बता दें कि बांग्लादेश ने भारत को न्योता भेजा है लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का ढाका जाना असंभव ही है। 17 तारीख को ही प्रधानमंत्री मोदी की फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ पूर्व निर्धारित बैठक होने वाली है। ऐसे में किसी प्रतिनिधि को ढाका भेजा जा सकता है।

पीएम मोदी का ढाका जाना मुश्किल : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तारिक रहमान को सबसे पहले बधाई देने वाले नेताओं में शामिल थे। उनके संदेश के बाद बीएनपी ने कहा, 'बांग्लादेश अपने सभी नागरिकों के लिए लोकतांत्रिक मूल्यों, समावेशिता और प्रगतिशील विकास को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। हम आपसी सम्मान, एक-दूसरे की चिंताओं के प्रति संवेदनशीलता और अपने क्षेत्र में शांति, स्थिरता और समृद्धि के प्रति साझा प्रतिबद्धता के मार्गदर्शन में, भारत के साथ रचनात्मक रूप से जुड़कर अपने बहुआयामी संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए तत्पर हैं।'

शपथ ग्रहण के दौरान कई चुनौतियां : तारिक रहमान के एक प्रमुख सहयोगी ने नाम न उजागर की शर्त पर बताया कि मौजूदा परिस्थितियों ने मामलों को थोड़ा जटिल बना दिया है। उन्होंने कहा, '' पिछली संसद की अध्यक्ष को सांसदों को शपथ दिलानी होती है, लेकिन उन्होंने इस्तीफा दे दिया है और अज्ञात स्थान पर रह रही हैं, जबकि उपाध्यक्ष जेल में हैं। इन परिस्थितियों में राष्ट्रपति संविधान में तय प्रावधान के अनुसार किसी और को शपथ दिलाने के लिए चुन सकते हैं।'' इससे पहले, कैबिनेट सचिव शेख अब्दुर राशिद ने कहा था कि संविधान के अनुरूप राष्ट्रपति नए मंत्रिमंडल को शपथ दिलाएंगे, लेकिन उन्होंने समारोह की तारीख नहीं बताई।

बांग्लादेश में राजनीतिक उथल-पुथल के बीच 13वें संसदीय चुनाव को काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा था। अगस्त 2024 में छात्रों के नेतृत्व में हुए प्रदर्शनों के बाद 15 वर्ष से अधिक समय तक शासन करने वालीं शेख हसीना को सत्ता छोड़कर भारत भागना पड़ा था, जिसके बाद अल्पसंख्यकों पर व्यापक हमले भी हुए थे।

हेल्थ प्लस

अमृतफल अमरूद

अमरूद स्वास्थ्य की दृष्टि से उपयोगी फल है। इससे स्नायुमंडल, पाचन संस्थान, दिल और दिमाग़ को बल मिलता है। इससे हमें विटामिन सी, फाइबर, कैल्शियम, फासफोरस और पोटैशियम की प्रचुर मात्रा प्राप्त होती है। पौष्टिकता से भरपूर होने के कारण इसे संस्कृत में अमृतफल कहा जाता है। अमरूद कभी छीलकर नहीं खाना चाहिए, क्योंकि इनमें विटामिन सी काफी मात्रा में होता है, जो दांतों और मसूड़ों के रोगों और जोड़ों के दर्द में बहुत उपयोगी है। पके अमरूद की अपेक्षा कच्चे अमरूद में विटामिन सी अधिक मात्रा में पाया जाता है। खाना खाने के पहले अमरूद के नियमित सेवन से कब्ज की शिकायत नहीं होती। अमरूद के प्रयोग से सेरम कोलेस्ट्रॉल घटा कर हाई ब्लड प्रैशर से बचाव किया जा सकता है। इसके बीजों को खूब चबा-चबा कर खाने से शरीर को आयरन की आपूर्ति होती है। अमरूद के पेड़ की जड़ें, तने, पत्ते सभी दवा बनाने में काम आते हैं। पेटदर्द में अमरूद का सफेद गूदा नमक के साथ खाने से लाभ मिलता है। पुराने जुकाम के रोगी के लिए आग में भुना हुआ गरम अमरूद नमक और काली मिर्च के साथ स्वास्थ्य लाभ दे सकता है।

सुंदर बालों के लिए भृंगराज

भृंगराज संस्कृत का शब्द है, जिसका अर्थ है- वह जो बालों को चमकीला रंग प्रदान करता है। यह बालों की ग्रोथ बढ़ाता है और उन्हें काले व घने बनाता है। बालों को समय से पहले सफेद होने और गंजे होने से बचाने में भृंगराज सहायता करता है। इसका स्वाद तीखा और कड़वा होता है। यह इंटरनली और एक्सर्टनली दोनों तरह से ही फायदेमंद है। इंटरनली भृंगराज कई बीमारियों में लाभदायक है। म्यूकस कम करता है और अस्थमा व खांसी में सांस लेने में राहत पहुंचाता है। यह भूख और पाचन शक्ति बढ़ाता है। इसके सेवन से स्मरण शक्ति व आंखों की रोशनी तेज होती है। यह दांतों और त्वचा के रोगों में फायदेमंद है। यह सबसे बढ़िया ब्लड प्यूरीफायर्स में से एक है। सोजिश और दर्द होने पर इसका लेप लगाने से आराम मिलता है। भृंगराज का पेस्ट लगाने से क्रॉनिक व संक्रमित जख्म बेहतर ढंग से साफ किए जा सकते हैं और वे जल्दी ही भर भी जाते हैं। इसके ताजा जूस के साथ सिर की मसाज करने से सिर दर्द दूर हो जाता है।

कैंसर से बचाव के लिए करें संतुलित भोजन

विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा यह पाया गया है कि संतुलित भोजन द्वारा कैंसर से बचा जा सकता है। कैंसर के बढ़ते मामलों में से 40 प्रतिशत को संतुलित भोजन एवं नियमित शारीरिक व्यायाम कर तथा धूम्रपान, तंबाकू, गुटखे से दूर रहकर नियंत्रित किया जा सकता है। वैसे भोजन एवं पथ्य-अपथ्य का सभी रोगों में महत्व है। पथ्य-अपथ्य के पालन से सभी बीमारियों का नियंत्रण सरल हो जाता है। कैंसर के मामले में भी ऐसा ही है। कैंसर ज्ञात हो जाए तो उसका जांच उपरांत निदान अवश्य कराएं एवं जांच व उपचार से कतराएं नहीं।

कमर दर्द के लिए पिन होल सर्जरी

आजकल युवाओं में डिस्क (कमर) दर्द की शिकायत आम बात हो गई है। डिस्क के दर्द का मुख्य कारण व्यस्त व अनियमित दिनचर्या है। डिस्क पेन आगे झुकने से, वजन उठाने से, झटका लगने से, गलत तरीके से उठने-बैठने व सोने से, इसके अलावा व्यायाम के अभाव एवं पेट आगे निकलने के कारण भी हो सकता है। वास्तव में मानव के रीढ़ की बनावट ही है, जिसकी वजह से वह इस धरती पर राज कर रहा है। दरअसल हमारी रीढ़ की बनावट साइकिल की चेन के समान लचीली होती है न कि लाठी की तरह सीधी।

यही कारण है कि हमारा आगे-पीछे, दाएं-बाएं झुकना संभव हो पाता है? स्पाइन (रीढ़) पूरे शरीर में 33 खंडों में बंटा होता है। प्रत्येक खंड को वर्टिब्रा (मेरूदंड) कहते हैं। प्रति दो खंडों के बीच में एक डिस्क होती है, जो वर्टिब्रा को हुक की तरह जोड़कर रखती है। रीढ़ के पीछे स्पाइन कैनाल होता है जिसके भीतर नसें मस्तिष्क से पैर की ओर गुजरती हैं। स्पाइन का वजन काफी कम होता है, पेरूस्थल के बीच डिस्क बहुत ही व्यवस्थित ढंग से फिट रहती हैं और डिस्क वर्टिब्रा पर अंकुश कायम रखती हैं अगर किसी कारण से वर्टिब्रा आगे की तरफ खिसकती है तो वह स्थिति मरीज के लिए बहुत घातक होती है। कमर दर्द का आज की तारीख में सबसे बेहतर इलाज है पिन होल सर्जरी, जिसके बारे में गंगाराम अस्पताल के वरिष्ठ चिकित्सक डा. सतनाम सिंह छाबड़ा सलाह देते हैं कि नई उपलब्धियों के कारण अब डिस्क (कमर) दर्द का इलाज लेजर डिस्केटॉमी द्वारा सफलतापूर्वक किया जा सकता है। इस तकनीक द्वारा उन रोगियों का इलजा भी सफलतापर्वूक किया जा सकता है जिन्हें सामान्य इलाज से कोई राहत नहीं मिलती। इस प्रक्रिया का कोई हानिकारक इसर भी नहीं है।

खेलोगे-कूदोगे तो बनोगे लाजवाब

खेलने से बच्चे फिजिकली और मेंटली चुस्त-दुरुस्त रहते हैं और उनका सामाजिक जीवन भी बेहतर बनता है। बढ़ती उम्र में गंभीर बीमारियों से बचने के लिए बचपन से ही रोजाना खेल-कूद को अपनी हैबिट बना लें...

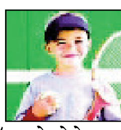

किसी वक्त कहा जाता था- 'पढ़ोगेलि खोगे, तो बनोगे नवाब, खेलोगे- कूदोगे, तो बनोगे खराब।' लेकिन अब कहा जाता है- '...खेलोगे-कूदोगे, तो बनोगे लाजवाब।' इसका कारण है उम्र बढ़ने के साथ होने वाली कई गंभीर बीमारियां, जिनका प्रमुख कारण है फिजिकली एक्टिव न होना।

बच्चे जब छोटी उम्र से ही कार्टून चैनल्स और प्लेइंग गैजेट्स की बजाय क्रिकेट, फुटबॉल, टैनिस, बैडमिंटन जैसे आउटडोर गेम्स में रुचि लेने लगते हैं, तो इससे न सिर्फ उनकी फिजिकल व मेंटल हैल्थ इम्प्रूव होती है, बल्कि पढ़ाई में भी उनका प्रदर्शन बेहतर होता है। जब बच्चे कंप्यूटर पर गेम्स खेलते हैं, तो बंद कमरे में खेलने के कारण उनका जीवन की वास्तविक सच्चाईयों से सामना नहीं होता, लेकिन बाहर मैदान में दोस्तों के साथ खेलते हुए वे जिंदगी की चुनौतियों को जान-समझ लेते हैं और अपनी समझ-बूझ से उनका दृढ़ता से सामना भी करना सीख जाते हैं।

हैल्थ बैनेफिट्स

फ्लेक्सिबिलिटीः जब बच्चे फुटबॉल, बैडमिंटन, स्वीमिंग आदि खेल खेलते हैं, तो उनके ज्वाइंट्स के आस-पास मूवमेंट होने लगता है। इसी मूवमेंट के कारण उनके शरीर की फ्लेक्सिबिलिटी तेजी से बढ़ती है।

ग्लैंड्स पर प्रभावः जब बच्चे सुबह खुले मैदान में दौड़भा ग वाले खेलों में भाग लेते हैं, तो उनके शरीर में थायरॉइड ग्लैंड, पिट्यूटरी ग्लैंड, एडरीनल ग्लैंड आदि से हार्मोन का सिक्रीशन समुचित मात्रा में होता है। इससे बच्चे के शरीर का विकास सही तरीके से होता है।

इम्यून सिस्टमः कुछ बच्चों में रोगों से लड़ने की क्षमता कम होती है और वे अक्सर सर्दी-खांसी से परेशान रहते हैं। लेकिन यदि वे रोजाना दौड़-भाग वाले खेलों में भाग लेते हैं, तो इससे उनका इम्यून सिस्टम मजबूत होता है व बीमारियों से लड़ने की क्षमता भी बढ़ती है।

ब्लड सर्कुलेशनः दौड़-भाग वाले खेलों में हिस्सा लेने से बच्चों के शरीर में ब्लड सर्कुलेशन सही तरीके से होने लगता है। इससे न सिर्फ शरीर हैल्दी बनता है, बल्कि कई बीमारियों का खतरा भी कम हो जाता है।

हार्ट बीटः आउट डोर गेम्स से हार्ट-बीट यानी सांस लेने की गति बढ़ जाती है। इससे शरीर के सभी सैल्स तक ऑक्सीजन पहुंचने की प्रक्रिया इम्प्रूव होती है। धीरेधीरे जब बच्चे इन खेलों में अभ्यस्त हो जाते हैं, तो उनकी हार्ट बीट सामान्य होने लगती है। इससे भविष्य में हार्ट डिसीज होने का खतरा कम हो जाता है।

स्टेमिनाः फुटबॉल, क्रिकेट, स्वीमिंग, टैनिस इत्यादि खेलों से बच्चों का स्टेमिना लगातार बढ़ता जाता है। खेलने से भूख भी बढ़िया लगती है और भोजन भी आसानी से हजम हो जाता है। इससे उनकी काम करने और पढ़ने की एफिशिएंसी भी बढ़ जाती है।

मेंटल हैल्थ : खेलने से बच्चों के अंदर कम्पीटिशन की भावना पैदा होती है। कम्पीटिशन की भावना उन्हें दिमागी तौर पर मजबूत बनाती है। जब बच्चे मेंटली स्ट्रॉन्ग होंगे, तो वे सही फैसला ले पाएंगे। हार सहने की ताकत उन्हें खेल के मैदान से ही मिलती है। वे जान लेते हैं कि जीत की इतनी खुशी नहीं मनानी चाहिए कि दूसरों को दुख हो और न ही हार का इतना दुख होना चाहिए कि दोबारा खेल ही न सको। यही टॉलरेंस उन्हें भावी जिंदगी में भी तनावों से दूर रखती है। जिन लोगों में सहनशीलता नहीं होती, वे जल्दी ही स्ट्रैस के शिकार हो जाते हैं।

सोशल बैनेफिट्स

सोशल को-ऑपरेशनः जब बच्चा घर की चारदीवारी के भीतर ही रहता है, तो उसका सामाजिक दायरा भी सिमट कर रह जाता है, लेकिन जब वह दूसरे बच्चों के साथ प्ले-ग्राउंड पर खेलने जाता है, तो वहां वह नए बच्चों के साथ दोस्ती करता है और उसमें धीरे-धीरे सहयोग की भावना विकसित होती है।

अनुशासन : खेल बच्चों को अनुशासित बनाता है। खेल में वे समय का महत्व जान जाते हैं। वे जान लेते हैं कि समय निकल जाने पर लकीर पीटने का कोई फायदा नहीं होता। अनुशासित व्यक्ति ही जीवन के हर क्षेत्र में सफल होता है।

टीम-स्पिरिटः सबसे महत्वपूर्ण बात जो खेल बच्चों को सिखाता है, वह है टीम-भावना। वह भावनाओं के समुद्र में ज्यादा नहीं भटकता। यह स्पिरिट उन्हें यही सिखाती है- हार और जीत जीवन के हिस्से हैं या यूं कहें कि यह हमें सिखाती है कि कभी हम गेम जीतते और कभी हम गेम नहीं जीतते, लेकिन हम हारते कभी नहीं हैं। स्पोर्ट्समैन स्पिरिट भविष्य में करियर और प्रोफैशनल लाइफ में भी बेहद महत्वपूर्ण है।

एकाग्रताः खेल बच्चों में एक और गुण का विकास करते हैं, वह है- एकाग्रता। यह गुण ताउम्र बच्चे को जीवन में आगे बढ़ने में सहायक साबित होता है।

जीत का जज्बाः स्पोर्ट्स बच्चे के अंदर जीत का जज्बा पैदा करते हैं। यह एक ऐसा जज्बा है, जो नामुमकिन को मुमकिन बनाने की ललक पैदा करता है। यही ललक न सिर्फ उन्हें खेलों में जीत दिलाती है, बल्कि उनमें जिंदगी की चुनौतियों का सामना करने का साहस भी पैदा करती है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष – चू चे चो ला ली लू ले लो आ

अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। किसी नजदीकी शुभचिंतक सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-5-6-7

वृष – इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व उत्तम लाभ मिलेगा। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। आत्मचिंतन कर। पुराने मित्र से मिलन होगा। पुरुषार्थ का सहारा लें। यात्रा का योग बनेगा। विद्यार्थियों को लाभ। शुभांक-5-7-8

मिथुन – का की कू घ ड छ के को हा

शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। स्वविवेक से कार्य कर। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। शुभांक-4-6-7

कर्क – ही हू हे हो डा डी डू डे डो

कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। कामकाज की अधिकता रहेगी। शुभांक-4-6-7

सिंह – मा मी मू मे मो टा टी टू टे

प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सभा-गोष्ठियों में सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आनन्ददायक दिन रहेगा। आमोद-प्रमोद का दिन होगा। व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-6-7-9

कन्या – टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। उन्नति के योग हैं। शुभांक-4-5-7

तुला – रा री रु रे रो ता ती तू ते

नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होंगी। कार्य साधक दिन है व्यर्थ न गंवाऐ। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। जो चल रहा हैं उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-7-8-9

वृश्चिक – तो ना नी नू ने नो य यी यू

जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। शुभांक-4-6-8

धनु – ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर वाले मदद करेंगे। शुभांक-5-7-9

मकर – भे जा जी खी खू खे खो गा गी

बचते-बचते कलह विवाद का डर रहेगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दे शुभांक-2-4-6

कुंभ – गू गे गो सा सी सू से सो दा

सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम। व्यवसायिक अभ्युदय होगा और प्रसन्नताएं बढ़ेगी। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। धार्मिक यात्रा का योग हैं। शुभांक-5-6-7

मीन – दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। किसी पुराने संकल्प को पुरा कर लेने का दिन हैं। 'आगे-आगे गौरख जागे' वाली कहावत चरितार्थ होगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-4-6-8

काकुरो पहेली - 1990

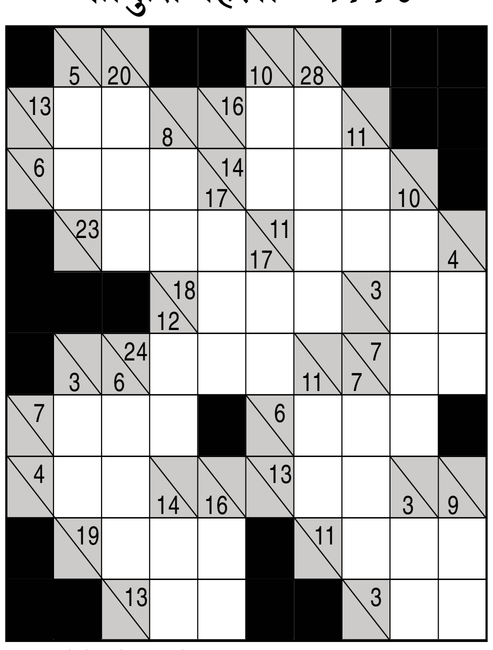

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

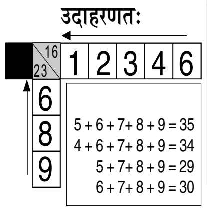

5+6+7+8+9=35
4+6+7+8+9=34
5+7+8+9=29
6+7+8+9=30

काकुरो - 1989 का हल

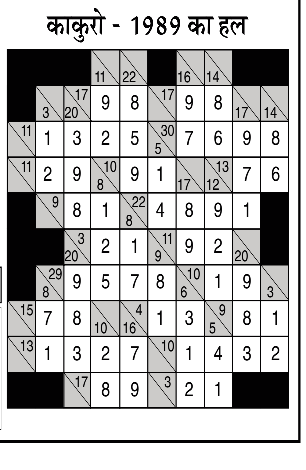

हंसी के फूव्वारें

एक अभिनेत्री ने ब्यूटी-क्लीनिक की मालकिन से अपने चेहरे के दाग को मिटाने का रेट पूछा.

'पांच सौ रुपये लगेंगे !'

'पांच सौ तो ज्यादा हैं !'

'फिर ?'

'कोई सस्ता तरीका बताइए !'

'सस्ता नहीं मुफ्त का तरीका है.'

'कृपया जल्दी बताइये !'

' घूंघट निकालना शुरू कर दीजिए! आपका काम मुफ्त में बन जायेगा.'

□ □ □

एक आंखों के डाक्टर ने अपने एक सर्जन मित्र को नजर का चश्मा बनाकर दिया. संयोग से उसी दिन आंखों के डाक्टर को उसी सर्जन से अपना ऑपरेशन करवाना पड़ा.

फिर जब वह ऑपरेशन टेबल पर लेट गया तो सर्जन चश्मा लगाकर बोला- 'रेडी ! मैं तैयार हो गया हूँ ! अब तुम बताओ कि तुम कहां हो?'

आंखों का डाक्टर तुरन्त मेज से कूद पड़ा.

□ □ □

प्रशंसिका: ''आपके उपन्यास का अंतिम सीन बहुत अच्छा है.''

उपन्यासकार: ''उपन्यास के आरंभ के विषय में आपका क्या विचार है?''

प्रशंसिका: ''मैं उसे अभी पढ़ना शुरू करने वाली हूँ.''

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 1990

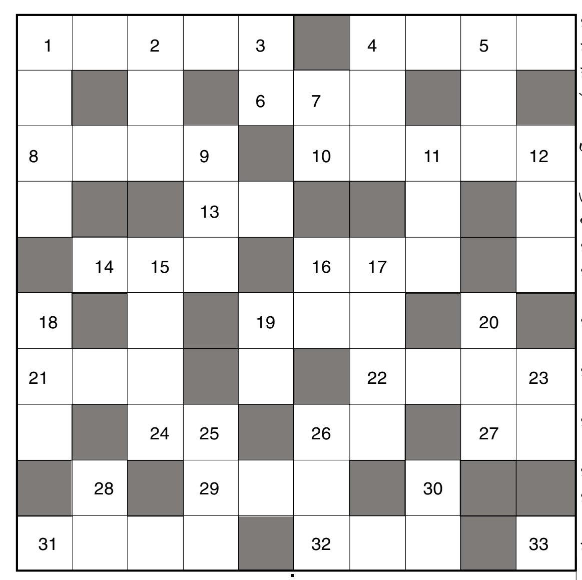

बायें से दायें:-

१. संजीव कुमार, वहीदा रहमान की 'ऐ मेरी आँखों के पहले सपने' गीत वाली फिल्म-२,३
४. 'चलो एक बार फिर से अजनबी बन जायें' गीत वाली फिल्म-४
६. ऋषि, श्रीदेवी की 'भूली बिसरी प्रेम कहानी' गीत वाली फिल्म-३
८. 'टपका रे टपका' गीत वाली फिल्म-४
१०. जीतेंद्र, आदित्य, संगीता की १९९३ की एक फिल्म-५
१३. ऋषिकपूर, टीना मुनीम की फिल्म-२
१४. 'किसी को किसी' गीत वाली राजेश खन्ना, स्मिता की फिल्म-३
१६. शाहरूख, पूजा भट्ट, रम्या की फिल्म-३
१९. विवाह से पूर्व टीना अंबानी का सरनेम क्या था-३
२१. अमोल, जरीना की 'दो दीवाने शहर में' गीत वाली फिल्म-३
२२. 'सरकाय लेओ' गीत वाली गोविंदा, करिश्मा की फिल्म-२,२
२४. अनिल कपूर, अक्षय खन्ना, ऐश्वर्या की फिल्म-२
२६. 'वो कागज की कश्ती' गीत वाली कुमार गौरव, अनामिका की फिल्म-२
२७. संजय दत्त, कुमार गौरव, पूनम की 'तेरे दिल की तू' गीतवाली फिल्म-२
२९. 'मैं लव तुम से' गीत वाली तुषार कपूर, अंतरा माली की फिल्म-३
३१. सुनील दत्त, नूतन की 'बड़ी देर भई नंदलाला तेरी राह तके ब्रजबाला' गीत वाली फिल्म-४
३२. 'दिल हूम हूम करे' गीत वाली राज बब्बर, राखी, डिम्पल कपाड़िया की फिल्म-३
३३. धर्मेंद्र, हेमा मालिनी की 'ओ ऐसी कोई बात' गीत वाली फिल्म-१

ऊपर से नीचे:-

१. दिलीप कुमार, वैजयंती की फिल्म-४
२. 'मेरो गाम काथा पारे' गीत वाली फिल्म-३
३. 'सरकी चुनरिया रे' गीत वाली फिल्म-२
४. डिनो मारिया, बिपाशा बसु की 'रूठ कर हम उन्हें भूल जाने लगे' गीत वाली फिल्म-३
५. फिल्म 'आज का अर्जुन' में 'लक्ष्मी' की भूमिका किस अभिनेत्री ने की थी-३
७. राजेंद्र कुमार, माला सिन्हा की फिल्म-२
९. 'मेरे चेहरे पे' गीत वाली फिल्म-३
११. अक्षय, सैफ, रवीना, सोनाली की फिल्म-३
१२. अमोल, राखी की 'जो राह चुनी तूने राही' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'कभी खुशियों की सरगम' गीत वाली अमिताभ, अरबाज, डिम्पल की फिल्म-४
१६. वी. शांताराम की प्रेमकुमार, मास्टर सुशांत, रंजना, गौरी कामथ अभिनीत फिल्म-२
१७. 'प्यार कर इकरार कर' गीत वाली बॉबी देओल, अक्षय, अमीषा की फिल्म-४
१८. अक्षय कमार, प्रीति जिंटा की फिल्म-३
१९. 'लल्ला लल्ला लोरी दूध की' गीत वाली फिल्म-२
२०. फिल्म 'गॉड मदर' में शीर्षक भूमिका किसने निभाई है-३
२३. 'नचना तेरे नाल' गीत वाली फिल्म-२
२५. आमिर खान, ग्रेसी सिंह की फिल्म-३
२६. 'जिन्हें हम भूलना चाहें वो अक्सर याद आते हैं' गीत वाली फिल्म-३
२८. मनोज वाजपेई, उर्मिला मातोंडकर अभिनीत रामगोपाल वर्मा की एक सस्पेंस फिल्म-३
३०. 'माई हार्ट इज बीटिंग गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 1989

सूडोकु -1990

3	9				1			
5	4			6	8		1	3
		1		7		9	5	
	8	9		5	3		4	7
6	1		4	9		2	3	
	3	4		1		8		
7	5		8	3			2	4
			6				7	9

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -1989 का हल

9	6	2	3	4	1	7	5	8
1	4	8	9	7	5	6	2	3
5	7	3	2	6	8	1	4	9
3	2	1	6	9	4	8	7	5
4	8	7	5	1	2	9	3	6
6	9	5	8	3	7	4	1	2
8	3	4	7	2	6	5	9	1
2	1	6	4	5	9	3	8	7
7	5	9	1	8	3	2	6	4

शब्द पहेली - 1990

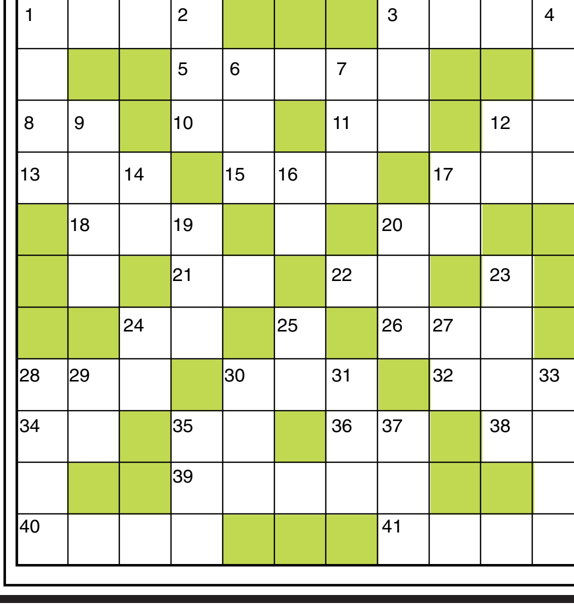

बाएँ से दाएँ

1.पक्षियों का शोर-4
3.मुठभेड़,भिड़ंत-4
5.क्रोधित होवा-5
8.लाश,पार्थिव देह-2
10.नवीन-2
11.सरिता-2
12.संजय दत्त, मंदाकिनी अभिनीत फिल्म-2
13.दोजख,नर्क-3
15.नमकीन लवण-3
17.बेकार-3
18.आंचल-3
20.फायदा,लाभ-2
21.चिट्ठी,पत्र-2
22.जी,चित-2
24.संपूर्ण-2
26.कुचलना,दबाना-3
28.दाड़म,एक फल-3
30.सांभर जैसा खाद्य पदार्थ-3
32.खिचड़ी,पुलाव-3
34.मां,आई-2
35.भाग्य (अंग्रेजी-2)
36.सौतन-2
38.लीन-2
39.चमकीला-5
40.नसीब,किस्मत-4
41.चुनौती-4

ऊपर से नीचे

1.दलाली-4
2.स्वदेश,जन्मभूमि-3
3.दौंडी पीटना-3
4.बेमिसाल-4
6.इसमें तलवार रखते हैं-3
7.मापदंड,आदर्श-3
9.इच्छित वस्तु-4
12.जीरक,कणिका-2
14.थोड़ा,जरा-2
16.आनंद-2
17.क्रोधित,रुष्ट-2
19.अदा-3
20.पति की बहन-3
23.मन को हरने वाला-4
24.निष्कर्ष-2
25.उम्मीद-2
27.वोट,अभिमत-2
28.धरोहर,थाती-4
29.रिश्ता-2
30.नकद राशि,रोकड़-3
31.संधिपत्र,मसविदा-3
33.रीति अनुसार-4
35.अदृढ़,तर्कहीन-3
37.द्रव पदार्थ-3

शब्द पहेली - 1989 का हल

आईआईटी मद्रास का कंसोर्टियम मॉडल तकनीक के तेज व्यावसायीकरण में अहमः जितेन्द्र सिंह

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेन्द्र सिंह ने कहा कि आईआईटी मद्रास का कंसोर्टियम आधारित नवाचार मॉडल तकनीक के त्वरित और उपयुक्त व्यावसायीकरण को संभव बना रहा है। अन्य शैक्षणिक संस्थान और विश्वविद्यालय भी इस मॉडल को अपना रहे हैं। डॉ. जितेन्द्र सिंह ने आईआईटी मद्रास रिसर्च पार्क स्थित इमर्सिव टेक्नोलॉजी एंड एंटरप्रेन्योरशिप लैब्स (आईटीईएल) फाउंडेशन और अन्य उन्नत शोध केंद्रों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने शहरी परिवहन, अंतरिक्ष तकनीक, चिकित्सा उपकरण और मस्तिष्क अनुसंधान से जुड़े प्रोजेक्ट की समीक्षा भी की। उन्होंने कहा कि कंसोर्टियम मॉडल में उद्योग की भागीदारी विकास के शुरुआती चरण से होती है। इससे शोध सीधे व्यावहारिक जरूरतों से जुड़ता है और तकनीक तेजी से बाजार तक पहुंचती है। उन्होंने कहा कि अकादमिक संस्थानों, उद्योग और सरकार के समन्वय से नवाचार को गति मिलती है। इस दौरान एआई आधारित शहरी परिवहन प्रणाली का प्रदर्शन किया गया। इस परियोजना का उद्देश्य 15 किलोमीटर की दूरी को लगभग 20 मिनट में तय करना है। यह ऊंचे ट्रैक पर छोटे इलेक्ट्रिक वाहनों के जरिए संचालित होगी। इसका मकसद ट्रैफिक जाम कम करना है।

देश में बिजली उत्पादन क्षमता में रिकॉर्ड बढ़ोत्तरी, 10 महीनों में 52,537 मेगावाट जुड़ी

नई दिल्ली। देश में चालू वित्त वर्ष 2025-26 के पहले 10 महीनों में बिजली उत्पादन क्षमता में रिकॉर्ड बढ़ोत्तरी हुई है। इस वित्तवर्ष में अब तक का सबसे बड़ा इजाफा करते हुए बिजली उत्पादन 11 फीसदी से ज्यादा बढ़ोत्तरी हुई है। देश के कुल बिजली उत्पादन में 52,537 मेगावाट की बढ़ोत्तरी के साथ कुल बिजली उत्पादन 5,20,510.95 मेगावाट हो गया। केंद्रीय विद्युत मंत्रालय के अनुसार, इस साल 31 जनवरी तक बढ़ी कुल क्षमता में 39,657 मेगावाट नवीकरणीय ऊर्जा से है। इसमें 34,955 मेगावाट सौर ऊर्जा और 4,613 मेगावाट पवन ऊर्जा शामिल है। मंत्रालय ने बताया कि यह एक साल में अब तक की सबसे बड़ी क्षमता वृद्धि है। इससे पहले 2024-25 में 34,054 मेगावाट क्षमता जोड़ी गई थी। देश की कुल स्थापित क्षमता में 2,48,541.62 मेगावाट जीवाश्म ईंधन आधारित है। जबकि 2,71,969.33 मेगावाट क्षमता गैर-जीवाश्म स्रोतों से है। गैर-जीवाश्म स्रोतों में 8,780 मेगावाट परमाणु ऊर्जा शामिल है। वहीं 2,63,189.33 मेगावाट क्षमता नवीकरणीय ऊर्जा से है।

डीओपीपीडब्ल्यू ने बढ़ाई अपनी डिजिटल पहुंच

नई दिल्ली। केंद्र सरकार की 'ईज ऑफ लिविंग' पहल को आगे बढ़ाते हुए, पेंशन एवं पेंशनभोगी कल्याण विभाग (डीओपीपीडब्ल्यू) ने पेंशनभोगियों की समस्याओं के समाधान और जागरूकता के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म का रुख किया है। यह विभाग अब यूट्यूब, फेसबुक और एक्स के माध्यम से पेंशनभोगियों से सीधा संवाद कर रहा है, ताकि उनकी शंकाओं का त्वरित समाधान किया जा सके।विभाग ने अपने आधिकारिक यूट्यूब चैनल पर छोटे और सूचनात्मक वीडियो की एक श्रृंखला शुरू की है। इन वीडियो में जटिल पेंशन नियमों, प्रक्रियाओं और मिलने वाले लाभों को बेहद सरल और नागरिक-अनुकूल तरीके से समझाया गया है। इसका मुख्य उद्देश्य पेंशनभोगियों के बीच भ्रम को कम करना और उन्हें उनके अधिकारों के प्रति सशक्त बनाना है। फेसबुक के माध्यम से विभाग नियमित रूप से जागरूकता सामग्री और अपडेट साझा कर रहा है। यहां पेंशनभोगी और उनके परिवार सीधे प्रश्न पूछकर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। वहीं, एक्स पर अंतर-मंत्रालयी टैगिंग के जरिए महत्वपूर्ण संदेशों को तेजी से प्रसारित किया जा रहा है, जिससे विभाग की पहुंच और दृश्यता में व्यापक सुधार हुआ है।

केंद्र सरकार ने ग्राम पंचायतों के लिए शुरू किया उपभोक्ता अधिकार क्षमता निर्माण का दूसरा चरण

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने देशभर की ग्राम पंचायतों के लिए देशव्यापी क्षमता निर्माण कार्यक्रम का दूसरा चरण शुरू किया। इस दौरान बिहार, झारखंड और ओडिशा के पंचायत प्रतिनिधियों को तमाम तकनीकी और धरातल की जानकारियां दी गईं। केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के अनुसार, 13 फरवरी को शुरू हुए कार्यक्रम में 1,011 ऑनलाइन लिंक के माध्यम से हजारों प्रतिनिधियों ने भाग लिया। मंत्रालय ने बताया कि प्रतिनिधियों को राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन 1915,ई-जागृति पोर्टल के उपयोग और उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 की भी जानकारी दी गई। इस दौरान पंचायत प्रतिनिधियों ने अपनी समस्याएं भी रखीं। कार्यक्रम का उद्देश्य पंचायत स्तर पर उपभोक्ता अधिकारों को मजबूत करना है। उल्लेखनीय है कि इस कार्यक्रम का पहला चरण 20 दिसंबर 2024 से 22 अगस्त 2025 तक चलाया गया था। इसमें दिल्ली और चंडीगढ़ को छोड़ कर सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को शामिल कर जानकारियां दी गई थीं।

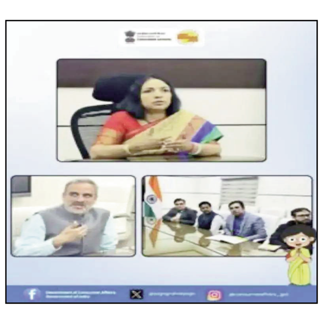

हमारी सरकार उच्च शिक्षा को और अधिक रोजगारपरक बनाने के लिए प्रतिबद्ध : भजनलाल शर्मा

एजेंसी

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि आधुनिक शिक्षा प्रणाली में नवाचार, तकनीक एवं भारतीय ज्ञान परंपरा को बढ़ावा दिया जाए, जिससे युवाओं का रोजगार प्राप्ति के साथ ही चरित्र निर्माण भी हो। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार उच्च शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने तथा और अधिक रोजगारपरक बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने शिक्षकों से आह्वान किया कि वे युवाओं की ऊर्जा एवं क्षमताओं का उपयोग राष्ट्र निर्माण में करने के लिए अपनी महती भूमिका निभाएं। शर्मा सोमवार को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर (आरआईसी) में अखिल भारतीय संस्थागत नेतृत्व समागम-2026 के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हमें ऐसी शिक्षा चाहिए जो परंपरा और आधुनिकता का सुंदर संगम हो। जहां वेदों के ज्ञान के साथ कृत्रिम बुद्धिमत्ता की समझ हो, संस्कृत के

श्लोकों के साथ कोडिंग की भाषा हो तथा योग और ध्यान के साथ रोबोटिक्स और नैनो टेक्नोलॉजी हो। उन्होंने कहा कि इस समागम की थीम 'अंतर-संस्थागत विकास पर संवाद' अत्यंत प्रासंगिक है। आईआईटी, केंद्रीय विश्वविद्यालय, राज्य विश्वविद्यालय, शोध संस्थान और निजी शिक्षण संस्थाओं के मिलकर काम करने से धरातल पर वास्तविक बदलाव लाया जा सकता है। विकसित भारत 2047 के लक्ष्य प्राप्ति में युवाओं की भूमिका अहम मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत आज विश्व का सबसे युवा देश है। 65 प्रतिशत से अधिक जनसंख्या 35 वर्ष से कम आयु की है। यह जनसांख्यिकीय हमारी सबसे बड़ी ताकत है। युवाओं को सही शिक्षा, कौशल और मार्गदर्शन देकर इस ताकत का उपयोग प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत 2047 के लक्ष्य विकसित प्राप्ति के लिए करें। उन्होंने कहा कि आज हमारे युवा स्टार्टअप्स, अनुसंधान, खेल, कला सहित विभिन्न क्षेत्रों में देश का गौरव विश्व में बढ़ा रहे हैं। हमें उनकी रचनात्मकता को पंख देते हुए उनके सपनों को साकार करने के लिए मार्ग दिखाना है, जिससे वे वैश्विक नागरिक रहते हुए अपनी जड़ों से जुड़े रहे। शर्मा ने कहा कि प्रदेश में हमारी सरकार उच्च शिक्षा में डिजिटल बुनियादी ढांचे को मजबूत करने तथा अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। हमारी सरकार युवाओं को शिक्षा के साथ साथ रोजगार के भरपूर अवसर प्रदान कर रही है।

'वेव्स बाजार' में महाराष्ट्र और दिल्ली ने पेश किया फिल्म पर्यटन का नया रोडमैप

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत पर्व के अवसर पर नई दिल्ली के रिट्ज़ होटल में आयोजित 'वेव्स बाजार' ने भारत को एक वैश्विक सामग्री कारखाना के रूप में भारत की बढ़ती प्रतिष्ठा को रेखांकित किया और सिनेमा, मीडिया तथा उभरती रचनात्मक प्रौद्योगिकियों में देश के बढ़ते प्रभाव को उजागर किया। राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम (एनएफडीसी) द्वारा आयोजित इस शिखर सम्मेलन में वैश्विक सिनेमा विशेषज्ञों, तकनीक नवाचारों और नीति निर्माताओं का संगम देखने को मिला। कार्यक्रम का उद्घाटन एनएफडीसी के महाप्रबंधक गौतम भनोट ने किया। उन्होंने भविष्य के रोडमैप पर चर्चा करते हुए बताया कि कैसे भारत का एनिमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग और कॉमिक्स क्षेत्र विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने के लिए तैयार है। भारत एक वैश्विक कंटेंट फैक्ट्री के रूप में विषय पर आयोजित पैनल चर्चा में अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों ने माना कि 'वेवेक्स' और 'क्रिएट इन इंडिया चैलेंज' जैसी सरकारी पहल भारतीय प्रतिभाओं को वैश्विक मंच प्रदान कर रही हैं। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री कपिल मिश्रा ने राजधानी की संशोधित फिल्म नीतियों का अनावरण किया, जिससे फिल्म निर्माताओं के लिए दिल्ली में शूटिंग करना और अधिक सुलभ होगा। वहीं संस्कृति मंत्री आशीष शेलार ने 'महाराष्ट्र फिल्म सिटी' के आधुनिकीकरण और अंतरराष्ट्रीय परियोजनाओं के लिए विशेष वित्तीय प्रोत्साहनों का खाका पेश किया। इस वर्ष भारत पर्व पर भारत-फ्रांस-जर्मनी के सह-निर्माण से बनी फिल्म 'कुरिंजी' विशेष आकर्षण का केंद्र रही।

रिकॉर्ड केंद्रीय सहायता के बावजूद विकास ठप, आंकड़ों ने बताई वास्तविक स्थिति : बिंदल

एजेंसी

शिमला। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल ने कहा कि हिमाचल प्रदेश में लगभग 40 महीनों से सत्ता में बैठी कांग्रेस सरकार प्रशासनिक अक्षमता, वित्तीय कुप्रबंधन और विकास की सुस्ती को छिपाने के लिए लगातार केंद्र सरकार और पूर्व भाजपा सरकारों पर दोषारोपण की राजनीति कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता अब समझ चुकी है कि वास्तविक समस्या वित्तीय संसाधनों की कमी नहीं बल्कि संसाधनों के सही उपयोग की कमी है। मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि हाल ही में आयोजित सर्वदलीय बैठक को समाधान का मंच बताने की कोशिश की गई, जबकि वास्तविकता यह है कि बैठक की गंभीरता स्वयं सरकार ने कम कर दी। सत्तारूढ़ दल के प्रदेश अध्यक्ष उपस्थित नहीं थे, उपमुख्यमंत्री और संबंधित विभागीय मंत्री को आमंत्रित नहीं किया गया, जिससे स्पष्ट है कि बैठक का उद्देश्य सर्वसम्मति नहीं बल्कि राजनीतिक वातावरण बनाना था। डॉ. बिंदल ने कहा कि बैठक में प्रस्तुत वित्त विभाग की आधिकारिक प्रस्तुति के अनुसार हिमाचल प्रदेश को केंद्रीय करों में हिस्सा बढ़ाकर लगभग 0.830% से 0.914% कर दिया गया है, जिसके परिणामस्वरूप वर्ष 2026 में प्रदेश को लगभग ?13,950 करोड़ प्राप्त होंगे, जो पिछले वर्ष से लगभग ?2,450 करोड़ अधिक हैं। इसके अतिरिक्त ग्रामीण व शहरी विकास मद में लगभग ?4,179 करोड़ तथा स्ष्ठक्रन्न और ष्ठस्न्न मद में लगभग ?2,682 करोड़ मिलने का प्रावधान है। उन्होंने कहा कि ये आंकड़े किसी राजनीतिक दल के नहीं बल्कि राज्य सरकार के अपने दस्तावेजों के हैं।

उन्होंने वित्त आयोग के ऐतिहासिक आंकड़ों की तुलना करते हुए बताया कि छठा वित्त आयोग (1974-79) में 161 करोड़, 11वां वित्त आयोग (2001-05) में रपये 1,979 करोड़, 12वां वित्त आयोग में रपये 10,202 करोड़, 13वां वित्त आयोग में रपये 7,889 करोड़, जबकि केंद्र में वर्तमान शासनकाल के दौरान 14वां वित्त आयोग में लगभग रपये 40,624 करोड़, 15वां वित्त आयोग में लगभग ?48,000 करोड़ की सहायता प्रदेश को मिली। उन्होंने कहा कि यह तुलना स्पष्ट करती है कि वर्तमान समय में हिमाचल को पूर्ववर्ती वर्षों की तुलना में कई गुना अधिक संसाधन प्राप्त हुए हैं।

राजस्व घाटा अनुदान (RDG) के संदर्भ में उन्होंने बताया कि वर्ष 2004 से 2014 के बीच लगभग रपये 18,091 करोड़ मिले, जबकि 2015 से 2025 के बीच यह राशि बढ़कर लगभग रपये 89,254 करोड़ हो गई। उन्होंने कहा कि केवल वर्तमान राज्य सरकार के साढ़े तीन वर्ष के कार्यकाल में ही लगभग रपये 27,000 करोड़ विभिन्न मदों में प्राप्त हुए, फिर भी राज्य सरकार वित्तीय संकट का वातावरण बना रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि पर्याप्त वित्तीय सहायता मिलने के बावजूद प्रदेश में कई संस्थान बंद किए गए, कर्मचारियों के भत्ते और पेंशन भुगतान में देरी हुई, जनहित योजनाएँ सीमित की गई और टैक्स बढ़ाकर आम जनता पर आर्थिक बोझ डाला गया। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि सीमेंट, डीजल, स्टाम्प ड्यूटी, बस किराये और बिजली दरों में बढ़ोतरी ने सीधे तौर पर आम नागरिक के खर्च को प्रभावित किया है।

लैंड फॉर जॉब केस : लालू-राबड़ी ने खुद को बताया निर्दोष, कोर्ट में ट्रायल का सामना करने को तैयार

एजेंसी

नई दिल्ली । राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद यादव और बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी ने सोमवार को सीबीआई द्वारा जांच किए जा रहे रेलवे में जमीन के बदले नौकरी के भ्रष्टाचार के कथित मामले में खुद को निर्दोष बताया और मुकदमे का सामना करने की इच्छा व्यक्त की। राउज एवेन्यू स्थित विशेष सीबीआई अदालत के समक्ष पेश होने पर, दंपति ने भ्रष्टाचार, धोखाधड़ी और आपराधिक साजिश के आरोपों में खुद को निर्दोष बताया और मामले की मेरिट के आधार पर लड़ने का विकल्प चुना है। इससे पहले, 29 जनवरी को, निचली अदालत ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेताओं लालू प्रसाद यादव, राबड़ी देवी, तेजस्वी यादव और तेज प्रताप यादव को भूमि के बदले नौकरी मामले में औपचारिक रूप से आरोप तय करने के उद्देश्य से 1 फरवरी से 25 फरवरी के बीच अदालत के समक्ष पेश होने की अनुमति दी थी। अदालत ने आरोपी को कम से कम एक दिन पहले सूचना देकर उपस्थित रहने का निर्देश दिया था और मुकदमे की शुरुआत के लिए 9 मार्च की तारीख तय की थी। इससे पहले जनवरी में, राउज एवेन्यू कोर्ट के विशेष न्यायाधीश (पीसी एक्ट) विशाल गोग्ने ने लालू प्रसाद यादव और उनके परिवार के सदस्यों के खिलाफ औपचारिक रूप से आरोप तय करते हुए कहा था कि वे 'एक आपराधिक गिरोह के रूप में काम कर रहे थे' और एक व्यापक साजिश का हिस्सा थे जिसमें भारतीय रेलवे में सार्वजनिक रोजगार का कथित तौर पर अचल संपत्तियों को हासिल करने के लिए सौदेबाजी के हथियार के रूप में इस्तेमाल किया गया था।

अदालत ने माना कि केंद्रीय एजेंसी के आरोपपत्र से प्रथम दृष्टया यह पता चलता है कि लालू प्रसाद यादव के

करीबी सहयोगियों ने देश के विभिन्न हिस्सों में रेलवे में नौकरियों के बदले जमीन अधिग्रहण में मदद की।

रिहाई की मांग वाली याचिका को खारिज करते हुए अदालत ने कहा कि 'लालू यादव और उनके परिवार के सदस्यों की रिहाई की याचिका पूरी तरह से अनुचित है।' अदालत के आदेश के अनुसार, मामले में नामजद 98 जीवित आरोपियों में से लालू प्रसाद यादव और उनके परिवार के सदस्यों सहित 46 के खिलाफ आरोप तय किए गए हैं, जबकि 52 आरोपियों को बरी कर दिया गया है। पांच आरोपियों की मृत्यु के बाद उनके खिलाफ कार्यवाही रोक दी गई है।

मप्र के मुख्यमंत्री मोहन यादव का हेलीकॉप्टर उड़ान भरते ही हवा में लड़खड़ाया

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के खंडवा में मुख्यमंत्री मोहन यादव के हेलिकॉप्टर का उड़ान भरने के बाद हवा में लड़खड़ाने का मामला सामने आया है। इसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है।दरअसल, मुख्यमंत्री डॉ यादव शनिवार को खंडवा जिले के पंधाना में राज्यस्तरीय लाडली बहना योजना के कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे थे। कार्यक्रम खत्म होने के बाद जब उनका हेलिकॉप्टर टेकऑफ के लिए हवा में उठा, तो वह आगे बढ़ने की बजाय पीछे की ओर जाने लगा। फिर कुछ पलों के लिए हवा में थम गया। पायलट ने सूझबूझ दिखाते हुए तुरंत स्थिति को नियंत्रित किया और हेलिकॉप्टर ने सुरक्षित उड़ान भरी। इसके बाद मुख्यमंत्री खंडवा से भोपाल पहुंचे। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि उड़ान भरने के दौरान अचानक हेलीकॉप्टर आगे

जाने के बजाय पीछे और नीचे की ओर झुकने लगा। यह सीन देखकर वहां मौजूद लोग और सुरक्षाकर्मी घबरा गए, लेकिन पायलट ने सूझबूझ से हेलीकॉप्टर को संभाल लिया। आखिरकार हेलीकॉप्टर सुरक्षित रूप से हवा में संतुलित कर जब आगे अपने सफर के लिए रवाना हुआ तो लोगों ने राहत की सांस ली। खंडवा के पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार राय ने घटना को लेकर कहा कि तकनीकी रूप से कुछ भी ऐसा नहीं था कि उड़ान में कोई दिक्कत आई हो। हमने तुरंत संबंधित अधिकारियों से चर्चा की थी।

उन्होंने बताया कि यह सामान्य बात है। टेक ऑफ के समय हेलिकॉप्टर अलग दिशा में था जबकि उसे दूसरी दिशा में जाना था। वह हवा में उठकर निर्धारित दिशा में जाने के लिए घूमने लगा। इसी बीच ज्यादा धूल उड़ने लगी गई। धूल और ज्यादा न उड़े इसलिए पायलट ने हेलिकॉप्टर की रफ्तार धीमी कर दी। फिर कुछ सेकेंड में ही हेलिकॉप्टर को थोड़ा नीचे लाकर स्टेट किया। इसके बाद हेलिकॉप्टर भोपाल के लिए रवाना हो गया।

मप्र में कार्यकर्ताओं ने भाजपा संगठन को बुलंदी तक पहुंचाया : नरेन्द्र सिंह तोमर

एजेंसी

भोपाल/ग्वालियर। मध्य प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा कि भारतीय जनता (भाजपा) के कार्यकर्ताओं ने प्रदेश के संगठन को बुलंदी तक पहुंचाया है। विधानसभा अध्यक्ष तोमर विधानसभा का भ्रमण करने पहुंचे केरल के जनप्रतिनिधियों को संबोधित कर रहे थे। दरअसल, भारतीय जनता पार्टी के ''भाजपा फॉर विकसित केरलम'' कार्यक्रम के तहत केरल के निकायों के जनप्रतिनिधियों का मध्य प्रदेश के दो दिवसीय प्रवास के दूसरे दिन भोपाल में 11 सदस्यीय और ग्वालियर में 13 सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल ने विभिन्न स्थानों का भ्रमण कर योजनाओं का अवलोकन किया। भोपाल के प्रतिनिधि मंडल ने लोकभवन पहुंचकर राज्यपाल मंगुभाई पटेल से भी मुलाकात कर संवाद किया। इसके बाद दल ने मध्य प्रदेश विधानसभा का भ्रमण किया। विधानसभा अध्यक्ष तोमर ने केरल के जनप्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए कहा कि मध्य प्रदेश देश के उत्कृष्ट और समृद्ध राज्यों

में से एक है। मध्य प्रदेश में जनसंघ के समय से भाजपा का संगठन मजबूत स्थिति में है और आज यह संगठन अपनी कार्यकुशलता और जनसेवा के लिए पूरे देश में आदर्श बना हुआ है। मध्य प्रदेश भाजपा संगठन बूथ स्तर पर पूरी तरह सक्रिय है और वहां की समितियां लगातार जनता की सेवा में जुटी हुई हैं।

यमुना सिटी में जापान की कंपनी फूड प्रोसेसिंग संयंत्र लगाएगी

नोएडा। जापान की कंपनी क्यूपी कॉर्पोरेशन यमुना सिटी में फूड प्रोसेसिंग संयंत्र लगाएगी। फूड प्रोसेसिंग संयंत्र लगाने के लिए आठ से 10 एकड़ जमीन की जरूरत होगी और जापान की कंपनी 200 करोड़ रुपये निवेश करेगी। इससे विदेशी निवेश आने के साथ रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। कंपनी प्रबंधन संयंत्र लगाने के लिए जल्द प्रस्ताव देगा। जापान के प्रतिनिधिमंडल ने यहां यमुना प्राधिकरण के अधिकारियों के साथ बैठक की और औद्योगिक पार्कों का निरीक्षण करने के बाद यहां निवेश की इच्छा जताई। यमुना सिटी का यह तीसरा फूड प्रोसेसिंग संयंत्र होगा। इससे पहले दो कंपनियों पतंजलि और इनोवा फूड पार्क के लिए जमीन आवंटित की जा चुकी है। प्राधिकरण के अधिकारी के मुताबिक क्यूपी कॉर्पोरेशन के अधिकारियों को यमुना सिटी का बुनियादी संसाधन पसंद आया है। बैठक में विदेशी प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि शीघ्र ही कंपनी के निदेशक मंडल के समक्ष निवेश से संबंधित प्रस्ताव प्रस्तुत किया जाएगा।

बर्ड फ्लू की रोकथाम के लिए तमिलनाडु-आंध्र सीमा पर सख्ती, वाहनों पर कीटाणुनाशक का छिड़काव तेज

एजेंसी

वेल्लोर। बर्ड फ्लू के संभावित प्रसार को रोकने के लिए तमिलनाडु-आंध्र प्रदेश सीमा पर एहतियाती कदम तेज कर दिए गए हैं। सीमा चेकपोस्टों पर आंध्र प्रदेश से आने वाले वाहनों पर कीटाणुनाशक दवाओं का छिड़काव किया जा रहा है और सघन जांच की जा रही है। दरअसल, पिछले महीने चेन्नई के अडयार क्षेत्र में अचानक कई कौए मृत पाए गए थे। इसके बाद नगर निगम अधिकारियों ने मृत पक्षियों के नमूने जांच के लिए भोपाल स्थित राष्ट्रीय पशु रोग अनुसंधान संस्थान भेजे। जांच में पुष्टि हुई कि कौओं में एच5एन1 एवियन इन्फ्लुएंजा वायरस (बर्ड फ्लू) का संक्रमण था।

स्थिति को देखते हुए तमिलनाडु सरकार ने सख्त कदम उठाए हैं। पड़ोसी आंध्र प्रदेश के चित्तूर जिला में दो पोल्ट्री फार्मों में बर्ड फ्लू की पुष्टि के बाद निगरानी और कड़ी कर दी गई है। जिले के सात क्षेत्रों में प्रत्येक में तीन टीमों के हिसाब से कुल 21 विशेष निगरानी दल गठित किए गए हैं, जो पोल्ट्री फार्म, बाजारों और पक्षियों की अधिकता वाले इलाकों में निरीक्षण कर रहे हैं। तमिलनाडु-आंध्र सीमा के कृष्टियनपेट, साइनागुंडा और

पत्रापल्ली चेकपोस्ट पर पशुपालन विभाग के चिकित्सकों द्वारा आंध्र प्रदेश से वेल्लोर जिले में प्रवेश करने वाले सभी वाहनों की जांच की जा रही है। मुर्गियां, मुर्गीचारा और अंडे लेकर आने वाले वाहनों पर कीटाणुनाशक छिड़काव अनिवार्य किया गया है। बिना वैध दस्तावेजों या संदिग्ध सामग्री वाले वाहनों को वापस भेजा जा रहा है।

जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि वेल्लोर जिले में अब तक बर्ड फ्लू का कोई मामला दर्ज नहीं हुआ है। साथ ही आम जनता से अपील की गई है कि वे मृत पक्षियों को न छुएं और तुरंत नजदीकी पशु चिकित्सा अधिकारी को सूचना दें। स्वास्थ्य विभाग ने भी लोगों से सतर्क रहने की सलाह दी है, क्योंकि दुर्लभ मामलों में यह संक्रमण मनुष्यों में भी फैल सकता है।

संघ की दृष्टि पूर्णतया भारतीय चिंतन पर आधारित : डॉ मोहन राव भागवत

एजेंसी

गोरखपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ गोरक्ष प्रांत की ओर से संघ शताब्दी वर्ष के निमित्त तारामंडल स्थित बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह में प्रमुख जन गोष्ठी का आयोजन किया गया। बैठक में विभिन्न वर्गों और क्षेत्रों से प्रमुख जन सम्मिलित हुए। प्रमुख जन गोष्ठी में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ मोहन भागवत ने कहा कि संघ की दृष्टी पूर्णतया भारतीय चिंतन पद्धति से ही विकसित हुई है। आज समाज में संघ से अपेक्षाएं बढ़ी हैं। उन्होंने कहा कि विश्व के पास ऐसा कोई तरीका नहीं है जो समाज को सुख और शांति दे सके, इसलिए वह भी हमारी तरफ आशा भरी नजरों से देख रहा है। भारतवर्ष में पाश्चात्य चिंतन का प्रभाव पड़?ने लगा था, जिसने भारतीय ज्ञान परम्परा को खण्डित करने का प्रयत्न किया और अपने चिंतन को स्थापित करने का प्रयास किया किन्तु उनकी चिंतन पद्धति अधूरी थी। भारतीय ज्ञान परम्परा पर आधारित हमारी चिंतन पद्धति ही समाज में उत्पन्न शंकाओं का समाधान कर सकती हैं। इसलिए संघ शताब्दी वर्ष में हमने समाज तक जाने का निर्णय लिया, जिससे हम समाज को संगठित कर सकें।। आगे उन्होंने कहा कि संघ

एक स्वायत्त, स्वतंत्र व स्वालंबी संगठन है जो अपने लिये नहीं राष्ट्र के लिए समर्पित है। पूर्ण समाज फिर से स्वस्थ होकर अपना कार्य करने लगे तो संघ की आवश्यकता ही क्यों।

सरसंघचालक ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ किसी परिस्थिति विशेष की प्रतिक्रिया नहीं है और ना ही उसका किसी से विरोध है। वह किसी के साथ अपनी स्पर्धा भी नहीं देखता। वह प्रभाव, सत्ता, लोकप्रियता का भी आकांक्षी नहीं है। बल्कि समाज के हित में सभी कार्यों को करने वाला ही संघ है। बाइबल के वाक्य- 'आई हैव कम टू फुलफील नॉट टू डिस्ट्रॉय' के आधार पर उन्होंने कहा- 'संघ हैज कम टू फुलफील नॉट टू डिस्ट्रॉय' अर्थात् हम किसी को नष्ट करने के लिए नहीं आये है। सरसंघचालक मोहन भागवत ने कहा कि भारत की स्वतंत्रता के लिए चार चिंतन धाराएं चलीं। पहला चिंतन पुनः लड़कर उन्हें हरा दें, सुभाष चंद्र बोस तक यह धारा चली। यह थी क्रांति की धारा।

दूसरी धारा के अनुसार समाज में राजनीतिक जागृत नहीं थी इसलिए हम हारे। समाज में राजनीतिक जागृत पैदा करनी पड़ेगी। यह दूसरी धारा चली। तीसरी धारा अंग्रेजों से बराबरी के लिए आधुनिक ज्ञान- विज्ञान की धारा एवं समाज सुधार की धारा थी, किन्तु यह भी एक द्वीप बन का रह गयी समाज के सागर में। जैसे राममोहन राय आदि ने इस पर प्रयत्न किया। चौथा प्रवाह हम इसलिए भटके क्योंकि हम अपने मूल से अलग हुए। अतः पुनः मूल की तरफ हम बढ़ें। स्वामी विवेकानंद, स्वामी दयानंद आदि ने किया।। इन चारों धाराओं या प्रवाह से हेडगेवार जी का संपर्क रहा। उन्होंने बताया कि हेडगेवार जी ने यह सुनिश्चित करना चाहा कि भारत को स्वतंत्रता तो मिलेगी ही किन्तु यह पुनः नहीं जाएगी, इसलिए हमें अपनी कमियों को ठीक करना आवश्यक है। समाज को इसके लिए खड़ा करना होगा। हमें अपने स्वार्थ को छोड़?कर स्वस्थ समाज के निर्माण हेतु संगठित होना होगा।

इसके लिए उन्होंने सन् 1925 ई0 में विजयादशमी के दिन संघ के काम को शुरू किया। संघ स्थापना के 14 वर्ष पश्चात संघ की कार्य पद्धति स्पष्ट हुई, जिसका नाम राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ है। संघ प्रेम और संस्कार से चलेगा जिसका विचार सनातन होगा। जिसका उद्?देश्य समाज पुनर्गठित करना होगा। समाज के कृतित्व से ही राष्ट्र बनते या बिगड़ते है इसलिए यदि समाज जागृत होगा तो कार्य ठीक होगा।

मप्र के दक्षिण पन्ना वनमंडल में गिद्ध संरक्षण के लिए बन रहीं वल्चर फ्रेंडली गौशालाएं

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के दक्षिण पन्ना वनमंडल के अंतर्गत संचालित गौशालाएं अब पूर्णतः वल्चर फ्रेंडली (गिद्ध-अनुकूल) स्वरूप में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित कर रही हैं।

जनसम्पर्क अधिकारी अवंतिका जायसवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि पारिस्थितिकी तंत्र के सजग प्रहरी 'गिद्धों' के संरक्षण के प्रति अपनी कटिबद्धता दोहराते हुए इन गौशालाओं ने एक ऐसी आदर्श कार्यप्रणाली विकसित की है, जहाँ मवेशियों के उपचार और प्रबंधन में केवल पर्यावरण-अनुकूल विधियों का ही प्रयोग किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि वन विभाग के समन्वय से संचालित इस पहल के माध्यम से यह सुनिश्चित किया गया है कि गौशाला परिसर में निवास करने वाली समस्त गायों और अन्य मवेशियों की देखरेख में गिद्धों के जीवन के लिए संकट पैदा करने वाली किसी भी गतिविधि को स्थान न मिले। जनसम्पर्क अधिकारी के अनुसार, इन वल्चर फ्रेंडली गौशालाओं में गिद्धों के लिए घातक मानी जाने वाली दवाओं के उपयोग पर पूर्णतः अंकुश लगा दिया गया है। वर्ष 2008 से प्रतिबंधित डाइक्लोफ़ेनेक (Diclofenac/Dynapar) के साथ-साथ हाल के वर्षों में प्रतिबंधित की गई औषधियाँ जैसे एसीक्लोफेनेक (Aceclofenac), केटोप्रोफेन (Ketoprofen) और निमेसुलाइड (Nimesulide) का उपयोग यहाँ पूरी तरह वर्जित है। वर्तमान में इन केंद्रों पर चिकित्सीय आवश्यकता होने पर केवल गिद्ध-सुरक्षित दवाओं जैसे मेलोक्सिकैम (Melo&icam) और टोलफेनामिक एसिड (Tolfenamic acid) को ही प्राथमिकता दी जा रही है। यह समस्त प्रक्रिया पंजीकृत पशु चिकित्सकों की कड़ी निगरानी में की जा रही है, जिससे मृत मवेशियों के अवशेषों में किसी भी प्रकार की हानिकारक दवाओं का अंश शेष न रहे और गिद्धों को सुरक्षित आहार उपलब्ध हो सके। उन्होंने बताया कि संरक्षण की यह पहल केवल उपचार तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक व्यापक जन-जागरूकता अभियान का रूप ले रही है। गौशाला प्रबंधन द्वारा नियमित रूप से ग्रामीणों और गौ-सेवकों को गिद्धों के महत्व और सुरक्षित दवाओं के लाभों के प्रति शिक्षित किया जा रहा है। स्व-प्रमाणन (Self-Certification) की इस पारदर्शी व्यवस्था ने गौशाला संचालकों की जिम्मेदारी को और अधिक सुदृढ़ किया है। वन विभाग के संरक्षण प्रयासों में सक्रिय सहभागिता निभाते हुए ये गौशालाएँ न केवल पशु कल्याण का केंद्र बनी हुई हैं।

टी20 वर्ल्ड कप: कोलकाता में बड़ा उलटफेर होते-होते बचा, इटली से हांफते हुए जीती इंग्लैंड , सुपर 8 में एंट्री

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता के प्रतिष्ठित ईडन गार्डन्स में खेले गए टी20 विश्व कप मुकाबले में इंग्लैंड से व्यापक रूप से यह उम्मीद की जा रही थी कि वह इटली को आसानी से हरा देगी। इटली अपने पहले टी20 विश्व कप में खेल रही थी, इसलिए ज्यादातर लोगों को कम से कम एक प्रतिस्पर्धी प्रदर्शन की ही उम्मीद थी। हालांकि, हैरी मैनेंटी की अगुवाई वाली टीम के इरादे कहीं बड़े थे। नेपाल पर 10 विकेट की शानदार जीत के बाद, इटली ने इंग्लैंड को कड़ी टक्कर दी और इतिहास रचने के बेहद करीब पहुंच गई, लेकिन अंततः 24 रनों से हार गई।

हैरी ब्रुक की अगुवाई वाली इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया और यूरोपीय टीम के सामने 203 रनों का बड़ा लक्ष्य रखा। उन्होंने सफलतापूर्वक लक्ष्य का बचाव किया और मैच जीत लिया। फिल साल्ट (15 गेंदों में 28 रन) ने तूफानी शुरुआत दी, लेकिन जोस बटलर रन बनाने में नाकाम रहे और ग्रांट स्टीवर्ट के हाथों अपना विकेट गंवाने से पहले सिर्फ तीन रन ही बना पाए। जैकब बेथेल (20 गेंदों में 23 रन) और टॉम बैंटन (21 गेंदों में 30 रन) ने बल्ले से अच्छा योगदान दिया। सैम कुरेन ने दो छक्के लगाकर 25 रन बनाए।

सातवें नंबर पर बल्लेबाजी करने आए विल जैक्स ने सिर्फ 22 गेंदों में नाबाद 53 रन बनाए, जिससे इंग्लैंड 200 रन का आंकड़ा पार करने में सफल रहा। स्टीवर्ट और कृष्ण कलुगामेज ने दो-दो विकेट लिए, जबकि जेजे स्मट्स, अली हसन और बेन मैनेंटी ने एक-एक विकेट साझा किया। 203 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए, इटली को पहले ही ओवर में दो विकेट का झटका लगा जब जोफ्रा आर्चर ने एंथनी मोस्का और जेजे स्मट्स को शून्य पर आउट कर दिया।

इटली के कप्तान हैरी मैनेंटी ने 11 गेंदों में मात्र 12 रन बनाए और जेमी ओवरटन के हाथों अपना विकेट गंवा दिया। उनके भाई बेन मैनेंटी (25 गेंदों में 60 रन, जिसमें चार चौके और छह छक्के शामिल थे) ने जस्टिन मोस्का (32 गेंदों में 43 रन, जिसमें सात चौके शामिल थे) के साथ चौथे विकेट के लिए 92 रनों की साझेदारी की। स्टीवर्ट की 23 गेंदों में खेली गई 45 रनों की तेज पारी ने इटली को मैच में बनाए रखा, लेकिन इंग्लैंड ने डेथ ओवरों में शानदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए उन्हें 20 ओवरों

में 178 रनों पर रोक दिया। विल जैक्स को उनके मैच-विनिंग प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। इटली गुरुवार को इसी मैदान पर वेस्ट इंडीज के खिलाफ अपना आखिरी ग्रुप स्टेज मैच खेलेगी।

रोहित और अकरम गर्मजोशी से मिले, सोशल मीडिया में आई तस्वीरें

कोलंबो (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान के बीच रविवार को हुए टी20 विश्वकप मुकाबले में जहां भारतीय टीम ने पाक खिलाड़ियों से दूरी बनाये रखी। वहीं भारतीय टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा और पाक के पूर्व क्रिकेटर वसीम अकरम गर्मजोशी से मिले। इस दोनों के बीच काफी अच्छी कैमेस्ट्री नजर आयी। ये दोनो ही गले मिलते देखे गये। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया में आया है। रोहित और अकरम को मैच से पहले बातचीत करते, हाथ मिलाते और गले लगते देखा गया। रोहित आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 के ब्रांड एंबेसडर के तौर पर कोलंबो पहुंचे थे जबकि अकरम कमेंटेटर के रूप में यहां आये है। रोहित भारतीय टीम के खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ से भी मिले और उनसे हाथ मिलाया और शुभकामनाएं दीं।

भारत-पाक मैच से पहले रोहित और अकरम आईसीसी के सीईओ संजोग गुप्ता के साथ मिलकर टी20 विश्व कप की ट्रॉफी मैदान पर लेकर पहुंचे। इससे पहले दोनों ने दोस्ताना अंदाज में बातचीत की, फोटो खिंचवाई और एक-दूसरे को गले भी लगाया। प्रशंसकों ने इन दोनो दिग्गजों की इस मुलाकात को बेहद पसंद किया है। सोशल मीडिया पर इसको लेकर भी प्रतिक्रियाएं आयी हैं। इस मैच में भारतीय टीम ने पाक को आसानी से हरा दिया। इस प्रकार भारतीय टीम ने आठवीं बार पाक को हराया।

टी20 विश्वकप : अफगानिस्तान ने यूएई को पांच विकेट से हराकर सुपर आठ की उम्मीदें बनाये रखीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। अफगानिस्तान ने आईसीसी टी20 विश्वकप के ग्रुप डी के मुकाबले में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को पांच विकेट से हरा दिया। ये अफगान टीम की इस टूर्नामेंट में पहली जीत है। इस मैच में अफगान टीम ने टॉस जीतकर यूएई को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। यूएई ने सोहैब खान 68 और अलीशान शराफू 40 के अच्छे प्रदर्शन से 20 ओवर में 9 विकेट पर 160 रन बनाये। इसके बाद अफगान टीम ने जीत के लिए मिले 161 रनों के लक्ष्य को पांच विकेट खोकर 19.2 ओवर में ही हासिल कर लिया। यूएई की ओर से मोहम्मद अरफान और जुनैद सिद्दीकी ने 2-2 विकेट लिए।

लक्ष्य का पीछा करते हुए अफगानिस्तान की शुरुआत अच्छी रही। इब्राहित जादरान 53 ने अच्छी बल्लेबाजी की। वहीं अजमतुल्लाह ओमारजाई 40 रन ने विजयी शॉट लगाया। इस जीत से अफगान टीम के सुपर 8 में पहुंचने की संभावनाएं बरकरार हैं। अब उसे अंतिम लीग मुकाबले में कनाडा को हराना होगा। इस मैच में अफगानिस्तान के स्पिनर राशिद खान ने अपना 700 विकेट भी लिया। अब व इस फॉर्मेट में 700 विकेट लेने वाले दुनिया के पहले गेंदबाज बन गए। राशिद ने मुहम्मद अरफान को आउट करने के साथ ही अपना 700वां विकेट लिया।।

टी20 क्रिकेट में सबसे अधिक विकेट के मामले में वेस्टइंडीज के पूर्व ऑलराउंडर डवेन ब्रावो के नाम 631 विकेट जबकि सुनील नरेन के नाम 613 विकेट हैं।

टी20 विश्कप के सुपर आठ में पहुंची भारत और वेस्टइंडीज, तीन टीमें बाहर हुईं

कोलंबो (एजेंसी)। भारत सहित दो टीमें आईसीसी टी20 विश्वकप के सुपर आठ में पहुंच गयी हैं। भारत ने पाकिस्तान को यहां 61 रनों से हराकर सुपर आठ में जगह बनायी। भारत से पहले वेस्टइंडीज ने सुपर आठ में जगह बनायी थी। वहीं अलग-अलग ग्रुप की 3 टीमें टूर्नामेंट से बाहर हो गई हैं, इनमें ओमान, नेपाल और नामीबिया जैसे एसोसिएट देशों की टीमें हैं। ग्रुप डी से हालांकि अभी तक कोई भी टीम न तो बाहर हुई है और न ही सुपर आठ में पहुंची है।

ग्रुप ए से भारतीय टीम अपने पहले 3 मैच जीतने के साथ ही सुपर 8 में पहुंची है। वहीं इस ग्रुप में दूसरे नंबर पर अमेरिका की टीम है, उसने अब तक 4 में से दो मैच जीते हैं जबकि पाकिस्तान तीसरे स्थान पर है उसने 3 में से 2 मैच जीते हैं। नीदरलैंड ने 3 में से एक मैच जीता है जबकि नामीबिया अपने सभी मैच हारकर बाहर हो गयी है।

ग्रुप बी की बात करें तो श्रीलंका की टीम दो मैच जीतने के बाद पहले शीर्ष पर है जबकि दूसरे नंबर पर जिम्बाब्वे की टीम है, उसने भी अब तक दो मैच जीते हैं। तीसरे नंबर पर ऑस्ट्रेलिया है, वह 2 में से एक मैच हारी है। चौथे नंबर पर आयरलैंड ने 3 में से एक मैच ही जीता है। अपने सभी मैच हार कर अंतिम स्थान पर ओमान है। ग्रुप सी की अंक तालिका में वेस्टइंडीज की

टीम नंबर एक पर रहने के साथ ही सुपर 8 में पहुंच गयी है। उसने 3 मैच जीत लिए हैं। इंग्लैंड 3 में से दो मैच जीतकर दूसरे स्कॉटलैंड 3 में से एक मैच जीतकर तीसरे नंबर पर है। इटली की टीम 2 में से एक मैच जीती है, जो चौथे पायदान पर है और नेपाल अपने पहले तीन मैच हारने के बाद बाहर हो गई है।ग्रुप डी में दक्षिया अफ्रीका की टीम 3 मैच जीतकर 6 अंकों के साथ नंबर एक पर है। दो और टीमें उसके करीब हैं पर नेट रन रेट के आधार पर दक्षिण अफ्रीका का सुपर 8 में पहुंचना तय है।

पाकिस्तान की हार के बाद पीसीबी प्रमुख नकवी पर भड़के अख्तर, नाकाबिल लोग देश का क्रिकेट चला रहे

लाहौर । भारत के खिलाफ टी20 विश्वकप के लीग मुकाबले में पाकिस्तान टीम की करारी हार के बाद पूर्व क्रिकेटर शोएब अख्तर भड़क गये । रावलपिंडी एक्सप्रेस के नाम से मशहूर रहे अख्तर ने इस हार के लिए पाक बोर्ड (पीसीबी) चेयरमैन मोहसिन नकवी को जिम्मेदार बताया है । अख्तर ने टीवी पर ही नकवी को जाहिल और नाकाबिल बताया । भारतीय टीम ने इस मैच को आसान से 61 रनों से जीत लिया । मैच के बाद अख्तर से जब उनकी पहली प्रतिक्रिया मांगी तो उन्होंने कहा, जिस आदमी को नहीं पता कि कैसे क्रिकेट चलानी है आज वही बोर्ड चेयरमैन बना हुआ है। ऐसे में किस प्रकार टीम चलेगी इसका अंदाजा लगाया जा सकता है ? इसके साथ ही उन्होंने नाम लिए बिना ही बाबर आजम को निशाना बनाया और कहा कि जिसकों सुपरस्टार का तमगा दिय है । वह एक भी मैच नहीं जिता सका है । इस पूर्व तेज गेंदबाज ने साथ ही कहा, दुनिया का सबसे बड़ा अपराध किसी नाकाबिल को कमान देना है । इसका कारण है कि वह देश को तबाह कर देता है । यही हमारे साथ हुआ है । शोएब ने इस बयान में नकवी का नाम तो नहीं लिया पर वहीं पीसीबी प्रमुख है, इसलिए जो कुछ भी शोएब ने कहा है वह तय है कि नकवी के लिए ही है । समय बोर्ड के चेयरमैन वही हैं तो उनका कहना नकवी के लिए ही था ।पाकिस्तान की यह टी20 विश्व कप के मैचों में भारतीय टीम के खिलाफ आठवीं हार है । भारत और पाकिस्तान के बीच अब तक टी20 विश्व कप में 9 मुकाबले खेले गए हैं और इसमें एक बार ही पाक टीक जीत पायी है । पाक टीम साल 2021 के टी20 विश्व कप में बाबर आजम की कप्तानी में जीती थी । इससे पहले एशिया कप में भी पाक को भारतीय टीम ने हराया था ।

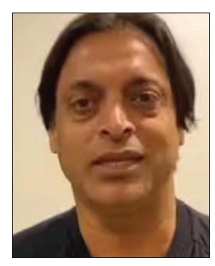

अभिषेक के बल्ले से नहीं निकल रहे रन, इस साल चौथी बार शून्य पर आउट हुए

मुम्बई । भारतीय टी20 टीम के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा इस साल की शुरुआत से ही खामोश है, पाकिस्तान के खिलाफ अहम मैच में उनसे बड़ी पारी की उम्मीद थी पर वह शून्य पर ही आउट हो गये । अभिषेक अब तक टी20 विश्कवप में भी रन नहीं बना पाये हैं। अभिषेक ने अब तक इस टूर्नामेंट में दो मेच खेले हैं पर वह एक भी रन नहीं बना पाये हैं । दोनों ही मैचों में वह अपना खाता भी नहीं खो पाये। इससे एक साल में टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा बार शून्य पर आउट होने वाले वे भारत के दूसरे बल्लेबाज बन गए हैं ।अभिषेक ने 7 फरवरी को टी20 विश्व कप में डेब्यू किया। अमेरिका के खिलाफ पहले मैच में उनसे बड़ी पारी की उम्मीद थी पर वह एक भी रन नहीं बना पाये। इसके बाद दिल्ली के नामीबिया के खिलाफ वह खेल नहीं पाये। इसके बाद पाकिस्तान के खिलाफ वापसी करते हुए भी उनसे धमाकेदार पारी की उम्मीद थी पर वह शून्य पर ही पेवेलियन लौट गये जबकि माना जा रहा था कि जिस प्रकार उन्होंने पिछले साल रन बनाये थे ।उसी प्रकार वह इस बार भी बनायेंगे। साल 2026 में यह चौथी बार है, जब अभिषेक टी20 अंतरराष्ट्रीय में खाता नहीं खोल पाये हैं । पिछले 6 मैचों में वह 4 बार शून्य पर आउट हुए हैं । गौरतलब है कि टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में एक साल में सबसे ज्यादा बार शून्य पर आउट होने का अनचाहा रिकॉर्ड संजू सैमसन का है, जो पिछले साल 2025 में 5 बार शून्य पर आउट हुए हैं । अभिषेक इससे पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ खेली गई पांच मैचों की टी20 सीरीज के दूसरे और चौथे मुकाबले में भी शून्य पर ही आउट हो गये थे। कुल मिलाकर अभिषेक शर्मा का टी20 क्रिकेट में पांचवां शून्य है, क्योंकि टी20 क्रिकेट में उनकी शुरुआत ही जीरो के साथ हुई थी। हालांकि, इसके बाद लगातार बड़ी-बड़ी पारियां खेलकर उन्होंनें अपने को साबित किया पर इस बार 7 मैचों में से चार मैचों में वह एक भी रन नहीं बना पाये हैं ।वहीं सैमसन ने पिछले साल 5 पारियों में एक भी रन नहीं बनाया था । अभिषेक चार पारियों में इस बार शून्य पर आउट हुए हैं ।

जिम्बाब्वे से जब-जब हारी है ऑस्ट्रेलिया, भारतीय टीम बनी है विजेता

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी टी20 विश्वकप में जिम्बाब्वे ने जिस प्रकार से ऑस्ट्रेलियाई टीम को हराया हैं। उससे भारतीय प्रशंसकों में उत्साह है और उन्हें लग रहा है कि इस बार भी भारतीय टीम खितेगीजीतेगी। इस कारण एक अजब संयोग हैं जो जिम्बाब्वे की कंगारुओं के खिलाफ जीत से जुड़ा है । इतिहास में दो बार ऐसा हुआ जब ऑस्ट्रेलिया की टीम जिम्बाब्वे से हारी है तो उसका लाभ भारतीय टीम को मिला है। साल साल 1983 के एकदिवसीय विश्वकप जिम्बाब्वे की टीम ने 13 रन से ऑस्ट्रेलिया के हराया था। इसके बाद भारतीय टीम ने विस्ट इंडीज को हराकर पहली बार खिताब जीता था। वहीं साल 2007 के टी20 विश्व कप में जिम्बाब्वे ने 5 विकेट से ऑस्ट्रेलिया को हराया था। जब भी भारतीय टीम महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में

जीती थी। वहीं इस बार भी जिम्बाब्वे ने ऑस्ट्रेलियाई टीम को हराकर पहला उलटफेर किया है। जिम्बाब्वे ने ऑस्ट्रेलिया की पूरी बल्लेबाजी को सिर्फ 146 रन पर समेट दिया। इस हार के बाद ऑस्ट्रेलिया के लिए सुपर 8 में में पहुंचना तक कठिन हो गया है। वह ग्रुप बी की अंक तालिका में तीसरे स्थान पर खिसक गयी हैं। 19 साल बाद किसी बड़े आईसीसी टूर्नामेंट में जिम्बाब्वे ने ऑस्ट्रेलिया को हराया है।ऑस्ट्रेलिया की टीम को जीत का प्रबल दावेदार माना जा रहा था पर उसकी शुरुआत अच्छी नहीं रही और पहले पांच से ही जिम्बाब्वे के गेंदबाज हावी हो गये। ब्लेसिंग मुजाराबानी ने जोश इंग्लिस को जल्दी आउट कर शुरुआत की, वहीं ब्रैड इवांस ने कैमरून ग्रीन और ट्रैविस हेड को पेवेलियन भेजा था। टिम डेविड भी बिना खाता खोले मुजाराबानी का शिकार बने, जिससे ऑस्ट्रेलिया का मध्यक्रम ध्वस्त हो गया।

खराब फॉर्म से जूझ रहे बाबर-शाहीन की हो सकती है छुट्टी, पाकिस्तान टीम के सूत्र ने दी बड़ी जानकारी

कराची । भारत के खिलाफ कोलंबो में अहम मुकाबले में नाकाम रहने के बाद नामीबिया के खिलाफ टी20 विश्व कप के अगले मैच में खराब फॉर्म से जूझ रहे बाबर आजम और शाहीन शाह अफरीदी की पाकिस्तानी टीम से छुट्टी हो सकती है । पाकिस्तानी टीम प्रबंधन के विश्वस्त सूत्र ने यह जानकारी दी। सूत्र ने कहा कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के प्रमुख मोहसिन नकवी ने भारत से मिली 61 रन से हार के बाद टीम मैनेजर नावेद अकरम चीमा को नाराजगी जता दी है । सूत्र ने कहा, 'PCB अध्यक्ष प्रेमदासा स्टेडियम से मैच खत्म होने से पहले ही चले गए क्योंकि पाकिस्तान की हार तय हो चुकी थी ।' सूत्र ने यह भी कहा कि नकवी ने पीसीबी के एक आला अधिकारी के जरिये मैनेजर को संदेश दिया है कि इस तरह का प्रदर्शन स्वीकार्य नहीं है । कोच माइक हेसन ने भी ड्रेसिंग रूम में टीम से बात करके कहा कि उन्होंने अपनी क्षमता के अनुरूप नहीं खेला । सूत्र ने कहा, 'टीम प्रबंधन ने तय किया है कि अब बहुत हो चुका और बाबर आजम तथा शाहीन को आराम देकर सलमान मिर्जा और नसीम शाह या फखर जमां को उतारा जाए ।'

कैनबरा होटल मामला : पीएसबी ने दिए भुगतान के सबूत, पाकिस्तान हॉकी महासंघ विवाद के घेरे में

कराची । पाकिस्तानी हॉकी टीम के लिए आस्ट्रेलिया में होटल बुकिंग के एक करोड़ पाकिस्तानी रूपए से अधिक के भुगतान के सबूत पाकिस्तान खेल बोर्ड (PSB) द्वारा दिए जाने के बाद अब पाकिस्तान हॉकी महासंघ विवाद के घेरे में आ गया है । पाकिस्तान हॉकी टीम को सिडनी हवाई अड्डे पर 13 से 14 घंटे इंतजार करना पड़ा क्योंकि कैनबरा की फ्लाइट लेने से पहले पीएचएफ न खिलाड़ियों और अधिकारियों के हवाई अड्डे पर रूकने या खाने का कोई इंतजाम नहीं किया था जिससे पीएचएफ और पीएसबी की काफी आलोचना हो रही थी । FIH प्रो लीग के लिए कैनबरा पहुंचने के बाद पाकिस्तानी टीम के पास होटल नहीं था क्योंकि पीएचएफ ने भुगतान नहीं किया था । लाहौर से आस्ट्रेलिया का 24 घंटे का सफर तय करने के बाद खिलाड़ी और सहयोगी स्टाफ चार सितारा होटल पहुंचे जहां उन्हें बताया गया कि उनके नाम पर कोई बुकिंग नहीं है। खिलाड़ियों को अपने लगैज के साथ कैनबरा में होटल के बाहर लंबा इंतजार करना पड़ा जिसके बाद कैनबरा में रहने वाले पाकिस्तानियों ने सस्ते एयरबीएनबी होटल का इंतजाम किया । अगले दिन पाकिस्तान ऑस्ट्रेलिया से पहला मैच हार गया । PSB ने अब PHF को 28 जनवरी को होटल के इंतजाम के लिए किए गए एक करोड़ और पांच लाख रूपए के चेक की फोटोकॉपी जारी कर दी है । इससे साबित होता है कि क्क्स्क्ने एयर टिकट और होटल के अलावा दैनिक भत्ते का भी भुगतान कर दिया था । क्काास्त्र अपनी ओर से कहता रहा कि खिलाड़ियों और अधिकारियों को ऑस्ट्रेलिया में कोई तकलीफ नहीं हुई । वैसे यह पहली बार नहीं हुआ है कि क्काास्त्र अधिकारी आर्थिक मामलों को लेकर विवाद में पड़े हों ।

'यह कोई बड़ा मैच नहीं है', टी20 विश्वकप में भारत-पाक मुकाबले पर सौरव गांगुली का बड़ा बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी पुरुष टी20 वर्ल्ड कप के ग्रुप ए मुकाबले में भारत के अपने कट्टर दुश्मन पाकिस्तान पर 61 रन से जीत दर्ज करने के बाद भारत के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली का मानना है कि भारत और पाकिस्तान के बीच अपने आप होने वाले 'बड़े मैच' का आइडिया पुराना हो गया है क्योंकि जो इंटेंसिटी और कॉम्पिटिशन कभी इस मुकाबले को दिखाता था, वह अब वैसा नहीं लगता।

पिछले चैंपियन भारत की पाकिस्तान पर जीत ने सुपर 8 में भी उनकी जगह पक्की कर दी। ईशान किशन के 77 रन ने माहौल बना दिया था और भारत के गेंदबाजों ने यह पक्का किया कि 176 का लक्ष्य हमेशा पहुंच से बाहर रहे जिससे पाकिस्तान 18 ओवर में 114 रन पर आउट हो गया। IANS से बात करते हुए गांगुली ने कहा कि मौजूदा पाकिस्तान टीम की तुलना उस महान टीम से नहीं की जा सकती जिसमें जावेद मियांदाद और वसीम अकरम जैसे खिलाड़ी थे।

गांगुली ने कहा, 'अब कोई बड़ा मैच नहीं होता, पहले ऐसे मैच हुआ करते थे। हम पाकिस्तान को जावेद मियांदाद, वसीम अकरम और शाहिद तनवीर की टीम समझने की गलती करते हैं, लेकिन अब वह पाकिस्तान नहीं है।' रविवार की जीत के साथ भारत ने टी20 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान के खिलाफ अपना हेड-टू-हेड रिकॉर्ड 8-1 कर लिया है। पाकिस्तान सिर्फ एक बार (2021 में) जीत पाया था।

गांगुली ने कहा, 'तो मेरे हिसाब से, यह कोई बड़ा मैच नहीं है। मेरे लिए असली बड़े मैच भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया, भारत बनाम साउथ अफ्रीका और भारत बनाम इंग्लैंड हैं। टीमों के बीच बहुत बड़ा अंतर है, इसलिए, नतीजा कुछ हद तक उम्मीद के मुताबिक है। नतीजे से ज्यादा क्वालिटी में अंतर दिखता है।'

भारत ने एक मैच बाकी रहते सुपर 8 में क्वालिफाई कर लिया है। पाकिस्तान को अब इवेंट के सुपर 8 फेज के लिए अपने आखिरी ग्रुप ए मैच में नामीबिया को हराना होगा। भारत अपने लीग स्टेज कैंपेन का अंत 18 फरवरी को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में नीदरलैंड्स के खिलाफ मैच के साथ करेगा।

21 फरवरी को मेसी के बिना ही उतरेगी इंटर मियामी

फोर्ट लॉडरडेल । इंटर मियामी को 21 फरवरी को होने वाले मेजर लीग फुटबॉल (एमएलएस) कप के पहले मैच में स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेसी के बिना ही उतरना होगा। मैसी के बायीं हैमस्ट्रिंग में खिंचाव के कारण इस मैच तक फिट होने की संभावना नहीं है ।इंटर मियामी की टीम ने कहा है कि मेसी चोटिल और उपचार के दौर से गुजर रहे है। एमएलएस सत्र में लगातार दो बार के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी रहे मेसी ने पिछले सप्ताह मेंइक्काडोर में अभ्यास सत्र से पहले खेले गए मैच में एक गोल दागा था पर दूसरे हाफ के दौरान ही उन्हें हैमस्ट्रिंग में खिंचाव आ गया था । इस कारण वह मैदान से बाहर आ गये थे । इसी को लेकर इंटर मियामी ने कहा, अभ्यास में उनकी वापसी आने वाले दिनों में उनकी फिटनेस पर निर्भर करेगी । वहीं अगर मेसी नहीं खेलते तो ये टीम के लिए करारा झटका होगा । मेसी को क्लब कितन अहम मानना है उसका अंदाजा इसी से होता है कि पिछले अक्टूबर में इंटर मियामी ने उनके साथ अनुबंध को तीन साल के लिए बढ़ा दिया था ।

पैपराजी पर भड़कीं आयशा खान, एआई के गलत इस्तेमाल को भी बताया खतरनाक

आजकल एआई से किसी फोटो या वीडियो को एडिट करना कोई बड़ी बात नहीं है। एडिट होने के बाद भी आप असली और एडिट किए हुए फोटो में फर्क नहीं बता सकते। इसी को लेकर एक्ट्रेस आयशा खान ने खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि कैसे उनके फोटो और वीडियो एआई से एडिट करके वायरल किए जाते हैं। जो देखने में बिलकुल असली लगते हैं।

से किसी की इमेज बदलना बहुत डिस्टर्बिंग

आयशा खान ने कहा कि उन्हें खुद कई ऐसे बदले हुए फोटो सोशल मीडिया पर मिले हैं, जो देखने में बहुत असली लगते हैं। इन तस्वीरों को देखकर उन्हें काफी दुख होता है और डिस्टर्बिंग लगता है। पिंकविला के साथ इंटरव्यू में आयशा ने कहा, 'एआई वाली चीज बहुत डरावनी हो गई है। इंटरनेट पर महिलाओं को सेक्सुअलाइज करने के लिए ऐप बनाना बहुत ही खतरनाक है। मेरे और विजय सर की एक तस्वीर को एआई वीडियो में बदल दिया गया, जैसे हम गले मिल रहे हों। जिसके बाद मुझे बताना पड़ा कि ऐसा कभी हुआ ही नहीं। ज्यादातर लोग यह समझ ही नहीं पाते हैं कि यह सब एआई से किया गया है।'

पैपराजी के वीडियो पर क्या बोलीं आयशा?

पैपराजी के वीडियो और वायरल क्लिप्स के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, 'लोग सहमति को नहीं समझते। बिना पूछे आप किसी का वीडियो या फोटो नहीं ले सकते। आप जानते हैं कि यह गलत है, फिर भी किसी का 'oops' मूमेंट कैप्चर करके उसे पोस्ट कर देते हैं। हालांकि कई फोटोग्राफ्रर उनकी सीमाओं का सम्मान करते हैं। जब वह किसी फोटो को पोस्ट ना करने को कहती हैं, तो वे मान जाते हैं और उसे सोशल मीडिया पर पोस्ट नहीं करते हैं।'

आयशा का शरारत गाना हुआ खूब वायरल

आयशा खान हाल ही में धुरंधर के 'शरारत' गाने में नजर आई थीं। इसमें उनके साथ क्रिस्टल डिसूजा ने भी परफॉर्म किया था। यह गाना सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुआ।

वीर पहाड़िया से ब्रेकअप की अफवाहों के बीच दिमागी सुकून पर बोलीं सुतारिया

तारा सुतारिया इन दिनों वीर पहाड़िया के साथ कथित तौर पर ब्रेकअप को लेकर सुर्खियों में हैं। कयास लगाए जा रहे हैं कि वीर पहाड़िया से उनका ब्रेकअप हो गया है। इस बीच उन्होंने बताया है कि वह अपने दिमागी सुकून पर ध्यान दे रही हैं। आइए जानते हैं उन्होंने और क्या कहा है।

क्या है जिंदगी का मकसद?

बातचीत में तारा सुतारिया ने कहा 'मैंने हमेशा से इस बात पर यकीन किया है कि असली कामयाबी दिमागी सुकून में है। मेरी जिंदगी का यह मकसद रहा है कि आपके पास जो मुट्ठी भर लोग हैं, वह आपको प्यार करें और आपको जानें।' उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जैसे-जैसे करियर आगे बढ़ा है, शांत रहना और भी जरूरी हो गया है।

शांति की रक्षा करना सीखा

तारा सुतारिया ने बताया कि उन्हें यह समझने में समय लगा कि उन्हें अच्छा महसूस करने के लिए क्या चाहिए। उन्होंने कहा, 'मैंने अपनी शांति की रक्षा करना सीख लिया है। सिर्फ हम जानते हैं कि अपने नर्वस सिस्टम को कैसे शांत करना है।'

वायरल वीडियो के बाद फैली अफवाह

हाल ही में खबरें आई कि तारा सुतारिया और वीर पहाड़िया का ब्रेकअप हो गया है। हालांकि दोनों ने इस पर कुछ नहीं कहा है। एपी ढिल्लों के मुंबई कॉन्सर्ट के वायरल वीडियो के बाद उनके ब्रेकअप की अफवाहें फैलीं। इस वीडियो की सुतारिया ने आलोचना की और इसे पेड पीआर बताया। वहीं पहाड़िया ने कहा कि जो क्लिप सर्कुलेट हो रही थी, उसे एडिट किया गया था।

'स्पिरिट' से बाहर होने की अफवाह के बीच प्रकाश राज ने किया नई फिल्म का एलान

बीते दिनों प्रकाश राज को लेकर ऐसी अफवाहें चलीं कि वे संदीप रेड्डी वांगा के निर्देशन में बन रही फिल्म 'स्पिरिट' से बाहर हो गए हैं। हालांकि, प्रकाश राज ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए कल सोमवार को इन अफवाहों को खारिज कर दिया। आज मंगलवार को उन्होंने एक दिलचस्प अपडेट शेयर किया है। वे अब फिल्म 'दृश्यम 3' का हिस्सा बन गए हैं। प्रकाश राज ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया है। इसके साथ लिखा है कि वे फिल्म 'दृश्यम 3' का हिस्सा बन गए हैं। आगे लिखा है, 'दिलचस्प फ्रेंचाइजी 'दृश्यम 3' हिंदी में शूटिंग शुरू कर दी है। एक शानदार टीम और एक शानदार रोल के साथ। मुझे यकीन है कि आपको यह पसंद आएगा। और हां, मैं किसी को रिप्लेस नहीं कर रहा हूं।

बता दें कि ऐसी खबरें सामने आई थीं कि दीपिका पादुकोण के बाद प्रकाश राज भी 'स्पिरिट' से हट गए हैं। संदीप रेड्डी वांगा के साथ रचनात्मक मतभेदों के चलते उन्होंने ऐसा किया। फिल्म 'स्पिरिट' से अपने बाहर होने की अफवाहों को बढ़ता देख प्रकाश राज ने सोशल मीडिया पोस्ट शेयर कर इस पर प्रतिक्रिया दी थी। उन्होंने अपने एक्स अकाउंट से लोगों से अफवाहें न फैलाने की बात कही। एक्टर ने लिखा, 'सभी टॉक्सिक फर्जी खबरें फैलाने वालों को 'स्पिरिट' फिल्म के बारे में बताना चाहता हूं। हमने अभी तक मेरे सीन्स की शूटिंग शुरू भी नहीं की है और व्हाट्सएप फैक्ट्रियां कहानियां बना रही हैं। थोड़ी समझदारी दिखाओ। अपनी जिंदगी जियो'।

शमिता ने डेटिंग संबंधी अफवाहों को किया खारिज

अभिनेत्री शमिता शेट्टी ने बीते दिनों अपना जन्मदिन मनाया। उनके बर्थडे सेलिब्रेशन की फोटोज में उनके एक दोस्त की झलक दिखी। इसके बाद उनकी डेटिंग को लेकर अफवाहें शुरू हो गईं। बाद में शमिता ने डेटिंग संबंधी अफवाहों को खुद खारिज किया। शमिता शेट्टी ने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक वीडियो शेयर किया है।

बता दें कि बीते दिनों अभिनेत्री शमिता की डेटिंग लाइफ को लेकर अफवाहों का बाजार गर्म हो गया। दरअसल, उन्होंने 02 फरवरी को अपना जन्मदिन मनाया। इस जश्न में उनके साथ बहन शिल्पा शेट्टी और जीजू राज कुंद्रा भी मौजूद रहे। सोशल मीडिया पर सामने आईं शमिता के जन्मदिन के सेलिब्रेशन की तस्वीरों में एक शख्स ऐसा भी नजर आया, जिसके साथ शमिता का नाम जोड़ा गया।

शख्स टेक्नो आर्टिस्ट-बिजनेसमैन दीपेश शर्मा थे। हलांकि, डेटिंग को लेकर शुरू हुई अफवाहों को शमिता ने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए खारिज कर दिया।

दीपेश शर्मा के साथ अफेयर की अफवाहों पर शमिता ने इंस्टाग्राम स्टोरी शेयर कर लिखा था, 'सिंगल और शांत। सच्ची दोस्ती को गलत तरीके से समझने वाले रूढ़िवादी बनना बंद करो। ये सरासर बकवास है'। बता दें कि शमिता ने साल 2000 में फिल्म 'मोहब्बतें' से डेब्यू किया था।

डार्क और चैलेंजिंग रोल में नेगेटिव शेड के साथ नजर आएंगी रश्मिका मंदाना

अल्लू अर्जुन और एटली एक फिल्म पर काम कर रहे हैं। इस फिल्म के टाइटल का अभी एलान नहीं किया गया है। इसके बावजूद फिल्म ने काफी चर्चा बटोर ली है। फैंस इस बात को लेकर उत्साहित हैं कि इस प्रोजेक्ट में पहली बार एक पावरफुल स्टार और एक ब्लॉकबस्टर डायरेक्टर साथ काम कर रहे हैं। कई लोगों का मानना है कि यह फिल्म आने वाले वक्त में सबसे बड़ी फिल्मों में से एक होगी।

लेट्स ओटीटी के मुताबिक इस प्रोजेक्ट की खास बात यह है कि इसमें रश्मिका मंदाना नजर आएंगी। बताया जाता है कि रश्मिका मंदाना एक डार्क और चैलेंजिंग रोल में नेगेटिव शेड के साथ नजर आएंगी। फिल्म में रश्मिका का किरदार उन खुशमिजाज किरदारों से बहुत अलग है, जो वह आमतौर पर स्क्रीन पर निभाती हैं। यह भी कहा जा रहा है कि अल्लू अर्जुन ने पर्सनली इस रोल के लिए उनका नाम सजेस्ट किया था। फैंस को लगता है कि यह किरदार रश्मिका का बिल्कुल नया साइड सामने लाएगा।

फिल्म में दीपिका पादुकोण लीड फीमेल रोल में हैं। दो मजबूत एक्ट्रेस के अहम रोल निभाने से फिल्म को लेकर उम्मीदें और भी बढ़ गई हैं। कई फैंस यह देखने के लिए बेताब हैं कि फिल्म में उनके किरदार कैसे होंगे। खबर है कि रश्मिका ने इस हफ्ते अपने हिस्से की शूटिंग शुरू कर दी है। वह फरवरी भर काम करती रहेंगी। इस महीने के आखिर में वह अपनी शादी के लिए छोटा ब्रेक ले सकती हैं। फिल्म का प्रोडक्शन आसानी से चल रहा है। करीब 25 से 30 प्रतिशत शूटिंग पहले ही पूरी हो चुकी है।

बेटे के डेब्यू पर गोविंदा का बड़ा बयान
बताया क्यों छोड़ी राजनीति

गोविंदा बीते दिनों से चर्चाओं का विषय बने हुए हैं। हाल ही में उनकी पत्नी ने उनपर एक्स्ट्रामैरिटल अफेयर के आरोप लगाए थे। हालांकि इन सभी आरोपों को गोविंदा ने खारिज कर दिया। अब उनके बेटे बॉलीवुड में डेब्यू करने वाले हैं। गोविंदा ने उनके बेटे की एक्टिंग पर भी खुलकर बात की है।

यश मुझसे भी बेहतर एक्टर बनेगा

गोविंदा ने कहा कि उन्हें अपने बेटे पर पूरा भरोसा है और यश आगे चलकर उनसे भी बेहतर एक्टर बनेगा। बातचीत में गोविंदा ने कहा, 'यश मुझसे बेहतर एक्टर बनेगा। वो टेक्निकली मुझसे ज्यादा मजबूत है।' अपने बेटे को सपोर्ट करने को लेकर गोविंदा ने बताया कि उनकी सिफारिश पर निर्माता साजिद नाडियाडवाला ने यश को अपने ऑफिस में जगह दी, ताकि वह फिल्ममेकिंग के अलग-अलग पहलू सीख सके।

करण जौहर पर कसा तंज

इस इंटरव्यू के दौरान गोविंदा ने बताया कि उनके नाम पर एक फिल्म बनाई गई थी। गोविंदा बोले, 'किसी ने मेरे नाम से पिक्चर बना दी थी। शायद उसका नाम 'गोविंदा मेरा नाम' था। मुझे पता नहीं, पर लगता है कि वो करण जौहर की फिल्म थी।' बता दें, साल 2022 में रिलीज हुई 'गोविंदा मेरा नाम' में विक्की कौशल, भूमि पेडनेकर और कियारा आडवाणी ने साथ काम किया था। इस फिल्म का निर्देशन शशांक खैतान ने किया था। वहीं इसके प्रोड्यूसर करण जौहर थे।

गोविंदा ने क्यों छोड़ी राजनीति

वहीं राजनीति छोड़ने के फैसले पर गोविंदा ने कहा कि उन्होंने यह कदम अपने परिवार के लिए उठाया। उन्होंने कहा, 'मैं नहीं चाहता था कि राजनीति मेरी फैमिली लाइफ और बच्चों पर असर डाले।'

न्यूकमर्स के साथ काम करना चाहते हैं गोविंदा

खबर है कि गोविंदा सलमान खान की फिल्म 'बैटल ऑफ गलवां' में नजर आ सकते हैं। हालांकि इस बात को लेकर कोई जानकारी मेकर्स ने शेयर नहीं की है। हां, सलमान खान ने 'बिग बॉस 19' के मंच पर जरूर कहा था कि वह गोविंदा के साथ एक फिल्म में काम कर रहे हैं। गोविंदा ने आगे कहा कि वह नए कलाकारों के साथ काम करना चाहते हैं और नहीं चाहते कि कोई भी एक्टर उनके बारे में गलत डर बनाए। इसी वजह से उन्होंने सभी से माफी भी मांगी। वहीं, हाल ही में सुनीता आहूजा के भी बॉलीवुड में डेब्यू करने की बात सामने आई है।

यशवर्धन करने वाले हैं बॉलीवुड में डेब्यू

गोविंदा और सुनीता की शादी 1987 में हुई थी। उनके दो बच्चे भी हैं। बेटी टीना ने 2015 में फिल्म 'सेकंड हैंड हसबैंड' से डेब्यू किया था। बेटा यशवर्धन भी जल्द ही फिल्मों में कदम रखने वाले हैं।

पके कटहल को करें डाईट में शामिल, दूर होंगी कई बीमारियां

गर्मियों के मौसम में कटहल हर कोई खाना पसंद करता है। इसमें फाइबर की भरपूर मात्रा पाई जाती है जो आपके अच्छे स्वास्थ्य के लिए बहुत ही आवश्यक है। पके कटहल में प्रोटीन भी बहुत ही अधिक मात्रा में पाया जता है। इसके अलावा इसमें पाया जाने वाला पोटैशियम हृदय संबंधी समस्याओं को दूर रखने में मदद करता है। कटहल आपके लिवर के लिए भी बहुत ही फायदेमंद होता है। तो चलिए आपको बताते हैं कि पका कटहल खाने से आपकी सेहत को और कौन-कौन से फायदे हो सकते हैं.

कटहल के पत्ते भी हैं फायदेमंद

कटहल ही नहीं बल्कि उसके पत्ते भी आपके अच्छे स्वास्थ्य के लिए बहुत ही फायदेमंद होते हैं। जिनके मुंह में छाले की समस्या होती है उन्हे कटहल के पत्ते को चबाना चाहिए। इससे उनकी मुंह के छालों में काफी आराम मिलेगा।

दिल रहेगा स्वस्थ

पका हुआ कटहल आपके हृदय के लिए भी बहुत ही लाभकारी माना जाता है। इसमें पाया जाने वाला पोटैशियम ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में मदद करता है।

पाचन मजबूत

गर्मियों में यदि आपको खाना नहीं पच पाता तो आप पके हुए कटहल को अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं। यह पाचन संबंधी समस्याओं को दूर करके आपका वजन सुधारने में भी मदद करता है।

वजन होगा कम

पके हुए कटहल में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण भी पाए जाते हैं जो आपके शरीर में बढ़ते हुए मोटापे को रोकने में मदद करते हैं। इसका अलावा इसे रेसवेरास्ट्रॉल नाम के एंटीऑक्सीडेंट का भी बहुत ही अच्छा स्त्रोत माना जाता है। यह आपके रक्त के संचार को कंट्रोल करन में भी मदद करता है।

इम्यूनिटी होगी स्ट्रांग

पके कटहल में विटामिन सी भी भरपूर मात्रा में पाया जाता है। विटामिन-सी आपके शरीर में एक एंटीऑक्सीडेंट के रुप में कार्य करता है। इसका सेवन करने से आपकी इम्यूनिटी स्ट्रांग होती है। साथ ही यह आपके शरीर के लिए इम्यूनिटी बूस्टर की तरह काम करता है।

लिवर रहता है स्वस्थ

पके कटहल का सेवन करने से आपका लिवर भी स्वस्थ रहता है। इसमें पाए जाने वाले पोषक तत्व आपके लिवर को मजबूत बनाते हैं। इसमें राइबोफ्लेविन, जिंक, कॉपर और नाइसिन जैसे तत्व पाए जाते हैं जो लिवर को मजबूत बनाने में मदद करते हैं।

गठिया का रामबाण इलाज है कच्चे पपीते की चाय

उम्र बढ़ने के साथ-साथ या फिर कैल्शियम की कमी से हड्डियों से जुड़ी समस्याएं होना आम बात है। इन्हीं में से एक समस्या है गठिया की, जिससे कई लोग परेशान होते हैं। इसमें जोड़ों में दर्द, यूरिक एसिड के क्रिकेट का जोड़ों में जमा होना जैसी समस्याएं आती है। इससे बचने के लिए या फिर इलाज के लिए आप काफी कुछ आजमा चुके हैं और फिर भी कोई असर नहीं होता, तो इसका एक बेहतरीन घरेलू उपाय है हमारे पास। ये उपाय है कच्चे पपीते की चाय। जी हां, आपको जानकर हैरानी होगी कि पपीते की चाय का सेवन आपकी गठिया की समस्या समाप्त कर सकती है। मेडिकल साइंस की दुनिया में भी इस चाय का काफी महत्व है। पपीता शरीर में यूरिक एसिड की मात्रा को घटाता है और इसमें सूजन को दूर करने वाले गुण होते हैं।

विधि - इस चाय को बनाने के लिए आपको चाहिए - पानी, कच्चा हरा पपीता, ग्रीन टी बैग या ग्रीन टी की पत्तियां। अब चाय बनाने के लिए सबसे पहले एक बर्तन में पानी लेकर उसमें कच्चे पपीते के टुकड़े डाल दें और इसे आंच पर रख दें। जब यह उबलने लगे, तो आंच बंद करके इसे थोड़ा ठंडा होने के लिए रख दें। इस इसे छान लें और इसमें ग्रीन टी डालकर लगभग 3 मिनट के लिए छोड़ दें। अब यह चाय पीने के लिए तैयार है, इसे गर्मागर्म या गुनगुनी ही पिएं।

जानिए पपीते की इस चाय के फायदे -

- गठिया की समस्या में फायदेमंद।
- शारीरिक सूजन कम करने में मददगार।
- ब्लड प्लेटलेट्स की संख्या बढ़ाने में मददगार।
- शरीर के अवांछित तत्वों को बाहर कर आंतरिक सफाई में मददगार।

बीपी-शुगर में रामबाण है ब्लैक राइस

आपने आज तक सफेद या ब्राउन चावल के बारे में सुना होगा। लेकिन क्या आपने काले चावल के लाभ के बारे में सुना है। अगर नहीं तो चलिए आज हम आपको बताते हैं काले चावल के बेमिसाल फायदे।

हमारे देश में चावल का सेवन सदियों से किया जा रहा है। बिरयानी से लेकर डोसा और इडली तक चावलों से ना जाने कितने ही व्यंजनों को तैयार किया जाता है। आज से कुछ समय पहले तक ज्यादातर लोगों को केवल सफेद चावल के बारे में ही जानकारी थी। लेकिन अब लोग चावल की अलग-अलग किस्मों को ना केवल जान रहे हैं बल्कि इनका सेवन भी कर रहे हैं। ऐसे में आप काले चावल को ही ले लीजिए। दरअसल काले चावल ओरीजा सैटिवा प्रजाति से आते हैं। प्राचीन काल में चीन के अंदर इन काले चावल के पोषक तत्वों को देखते हुए इसे रॉयल्टी में शामिल किया गया था। आपको बता दें कि काले चावल के अंदर कई तरह के एंटीऑक्सीडेंट गुण और अन्य पोषक तत्व होते हैं जो आपको जिंदगी भर सेहतमंद रख सकते हैं। आज इन काले चावलों के जरिए विश्व भर में तरह-तरह की खाद्य सामग्री तैयार की जाती है। जिनका लुत्फ आप भी उठा सकते हैं। लेकिन इससे पहले जरा काले चावल के फायदे जानिए।

आयरन और प्रोटीन का खजाना

अगर आप अपनी रोजाना की डाइट में प्रोटीन की मात्रा बढ़ाना चाहते हैं, तो आप काले चावल का सेवन कर सकते हैं। आपको बता दें कि 10 ग्राम ब्लैक राइस में लगभग 9 ग्राम प्रोटीन होती है, जो ब्राउन राइस के मुकाबले कहीं अधिक है। यही नहीं इसमें आयरन भी मौजूद होता है जो शरीर में ऑक्सीजन पहुंचाने के लिए बेहद जरूरी है। इसके अलावा इसमें कुछ अन्य पोषक तत्व हैं जो कुछ इस प्रकार हैं।

45 ग्राम चावल में पोषक तत्व की मात्रा

कैलोरी - 160
फैट - 1.5 ग्राम
प्रोटीन - 4 ग्राम
कार्ब्स - 34 ग्राम
फाइबर - रोजाना की जरूरत का 6 प्रतिशत

इसके 23 एंटीऑक्सीडेंट हृदय रोग और अल्जाइमर से बचाते हैं

आज तक आपने ऐसी बहुत सी खाद्य सामग्रियों का सेवन किया होगा जिनमें एक, दो या पांच एंटीऑक्सीडेंट होंगे। लेकिन ब्लैक राइस में एक या दो नहीं बल्कि पूरे 23 एंटी ऑक्सीडेंट तत्व पाए जाते हैं। यह एंटीऑक्सीडेंट गुण आपको ऑक्सीडेटिव तनाव से राहत दिलाते हैं। ज्ञात हो कि ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस की वजह से कैंसर, हृदय रोग और अल्जाइमर जैसी समस्या पैदा होती है। आप इन सभी समस्याओं से ब्लैक राइस की वजह से बचे रह सकते हैं। यही नहीं इसके अंदर कई तरह के फ्लेवोनोइड्स और कैरोटीनॉयड होते हैं। यह भी आपको सेहतमंद बनाए रखने में मदद करते हैं। इस लिहाज से आप ब्लैक राइस को अपनी डाइट में जरूर शामिल करें।

हृदय के लिए फायदेमंद

अब तक ब्लैक राइस को लेकर कई शोध हो चुके हैं जो हृदय रोगों से बचाने के दावे कर रहे हैं। हालांकि यह अध्ययन अभी उतने अधिक नहीं हुए हैं। आपको बता दें कि ब्लैक राइस को लेकर जानवरों और इंसानों पर कई शोध हुए हैं जिनमें एंथोसायनिन की भूमिका को जांचा गया है। इसके सेवन से कोलेस्ट्रॉल और ट्राइग्लिसराइड के स्तर में सुधार देखा गया है। अध्ययनों को देखकर लगता है कि यह हृदय के लिए फायदेमंद है। लेकिन अभी इस पर कुछ और अध्ययनों की आवश्यकता भी है।

कैंसर से बचाए

ब्लैक राइस को लेकर हुए कई अध्ययनों में ऐसा पाया गया है कि जो लोग अधिक मात्रा में एंथोसायनिन का सेवन करते हैं उन्हें कोलोरेक्टल कैंसर होने का खतरा कम होता है। इसके अलावा हुए टेस्ट ट्यूब अध्ययन में पया गया कि काले चावल में मौजूद एंथोसायनिन ने महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर की कोशिका को कम कर दिया। साथ कैंसर के फैलने की गति को भी धीमा कर दिया। इन अध्ययनों में भले ही अब तक अच्छे प्रमाण हासिल हुए हों। लेकिन अभी इस पर अन्य अध्ययन की आवश्यकता है।

आंखों के लिए फायदेमंद

ब्लैक चावल के अंदर जेक्सैन्थिन और ल्यूटिन मौजूद होता है जो दो प्रकार की कैरोटीनॉयड यह आंखों को स्वस्थ रखने में कारगर सिद्ध हो सकते हैं। आपको बता दें कि यह यौगिक आपकी आंखों को नुकसान पहुंचाने वाले हानिकारक मुक्त कणों से राहत दिला सकते हैं। साथ ही ब्लैक राइस के अंदर मौजूद इन गुणों पर जब अध्ययन किए गए तो इसमें पाया गया कि यह मोतियाबिंद जैसी समस्या से भी राहत दिला सकते हैं जो एक उम्र के बाद लोगों को होने लगती है। हालांकि इस पर अभी अध्ययन केवल चूहों पर ही किया गया है इंसानों पर नहीं।

वजन घटाने में असरदार

अगर आप वजन घटाना चाहते है तो आप ब्लैक राइस का सेवन कर सकते हैं। आपको बता दें कि ब्लैक राइस के अंदर मौजूद प्रोटीन और फाइबर आपका पेट भी लंबे समय तक भरा रख सकते हैं और आपका वजन घटाने में कारगर सिद्ध हो सकते हैं। इसके अलावा एंथोसायनिन को भी वजन घटाने में कई अध्ययनों में कारगर माना गया है। हालांकि यह रिसर्च अभी तक इंसानों पर नहीं हुई हैं। इसलिए इस पर अभी और अध्ययन बाकी हैं।

ग्लूटेन फ्री है ब्लैक राइस

आप शायद जानते ही होंगे कि ग्लूटेन फ्री एक तरह का प्रोटीन होता है जो कई तरह के अनाज में पाया जाता है जैसे गेहूं, जौ और राई आदि। ऐसे लोग सीलिएक रोग से पीड़ित लोगों को इस प्रोटीन से बचना होता है क्योंकि यह उनकी आंत को नुकसान पहुंचा सकता है। ऐसे में अगर आप सीलिएक रोग से पीड़ित हैं तो आप ब्लैक राइस का लुत्फ ले सकते हैं, क्योंकि यह आपकी स्थिति को बिगाड़ेगा नहीं।

इन कामों को करने वाले सबसे ज्यादा झेलते हैं साइटिका का दर्द

क्या आपको अक्सर कमर से लेकर पैरों तक तेज दर्द या जलन महसूस होती है, तो यह साइटिका या साइटिका की समस्या हो सकती है। आइए जानते हैं साइटिका के होने की वजह और इसके उपाय एवं इलाज के बारे में।

मानव शरीर के अंदर करीब 206 हड्डियां होती हैं। इनमें से अगर किसी में भी जरा दिक्कत शुरू हो जाए तो उसका असर पूरे शरीर पर पड़ता है। साथ ही आप एक भंयकर और जानलेवा दर्द से गुजरने लगते हैं। ऐसा ही कुछ होता है साइटिक नर्व में। इस स्थिति से जूझने वाले व्यक्ति को कमर से लेकर कूल्हों और पैरों तक बहुत तेज दर्द, जलन, और सुन्न होने की समस्या होने लगती है। इस स्थिति में दरअसल साइटिका के जरिए ही आप अपने पैरों को नियंत्रित कर पाते हैं और पैरों को महसूस इसकी वजह से होता है। साइटिका के उपचार या उपाय का तरीका जानने से पहले जरूरी है कि आप इस दर्द को सही प्रकार समझ लें। ऐसे में साइटिका दर्द की समस्या के कारण और उपचार के तरीकों और जटिलताओं के बारे में बता रहे हैं पेन स्पेशलिस्ट।

क्या है साइटिका का दर्द

साइटिका नर्व आपकी रीढ़ की हड्डी से शुरू होकर आपके कूल्हों से लेकर आपके पैरों तक जाती है। यह मानव शरीर की सबसे महत्वपूर्ण तंत्रिकाओं में से एक है। आमतौर पर यह दर्द लोगों को 30 साल के बाद ही होता है। यूं तो साइटिका पेन एक अस्थाई दर्द ही है जो खुद भी ठीक हो जाता है और इसके लिए दवा और कुछ उपायों की आवश्यकता भी हो सकती है। साइटिका नर्व में हुई समस्या से जूझ रहे मरीजों को कमर दर्द, पैरों में सुन्नपन आ जाना या दर्द अनुभव होता है। साइटिका को कटिस्नायुशूल के नाम से भी जाना जाता है। आइए जानते हैं इस दर्द की वजह या कारणों के बारे में।

किस वजह से होता है साइटिका

साइटिका की समस्या के पैदा होने की यूं तो कई वजह होती हैं। लेकिन डॉक्टर अमोद बताते हैं कि इस दर्द की मुख्य वजह स्लिप डिस्क होती है। आपको बता दें कि हमारी रीढ़ की हड्डी में बहुत सी हड्डियां होती हैं और इसके आगे एक डिस्क होती है, जिसे आप किसी कुशन की तरह समझ सकते हैं। इसकी वजह से हम आसानी से कमर को मोड़ सकते हैं। लेकिन जब यह डिस्क अपनी जगह से हिल जाती हैं तो इसके पीछे निकलने वाली नसों पर दबाव पड़ने लगता है। अब यह नस जहां तक जाती हैं वहां तक साइटिका का दर्द हो सकता है। लेकिन ऐसा नहीं है कि साइटिका के दर्द का केवल यही कारण है। इसकी कई वजह हो सकती हैं जो कुछ इस प्रकार हैं।

- धूम्रपान-खराब लाइफस्टाइल बनते हैं साइटिका का कारण
- अगर हड्डियों की एलाइनमेंट खराब हो तो भी साइटिका पेन हो सकता है।
- उम्र के साथ बॉडी पॉश्चर में बदलाव आता है जिसकी वजह से भी यह समस्या हो सकती है।
- अगर कोई व्यक्ति अधिक वजन उठाने के कार्य करता है तो भी यह स्थिति उत्पन्न हो सकती है।
- खराब जीवन शैली भी साइटिका पेन की वजह बन सकता है।
- ऐसे लोग जिनका वजन अधिक है उन्हें भी साइटिका का दर्द हो सकता है।
- अधिक धूम्रपान करने वाले लोगों को भी साइटिका का दर्द हो सकता है।

साइटिका का परीक्षण कैसे

आमतौर पर लोगों को लगता है कि साइटिका की स्थिति के बारे में जानने के लिए उन्हें एक्सरे कराना होगा। जबकि ऐसा बिल्कुल नहीं है। एक्सरे दूसरी कई समस्या में काम आ सकता है। लेकिन साइटिका के बारे में सही जानकारी प्राप्त करने के लिए आपको MRI ही करवाना होता है।

साइटिका से जुड़े भ्रम और सच

साइटिका के दर्द को लेकर राहत की बात यह है कि यह तीन महीने के अंदर-अंदर ठीक भी हो सकती है। हालांकि कुछ लोगों को ऐसा लगता है कि साइटिका की स्थिति में केवल सर्जरी ही एक विकल्प होता है। जबकि ऐसा बिल्कुल नहीं है क्योंकि इस स्थिति में महज 1 प्रतिशत लोगों को ही सर्जरी की जरूरत पड़ती है। बाकि अन्य साधारण उपाय से भी ठीक हो जाते हैं।

साइटिका का उपचार का तरीका

साइटिका के दर्द से राहत दिलाने और इसे हील करने के लिए डॉक्टर आपको कई तरह की पेन किलर दवाओं का सेवन करने की सलाह दे सकते हैं। इन दवाओं से आपको काफी हद तक आराम मिल सकता है। पेन किलर दवाओं का असर ना होने पर कई मामलों में डॉक्टर साइटिका की समस्या में आपके उसी हिस्से पर इंजेक्शन लगाते हैं जहां दर्द हो। इलाज की इस प्रक्रिया से जल्दी ही दर्द से राहत मिलने लगती है। वहीं अगर इनमें से कोई भी उपाय काम नहीं करता तो डॉक्टर आपको सर्जरी कराने का विकल्प देते हैं।

कैसे ठीक होता है साइटिका

अगर आपको साइटिका की समस्या है तो डॉक्टर आपको वजन घटाने, धूम्रपान छोड़ने, और एक सही जीवन शैली का पालन करने की सलाह दे सकते हैं। डॉक्टर अमोद कहते हैं कि इस समस्या में सर्जरी का विकल्प सबसे आखिरी होता है। वहीं दवाओं और इंजेक्शन के माध्यम से सर्जरी को टाला जा सकता है। जबकि कई मामलों में यह स्थिति खुद भी ठीक हो जाती है।

चीनी खाने से कैसे बढ़ता है आपका वजन?

चीनी का इस्तेमाल हर घर में होता है। चाय, कॉफी और मिठाईयों के अलावा रोजमर्रा की ऐसी कई चीजें हैं, जिनमें शुगर की मात्रा बहुत ज्यादा होती हैं। ऐसे में चीनी का सेवन कम से कम करना चाहिए क्योंकि चीनी का सेवन ज्यादा करने से आपका वजन तेजी से बढ़ता है। आइए, जानते हैं कि चीनी कैसे बढ़ाती है आपका वजन-

फ्रक्टोज इंसुलिन प्रतिरोध का कारण बनता है

चीनी का अधिक मात्रा में सेवन करना आपके ब्लड में इन्सुलिन के स्तर को बढ़ा देता है, जो आपके खाद्य पदार्थो से एनर्जी को कम करता है और उसे फैट सेल्स में परिवर्तित करता है और जब शरीर में फैट की मात्रा अधिक हो जाती है, जो आपका शरीर आपके मष्तिष्क को भूख लगने का संकेत पहुंचाता है।

फ्रक्टोज लेप्टीन नामक हार्मोन के प्रतिरोध का कारण

फ्रक्टोज लेप्टिन नामक हार्मोन के प्रभाव से वजन बढ़ने की समस्या होती है। लेप्टीन वसा कोशिकाओं द्वारा उत्पादित होता है। वसा कोशिका जितनी बड़ी होगी, उतना अधिक लेप्टिन का उत्पादन होगा। इस वजह से शरीर में अधिक वसा जमा हो जाती है और साथ ही वजन भी बढ़ता है।

फ्रक्टोज ग्लूकोज की तरह काम नहीं करता

ग्लूकोज आपके पेट को लंबे समय तक भरा रखता है, लेकिन फ्रक्टोज के सेवन से ऐसा कुछ महसूस नहीं होता है, बल्कि फ्रक्टोज के सेवन से आपको अधिक भूख महसूस होती है और इस वजह से आप कैलोरी और फैट का सेवन अधिक मात्रा में करते हैं।

फ्रक्टोज आपकी भूख को बढ़ाता है

फ्रक्टोज आपके हंगर हॉर्मोन को नियंत्रित करने में मदद नहीं करता है और इस वजह से खाने के बाद भी आपको अधिक भूख लगती है। ऐसे में कैलोरी का सेवन करते हैं जो आपके शरीर में एक्सट्रा फैट को बढ़ाता है जिसकी वजह से आपका वजन भी बढ़ता है।